Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 48
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 9

हर रेल यात्री को मिलती है 46 प्रतिशत की सब्सिडी

स्वर्ण मंदिर में चलीं गोलियां

पायनियर समाचार सेवा। अमृतसर/नई दिल्ली

नारायण सिंह चौरा को शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने के बाद गिरफ्तार किया गया।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल बुधवार को स्वर्ण मंदिर में एक हत्या के प्रयास से बच गए, जब एक पूर्व आतंकवादी ने उन पर नजदीक से गोली चलाई। हालांकि, सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी ने हमलावर को काबू कर लिया, जिससे वह बच गया। उसकी पहचान नारायण सिंह चौरा के रूप में हुई। धार्मिक दंड के तहत मंदिर के प्रवेश द्वार पर गार्ड के रूप में सेवा कर रहे 'जेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त बादल सुरक्षित हैं। वीडियो में व्हीलचेयर पर बैठे नेता को नीली 'सेवादार' वर्दी में और एक हाथ में भाला पकड़े और गले में एक छोटा सा बोर्ड लटका हुआ दिखाया गया है।

सुबह करीब 9.30 बजे हुआ यह हमला मीडियाकर्मियों के कैमरों में कैद हो गया, जो 2007 से 2017 तक पंजाब में अकाली दल सरकार द्वारा की गई 'गलतियों' के प्रायश्चित के रूप में बादल द्वारा मंदिर के बाहर 'सेवादार' के रूप में की गई ड्यूटी के दूसरे दिन को कवर करने के लिए एकत्र हुए थे। टेलीविजन फुटेज में दिखाया गया है कि शूटर धीरे-धीरे बादल (62) की ओर बढ़ रहा है, जो पैर में फ्रैक्चर के कारण व्हीलचेयर पर बैठे थे, और अपनी जेब से बंदूक निकाल रहा है। हथियार कथित तौर पर एक अत्याधुनिक 9 मिमी पिस्तौल है और सूत्रों ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह एक 'लोन वुल्फ' हमला प्रतीत होता है।बादल के पास सादे कपड़ों में खड़े एक पुलिस अधिकारी ने हमलावर के हाथों को जल्दी से पकड़ लिया और उसे दूर धकेल दिया। हाथापाई में, एक गोली बादल के पीछे मंदिर की प्रवेश दीवार पर लगी।

जल्द ही अन्य सुरक्षा कर्मियों और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के टास्क फोर्स के सदस्यों ने भी हस्तक्षेप किया। बादल ने हमले के बाद भी अपनी सेवा जारी रखी, उनके चारों ओर एक सुरक्षा घेरा बना दिया गया। उनकी पत्नी और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल भी उनसे मिलने स्वर्ण मंदिर पहुंचीं। शूटर नारायण सिंह चौरा डेरा बाबा नानक का निवासी है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा एक पूर्व आतंकवादी है। हमले के बाद उसे सुरक्षा अधिकारी ले गए और गिरफ्तार कर लिया गया। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस की सतर्कता के कारण बादल पर हमला विफल हो गया। चौरा को सबसे पहले पुलिस अधिकारी रशपाल सिंह ने देखा, क्योंकि वह एक पूर्व आतंकवादी है और उसका आपराधिक इतिहास है। आयुक्त ने कहा कि जब चौरा ने अपना हथियार निकाला, तो सहायक उपनिरीक्षक जसबीर सिंह और एक अन्य पुलिस अधिकारी परमिंदर सिंह ने चौरा के हाथ पकड़ लिए और परिणामस्वरूप गोली ऊपर की ओर चली गई। भुल्लर ने कहा, नारायण सिंह चौरा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हमले में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की सभी कोणों से जांच की जाएगी। चौरा से पूछताछ के बाद हमले के पीछे का मकसद पता लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वर्ण मंदिर में अकेले आया था। एक सवाल के जवाब में भुल्लर ने कहा कि मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं से जुड़ी होने के कारण पुलिस तलाशी नहीं ले सकती।

स्वर्ण मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एक सहायक महानिरीक्षक के नेतृत्व में करीब 175 पुलिसकर्मियों को वहां तैनात किया गया है। एएसआई जसबीर सिंह, जिनके बहादुरी भरे काम की हर तरफ से प्रशंसा हो रही है, ने संवाददाताओं से कहा कि वह सिर्फ अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। अतिरिक्त उपायुक्त हरपाल सिंह ने कहा कि पुलिस सतर्क है और आरोपियों पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा, 'हमने सुखबीर जी को कवर किया था।' अधिकारी ने कहा कि चौरा मंगलवार को भी यहां थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पुलिस को घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया, जबकि विपक्षी दलों ने राज्य में कानून-व्यवस्था के 'टूटने' पर उनके इस्तीफे की मांग की। मान ने हमलावर को पकड़ने में पुलिस की तत्परता की सराहना की और इसे 'बड़ी सफलता' बताया। उन्होंने कहा, 'पंजाब पुलिस ने आज एक बड़ी घटना को रोका। यह पंजाब पुलिस की तत्परता का ही नतीजा है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की साजिश नाकाम हो गई।' उन्होंने कहा, 'मैं सुखबीर बादल जी पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैंने पुलिस को घटना की तुरंत जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।' अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि यह बादल पर नहीं बल्कि स्वर्ण मंदिर के बाहर अपनी ड्यूटी निभा रहे 'सेवादार' पर हमला था। एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पवित्र मंदिर में धार्मिक सेवा करते समय बादल को 'निशाना बनाना बेहद दुखद और अनैतिक' है। धार्मिक दंड भुगत रहे वरिष्ठ अकाली नेता दलजीत सिंह चीमा ने इस घटना पर मान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पंजाब के लिए यह एक बड़ी घटना है। हम राज्य को कहां ले जा रहे हैं? मैं पंजाब के मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि पंजाब किस ओर जा रहा है। यह कानून-व्यवस्था की 100 प्रतिशत विफलता है। मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। चीमा ने घटना की न्यायिक जांच की भी मांग की।

बॉक्सर ने मां-पिता व बहन की जान ली

● शादी की सालगिरह वाले दिन हुई सिक्योरिटी ऑफिसर, उसकी पत्नी और बेटी की हत्या

संजय राय। नई दिल्ली

फोटोः रंजन डिमरी/पायनियर

नई दिल्ली के नेब सराय इलाके में घटनास्थल पर पुलिसकर्मी और अन्य।

दक्षिण दिल्ली के नेब सराय थाना इलाके में तिहरे हत्याकांड का खुलासा हुआ है। बेटे ने ही माता-पिता व बहन की हत्या की थी। पूछताछ में पता चला कि पिता राजेश बेटे अर्जुन को मारता-पीटता था। यहां तक की मोहल्ले में खुलेआम भी सड़क पर उसकी पिटाई करता था। बेटे अर्जुन को लगता था कि घरवाले उसके पीछे पड़े रहते हैं। वह अकेला रहना चाहता था। उसने अपने पिता के फौज वाले चाकू से ही हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपी एक सप्ताह से हत्या करने की साजिश रच रहा था। राजेश कुमार सेना में तैनाती के दौरान एनएसजी कमांडो भी रहे हैं। करीब सात साल पहले वह रिटायर्ड हुए थे। फिलहाल सैनिक फार्म में एक उद्योगपति के पीएसओ थे। उनकी बेटी कविता जूडो में ब्लैक बेल्ट है। वह सिविल सर्विस की भी तैयारी कर रही थी। बेटा अर्जुन भी राष्ट्रीय स्तर का बाक्सर है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि नेब सराय में ट्रिपल मर्डर हुआ। दिल्ली में दिन दहाड़े हत्याएं हो रही हैं, गोलियाँ चल रही रही हैं, खुलेआम ड्रग्स बिक रहे हैं। केंद्र सरकार की दिल्ली में एक ही जिम्मेदारी है। दिल्ली वालों को सुरक्षा देना, वो अपनी जिम्मेदारी में पूरी तरह फेल हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्रिपल मर्डर के बाद एक बार फिर दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा शासित केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर कहा कि नेब सराय के एक ही घर में तीन हत्याएं हुई है। यह बेहद दर्दनाक और डरानेवाला है। हर रोज दिल्ली वालों की सुबह ऐसी ही डरावनी खबरों के साथ हो रही है। अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है, कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। घर के घर बर्बाद हो रहे हैं, मासूम जिंदगियां जा रही हैं और जिनकी जिम्मेदारी है वो लोग चुपचाप ये सब होते देख रहे हैं। क्या अब भी इनकी पार्टी यही कहेगी कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा नहीं है।

दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के अनुसार, मृतकों की पहचान राजेश, कोमल, कविता के रूप में हुई है। राजेश सेवा से रिटायर होने के बाद किसी निजी कंपनी में सिक्योरिटी ऑफिसर के रूप में काम कर रहे थे। कोमल उनकी पत्नी गृहिणी थी जबकि कविता उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ रही थी। बुधवार सुबह खुद आरोपी अर्जुन ने मामले की जानकारी पुलिस को दी थी ओर बताया था कि वह मॉर्निंग वॉक पर गया था तब किसी ने उनके पिता, मां ओर बहन की हत्या कर दी। मौके पर राजेश (पिता) का शव मकान के पहली मंजिल पर पड़ा था जबकि उसकी पत्नी और बेटी का शव ग्राउंड फ्लोर पड़ा था। आरोपी ने पिता की उस वक्त हत्या की जब वह सो रहे थे। वहीं, मां और बहन ने वारदात के वक्त अपनी आखिरी सांस तक उसका विरोध किया। पुलिस को दोनों मृतकों के पास विरोध करने के सबूत भी मिले हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू की तो शक की सुई बेटे अर्जुन पर गहरा गई। क्योंकि जिस घर में वारदात को अंजाम दिया गया था। उस घर का मेन गेट में दोनों तरफ इंटरलॉक लगा हुआ था। घर का कोई सामान अस्तव्यस्त नहीं था और न ही कोई कीमती चीज चोरी हुई थी। इससे साफ था कि इस हत्याकांड को किसी परिचित ने ही अंजाम दिया है। पुलिस ने बेटे को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। बाद में पुलिस ने उसे अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। मूलरूप से हरियाणा के रहने वाले राजेश पिछले कई वर्षों से देवली में रह रहे थे। बुधवार को राजेश और उनकी पत्नी की शादी की 17वीं सालगिरह थी लेकिन सालगिरह के दिन बेटे ने माता-पिता और बहन की निर्मम हत्या कर दी।

फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री

मुंबई में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, एनसीपी प्रमुख अजीत पवार और भाजपा केंद्रीय पर्यवेक्षकों निर्मला सीतारमण और विजय रूपानी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से भेंट कर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

टीएन रघुनाथ। मुंबई

ग्यारह दिनों के नाटक, रहस्य और अटकलों के बाद, बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से सत्तारूढ़ भाजपा विधायक दल (भाजपा एलपी) का नेता चुना गया, जिससे बृहस्पतिवार को आयोजित होने वाले समारोह में उनके महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया। भाजपाएलपी नेता के रूप में फडणवीस के चुनाव के कुछ ही घंटों बाद, सत्तारूढ़ महायुति - जिसमें भाजपा, शिवसेना (एपी) और एनसीपी (एपी) शामिल हैं, ने दक्षिण मुंबई में राजभवन में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की और राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने उन्हें बृहस्पतिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया। भाजपाएलपी नेता के रूप में उनके चुनाव के साथ, 54 वर्षीय फडणवीस को बृहस्पतिवार शाम 5.30 बजे दक्षिण मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में लगातार तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

फडणवीस - जिन्होंने एक बार फिर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की है - इससे पहले अक्टूबर 2014 से अक्टूबर 2019 तक पांच साल और नवंबर 2019 में 90 घंटे के लिए राज्य के मुख्यमंत्री थे। छह बार विधायक रहे फडणवीस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेताओं के करीबी हैं। वे महाराष्ट्र की राजनीति में संयुक्त शिवसेना के मनोहर जोशी के बाद दूसरे ब्राह्मण मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 1995 से 1999 के बीच शीर्ष पद संभाला था। 2014 के महाराष्ट्र चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फडणवीस को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में बढ़ावा देते हुए कहा था, 'देश में नरेंद्र, प्रदेश में देवेंद्र', जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने उन्हें महाराष्ट्र का 'वर्तमान और भावी' सीएम बताया था। महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में बहुत से लोग उनके बहुचर्चित बयान 'मी पुन्हा येन, मी पुन्हा येन' (मैं वापस आऊंगा, मैं वापस आऊंगा) को नहीं भूल सकते हैं, जिसे उन्होंने 2019 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले बार-बार यह संकेत देने के लिए दिया था कि वह राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में फिर से वापसी करेंगे। तब ऐसा नहीं हुआ। लेकिन, इस बार, देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की है।

इससे पहले बृहस्पतिवार सुबह विधान भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित भाजपाएलपी की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुनगंटीवार ने विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा, पंकजा मुंडे और प्रवीण दारकेकर ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने घोषणा की कि फडणवीस को भाजपाएलपी नेता के रूप

कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका, जाम से जूझे लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली पुलिस ने संभल जिले का दौरा करने जा रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस समर्थकों को गाजीपुर सीमा पर रोक दिया।

उत्तर प्रदेश के हिंसा प्रभावित संभल की ओर बढ़ रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को दिल्ली और नोएडा के बीच गाजीपुर बॉर्डर पर रोक दिया गया, जिससे हाई-वोल्टेज ड्रामा हुआ और सुबह के व्यस्त समय में भारी ट्रैफिक जाम लग गया। गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम तब और बढ़ गया, जब राहुल और प्रियंका के संभल दौरे से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता वहां जमा हो गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और इस मार्ग पर आने-जाने वाले लोगों से हाथापाई भी की, जिन्हें ट्रैफिक जाम के कारण अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा सकती थीं, जिससे यात्री निराश हो गए।

दिल्ली-यूपी गाजीपुर बॉर्डर पर कई लोग जाम में फंस गए, जिससे उनके जरूरी काम प्रभावित हुए और नतीजतन वे अपना आपा खो बैठे। कुछ लोग अपने दफ्तर नहीं पहुंच पाए, जबकि अन्य अपनी परीक्षाएं छोड़ गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि गुस्साई भीड़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भिड़ गई। कई किलोमीटर तक सड़क पर वाहन जाम में फंसे रहे। कई यात्रियों ने पायनियर के साथ अपनी शिकायतें साझा कीं, सुबह के व्यस्त समय में यातायात को अवरुद्ध करने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हाथापाई में शामिल एक यात्री ने कहा, मेरी बेटी की दोपहर 1 बजे मेरठ में परीक्षा है। मैं पिछले दो घंटों से ट्रैफिक में फंसा हुआ हूं। अगर राजनेता विरोध करना चाहते हैं, तो वे सड़क के किनारे बैठ सकते हैं। जनता को क्यों परेशान होना चाहिए? संभल के अधिकारियों ने पड़ोसी जिलों से अनुरोध किया था कि वे जिले में प्रवेश करने से पहले कांग्रेस नेताओं को रोक दें। जिला मजिस्ट्रेट ने बुलंदशहर, अमरोहा, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर के अधिकारियों को पत्र लिखकर उनसे राहुल गांधी को सीमा पर रोकने की अपील की है। उन्होंने अधिकारियों को संभल जाते समय राहुल गांधी की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का भी निर्देश दिया है। जैसे ही कांग्रेस नेता सीमा पर रुके, राहुल और अन्य नेता वाहन से बाहर निकले और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से चर्चा की, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। घंटों के गतिरोध के बाद, राहुल और प्रियंका को उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनकी वैन में दिल्ली में संसद तक पहुँचाया।

राहुल ने कहा कि वह पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार थे, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर यह मेरा संवैधानिक अधिकार है। मुझे इसकी अनुमति मिलनी चाहिए थी। उनके साथ मौजूद प्रियंका ने कहा, राहुल जी संवैधानिक पद पर हैं और उन्हें संवैधानिक अधिकार है। उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने की अनुमति मिलनी चाहिए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (उपद्रव या आशंका वाले खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) के तहत प्रतिबंध, जो रविवार को समाप्त होने वाले थे, अब संभल में 31 दिसंबर तक बढ़ा दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए और वाहनों की जांच की और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नारेबाजी के बीच बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते देखा गया। बैरिकेड्स के पास हाथापाई हुई। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा था कि सीमा पर कुछ यात्री और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दिल्ली से उत्तर प्रदेश जाने वाले मार्ग पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरा मार्ग खुला था, लेकिन वाहन धीमी गति से चल रहे थे। कांग्रेस की युवा शाखा के सदस्यों ने नारे लगाए और पार्टी का झंडा लहराया, क्योंकि पुलिस ने संभल में निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए गांधी को रोका। (शेष पृष्ठ 9)

50 दिन बाद मध्यम श्रेणी में हवा, दिल्ली को मिली राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में 50 दिनों के अंतराल के बाद बुधवार को स्वच्छ हवा में सांस ली गई, क्योंकि वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई, जिससे प्रदूषण के उच्च स्तर से काफी राहत मिली। शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 178 दर्ज किया गया, जो मंगलवार को 268 से बेहतर है। इससे पहले, 15 अक्टूबर को एक्यूआई 198 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया था। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, अगले दिन एक्यूआई बिगड़ गया और खराब श्रेणी में चला गया।

वायु गुणवत्ता में सुधार के बारे में बात करते हुए, भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बुधवार को शहर में तेज हवाएं चलने का अनुमान है। 7 दिसंबर तक हवाएं चलेंगी, जिसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है, जिसके कारण 8 दिसंबर से मध्यम कोहरा छाने लगेगा। शहर के 38 वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से केवल श्री अरबिंदो मार्ग ने बुधवार को वायु गुणवत्ता को बहुत खराब श्रेणी में बताया, जबकि आठ अन्य ने वायु गुणवत्ता को खराब श्रेणी में दिखाया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शेष ने मध्यम वायु गुणवत्ता की सूचना दी। सीपीसीबी 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 400 से ऊपर गंभीर के रूप में वर्गीकृत करता है। इस बीच, दिल्ली में प्रदूषण के स्रोतों का आकलन और अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला प्राथमिक उपकरण, निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) शुक्रवार से अपडेट नहीं किया गया है। (शेष पृष्ठ 9)

श्रीनगर सेंट्रल जेल में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) और राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के एक सक्रिय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और सेंट्रल जेल, श्रीनगर में अचानक छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन/सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सबसे पुरानी सेंट्रल जेलों में से एक में 500 से अधिक कैदी बंद हैं। जांच एजेंसियां सेंट्रल जेल परिसर में सुरक्षा में बड़ी चूक के पहलू की भी जांच कर रही हैं कि ये डिजिटल संचार उपकरण जेल परिसर में कैसे पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, श्रीनगर के सेंट्रल जेल में तलाशी एनआईए अधिनियम, श्रीनगर के तहत नामित विशेष न्यायाधीश की अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के अनुसरण में की गई थी, जिसमें एफआईआर संख्या 06/2023 के तहत धारा 153-ए, 505, 121 और 120-बी आईपीसी आर/डब्ल्यू 13 और 39 यूए(पी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इस कृत्य में सहायक/सहयोगी भी जांच का विषय बनेंगे। छापे के दौरान, सेंट्रल जेल श्रीनगर के विभिन्न ब्लॉकों/बैरक में तलाशी ली गई, जिसमें मामले की जांच से जुड़े सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के रूप में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई और मामले में जब्त कर ली गई। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला जम्मू-कश्मीर और नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तानी एजेंसियों के इशारे पर सक्रिय प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा कश्मीर घाटी में अपने ओजीडब्ल्यू/समर्थकों/सहयोगियों के साथ मिलकर रची गई एक बड़ी साजिश से जुड़ा है। ये आतंकवादी संगठन और उनके संचालक लगातार 'नए आतंकी मॉड्यूल' (गिरोह) बनाने की प्रक्रिया में हैं,(शेष पृष्ठ 9)

चौंक उठे तेरी मुलाकात से हम...

कांग्रेस नेता शशि थरूर बंदर को गोद में बैठाकर अखबार पढ़ते हुए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● बंदर के अपनेपन के कायल हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

अपनी विस्तृत शब्दावली के लिए जाने जाने वाले दिग्गज राजनेता शशि थरूर बुधवार को अपने घर पर एक जंगली बंदर से मिलने के बाद कुछ पलों के लिए शब्दों के अभाव में रह गए होंगे। उन्होंने जल्द ही अपने घर पर हुए 'असाधारण अनुभव' को साझा किया, जब एक बंदर उनकी ओर दौड़ा, उन्हें गले लगाया और कुछ केले खाने के बाद बंदर को इतना घर जैसा महसूस हुआ कि वह पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर की छाती से चिपक कर लेट गया, जबकि वह बगीचे में अखबार पढ़ते रहे। थरूर ने एक्स पर इस असामान्य मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं और इस घटना का वर्णन किया, जिसने मंच के कई उपयोगकर्ताओं को चकित कर दिया। कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, आज एक असाधारण अनुभव हुआ। 'जब मैं बगीचे में बैठकर सुबह का अखबार पढ़ रहा था, तो एक बंदर आया, सीधे मेरी ओर बढ़ा और मेरी गोद में बैठ गया। उसने भूख से हमारे द्वारा दिए गए केले खाए, मुझे गले लगाया और अपना सिर मेरी छाती पर टिकाकर सो गया।' थरूर ने कहा, 'मैं धीरे से उठने लगा, वह उछलकर दूर चला गया।' उन्होंने कहा कि वन्यजीवों (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024

जनसुनवाई व राजस्व के वादों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श ने बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिलों में राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। विशेष समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस और थाना दिवस में आने वाले मामलों के शिकायतकर्ताओं से मिले फीडबैक तथा आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर जनता से मिले फीडबैक के आधार पर रिपोर्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने असंतोषजनक प्रदर्शन करने वाले शासन के सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, तहसीलों, रेंज, थानों से स्पष्टीकरण लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं पैमाइश, लैंडयूज, अकृषक भूमि घोषित किये जाने से जुड़े लंबित मामलों की जिलावार रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वादों के निस्तारण के लिए मिशन मोड में कार्यवाही की जाए। कहीं भी किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े विभागों के अधिकारी तय समय पर जनता से जरूर मिलें। प्रत्येक विभाग में जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में सभी मंडलायुक्त, पुलिस जोन एडीजी, जिलाधिकारी गण, पुलिज़ रेंज आईजी, पुलिस कप्तान आदि फील्ड में तैनात अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

बैठक में मुख्यमंत्री यह कहा कि गौतमबुद्ध नगर हो, अलीगढ़ हो या संभल अथवा कोई अन्य जनपद, अराजकता फैलानेकी छूट किसी को नहीं दी जा सकती। संभल में विगत दिनों हुई घटना से जुड़े उपद्रवियों के साथ पूरी कठोरता के साथ निपटें। जिन लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त किया है, उसे वापस ठीक कराने का खर्च उन्हीं उपद्रवियों से वसूल की जाए। अराजकता फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाएं, जनता का सहयोग लें, सघन सर्च ऑपरेशन चलाएं। एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए।

सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामले संवेदनशील हैं। सभी को यह समझना चाहिए कि सड़क सभी के लिए है, आवागमन के लिए है, यहां बिल्डिंग मैटेरियल का सामान रखने, निजी वाहन पार्किंग बनाने, दुकान बनाने अथवा किसी के अनधिकृत कब्जे के लिए नहीं। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामलों में संवाद और समन्वय की नीति अपनाई जाए। सभी जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान ग्राम्य विकास/नगर विकास विभाग के साथ मिलकर स्थानीय निकायों के माध्यम से यह सुनिश्चित कराएं कि प्रदेश में कहीं भी आवागमन बाधित कर अनधिकृत कब्जा न किया जाए।

मानवता के सामने खड़ी चुनौतियों से निपटने के विश्वास का प्रतीक बना भारत: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है।

सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर मेंसमारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। योगी ने देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। संस्थाओं और व्यक्तियों को भी इसकी जिम्मेदारी उठानी होती है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं बल्कि जिम्मेदारी समझने और खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय किया है, देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव मन रहा होगा तब तक देश को विकसित भारत बनाने का। इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए कि हमारा देश आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने और स्वाभिमान के साथ इस विकास यात्रा में हमारा भी योगदान हो। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के दोनों प्रणेताओं ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का भी पूरे जीवन यही भाव रहा।

हर पीड़ित की समस्या का हो पारदर्शी निस्तारण

● जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराया जाएगा। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

खेल से सबको खेलने, फलने और आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा: सीएम

● यूपी ग्रामीण खेल लीग का शुभारंभ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल की गतिविधियों को ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खंड और विधानसभा स्तर तक बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार सांसद खेल स्पर्धा की तर्ज पर विधायक खेल स्पर्धा को प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए विधायको का आह्वान किया जाएगा। गांव से लेकर विधानसभा स्तर तक होने के बाद इस स्पर्धा को जिले स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

सीएम योगी बुधवार को उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के द्वितीय संस्करण के शुभारंभ एवं षष्ठम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीण खेल लीग की मशाल को गत लीग में दो गोल्ड मेडल जीतने वाले एथलेटिक खिलाड़ी अभय को सौंपकर लीग के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया और कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से सबको खेलने, फलने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही बात कहते हैं कि जो खेलेगा वही खिलेगा। जो खिलेगा वही फलेगा और बढ़ेगा भी। पीएम मोदी की प्रेरणा से देश में खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेल स्पर्धा और हर जिले में स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंटर स्थापित कर खेल की गतिविधियों को पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

नवम्बर माह में कुल 18389.80 करोड़ का राजस्व हुआ प्राप्त: वित्त मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवम्बर माह में कुल 18389.80 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के नवम्बर माह में 16610.53 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ था।

इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवंबर माह में गत वर्ष के इसी अवधि की तुलना में 1779.27 करोड़ रू. राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। खन्ना ने बताया कि कर राजस्व के अंतर्गत जीएसटी मद के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2024 में कुल 7793.48 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि इसी माह में प्राप्ति 6652.20 करोड़ रू. रही थी। वैट के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2024 में 2685.19 करोड़ रू0 की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह नवम्बर, 2023 में प्राप्ति 2737.13 करोड़ रू. रही थी। वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य कर के अंतर्गत जीएसटी एवं वैट मद में वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवंबर माह तक 74582.01 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो माह नवंबर तक निर्धारित लक्ष्य का 73.1 प्रतिशत है। आबकारी मद में माह नवंबर तक 30403.28 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 83.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार स्टांप तथा निबंधन मद में नवंबर 2024 तक 19987.09 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है जो इस अवधि के निर्धारित लक्ष्य का 84.5 प्रतिशत है।

रिटायर डीजी विजय शंकर के निधन पर पुलिस मुख्यालय में हुई शोक सभा

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय में सेवानिवृत्त डीजी विजय शंकर के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक रहे विजय शंकर का निधन बीती 2 दिसंबर को हो गया था। शोक सभा में डीजीपी प्रशान्त कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर दी जाएगी सुर श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार की तरफ से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर छह दिसंबर को अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। योगी सरकार के निर्देशन में संस्कृति विभाग की तरफ से तैयारी पूरी कर ली गई है। भारत रत्न डॉ. आंबेडकर को सांस्कृतिक सुर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसमें उत्तर प्रदेश के साथ ही मुंबई व अन्य प्रांतों के कलाकार भी संविधान व बाबा साहेब से जुड़ी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल गोमती नगर में शाम चार से रात्रि आठ बजे तक आयोजित किया जाएगा। बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल गोमती नगर में सांस्कृतिक सुर श्रद्धांजलि होगी। इसमें मुंबई की रसिका-कृतिका बोरकर व टीम की तरफ से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। दोनों बहनों की तरफ से यहां प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही औरंगाबाद के राहुल हरिभाऊ दांगड़े अनविलकर भी अपने स्वर से बाबा साहेब के कृतित्व व व्यक्ति पर गायन प्रस्तुत करेंगे। महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मेजबान उत्तर प्रदेश के कलाकारों को भी मंच मिलेगा। इसमें आगरा की देवेंद्र एस मंगलामुखी का भी कार्यक्रम होगा।

मुरादाबाद के जेलर विक्रम सिंह यादव व डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह निलंबित

● संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की नियम विरुद्ध जेल में कराई थी मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं की नियम विरुद्ध मुलाकात कराने के मामले में डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने मुरादाबाद जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव व डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को निलंबित कर दिया है।

जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। सपा विधायक नवाबजान,चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में संभल दंगे के आरोपियों से मुलाकात की थी। पूर्व सांसद, विधायकों के साथ कुछ सपा नेताओं ने बगैर पर्ची के की थी मुलाकात। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को जांच सौंपी गई थी। दरअसल, संभल में जेल नहीं है। इस वजह से संभल हिंसा के आरोपी मुरादाबाद जेल में बंद हैं। हिंसा का मामला बेहद संवेदनशील है, इसलिए संभल प्रशासन ने 10 दिसंबर तक जनपद में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक तक लगा रखी है।

इस बीच सोमवार को पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन, ठाकुरद्वारा विधायक नवाबजान, नौगंवा सादात (अमरोहा) से विधायक चौधरी समरपाल सिंह, जिला महासचिव मुदस्सिर खान, पूर्व जिलाध्यक्ष अतहर हुसैन अंसारी, प्रदेश सचिव गुलजार अहमद, कादिर खान जिला कारागार पहुंचे और संभल हिंसा के आरोपितों से मुलाकात की।

भाजपा ने यूपी उपचुनाव में जनता को वोट नहीं डालने दिया: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को तरक्की, खुशहाली, विकास से कोई मतलब नहीं है। भाजपा का काम समाज में नफरत फैलाना, संविधान विरोधी काम करना, लोकतंत्र की हत्या करना है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में जनता को वोट नहीं डालने दिया। यूपी का उपचुनाव पहले 13 नम्बर 2024 को होना था, जब भाजपा को जानकारी हो गयी कि बहुत सारे लोग त्योहारों में अपने गांव आये थे और वे वोट डालकर वापस जाएंगे तो भाजपा ने उपचुनाव की तारीख बदलवा कर 20 नवम्बर 2024 करा दी। यादव ने कहा कि 19 तारीख को आनन-फानन में संभल में सर्वे कराकर तनाव बढ़ाने और माहौल खराब करने का प्रयास किया, जब उस दिन सब कुछ शांत रहा तो फिर षडयंत्र के तहत दोबारा सर्वे की योजना बनायी। चुनाव में हुई धांधली की पोल न खुल जाये इसके लिए भाजपा ने संभल की घटना करायी। भाजपा की ये सत्ता भूख की लड़ाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि दोबारा सर्वे के दौरान जा रही टीम के साथ जो लोग नारे लगाते जा रहे थे, सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में प्रशासन और अधिकारी किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहें हैं? क्या लोकतंत्र में अधिकारी इस तरह की भाषा और व्यवहार कर सकते है? उन्होंने कहा कि संभल में प्रशासन पीड़ितों को न्याय नहीं दे रहा है।

यूपी हेरिटेज कॉन्क्लेव 7 दिसंबर को, सीएम योगी करेंगे शिरकत

● राजस्थान की तर्ज अब यूपी के महलों व हवेलियों का होगा व्यवसायिक उपयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी की राजधानी लखनऊ में 'उत्तर प्रदेश हेरिटेज कॉन्क्लेव' 7 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी भारत वर्षीय सभा, अवध (अन्जुमन-ए-हिन्द अवध) के उपाध्यक्ष व बीजेपी के पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह 'शिवगढ़' ने बुधवार को दी है। उन्होंने बताया कि अवध (अन्जुमन-ए-हिन्द अवध) लगभग 160 वर्ष पुराना तालुकेदारों का एसोसियेशन है, जो कैसरबाग बारादरी व कॉल्विन तालुकेदार्स कालेज, लखनऊ का संचालन कर रहा है। संस्था के उपाध्यक्ष राजा राकेश प्रताप सिंह 'शिवगढ़' ने बताया कि यूपी सरकार में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की पहल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन व विशेष सोच के चलते 7 दिसंबर शनिवार को हेरिटेज सम्पत्तियों से सम्बन्धित पर्यटन विभाग की तरफ से एक बैठक होटल ताज %उत्तर प्रदेश हेरिटेज कॉन्क्लेव% लखनऊ में आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहेंगे। राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रदेश में पुरानी कोठियों, महलों व हवेलियों को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में प्रमोट किया जायेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी सृजित हो सकेगा व फिल्म शूटिंग को बढ़ावा मिलेगा। इस बैठक में ऐसे सम्पत्ति के स्वामियों को, विशेषकर राजघरानों को आमंत्रित किया जा रहा है। जो बहुत ही सम्मान का विषय है। बताते चलें कि उपरोक्त संस्था के अध्यक्ष-राजा आनन्द सिंह, मनकापुर, सचिव कुंवर मनीष वर्धन सिंह, संयुक्त सचिव सैयद तारिक हसन नकवी व सहायक सचिव-राय स्वरेश्वर बली हैं। संस्था के उपाध्यक्ष राजा राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से लिये गये महत्वपूर्ण विचार व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के विशेष प्रयास से हम सभी अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हम अपना आभार व्यक्त करते हुये सम्मानित महसूस करते हैं। योगी सरकार के तरफ की गयी यह ऐतिहासिक पहल हमारी संस्कृति, सभ्यता व धरोहरों के लिये किसी वरदान से कम न होगी। साथ ही दिन-प्रतिदिन उन्नति करते हुये एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

सैलानी अब आसमान से निहार सकेंगे अलौकिक अयोध्या का अद्भुत नजारा

● हॉट एयर बलून के जरिए अब 250 फीट की ऊंचाई से निहारिए अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

वाटर मेट्रो बोट के बाद अयोध्या में अब हॉट एयर बैलून की शुरुआत हुई है। सीएम योगी की मंशा पर अयोध्या में शुरू की गई यह सेवा पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बन गयी है। इस बैलून में बैठने के बाद सैलानी 250 फीट की ऊंचाई से अयोध्या का भव्य नजारा देख सकेंगे।

नया घाट हैलीपैड पर बुधवार को इसका शुभारंभ हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं की अयोध्या को इस लिहाज से सजाया जाए कि जिससे यहां एक बार पहुंचने वाला श्रद्धालु बार-बार आने का प्रयास करे। इस दिशा में चल रहे कार्यों के तहत अब यहां एयर हॉट बैलून की शुरुआत की गई है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण और पुष्पक एडवेंचर की मदद से शुरू हुए इस कार्य से निश्चित ही पर्यटन की दिशा में अयोध्या को बड़ा मुकाम हासिल होगा। अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्टस के माध्यम से पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने व युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हॉट एयर बैलून का शुभारंभ सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त गौरव दयाल व अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने किया।

यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा।

10 मिनट की राइड, किराया 999 रुपए

अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने बताया कि हॉट एयर बैलून एक एडवेंचर है। इसमें 10 मिनट की राइड होगी। ऊपर से रामलला का मंदिर, कनक भवन व सरयू का अद्भुत नजारा देखने के लिए 999 रुपये प्रति व्यक्ति खर्च करने पड़ेंगे। इसमें एक साथ चार लोग ही बैठ सकेंगे, जिसमें एक पायलट भी होगा। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से मजबूत करने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत अयोध्या में विभिन्न पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत हॉट एयर बैलून शुरू कराया गया है। यह हवा के रुख के हिसाब से चलता है। आने वाले दिनों में ऐसे कई प्रोजेक्ट अयोध्या में धरातल पर दिखाई पड़ने लगेंगे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं अविनाश सिंह निवासी – 2बी/46 रेल विहार कॉलोनी, आशियाना लखनऊ अपनी पुत्री आदविका सिंह का नाम बदल कर श्रुतिका सिंह रख दिया है। भविष्य में इसे श्रुतिका सिंह के नाम जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मैंने अपना नाम प्रिया कुमारी से बदलकर प्रिया रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम प्रिया से ही जाना व पहचाना जाये। प्रिया पुत्री प्रमोद कुमार, पत्नि यतींद्र नाथ, निवासी-3/81, रजनीखंड, शारदा नगर, रायबरेली रोड लखनऊ-226002.

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) इलाहाबाद
Indian Bank (A Govt. of India Undertaking) ALLAHABAD

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन)अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002, (धारा 54, 2002) की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की सपठित नियम 3, 8 व 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऋणी को मांग सूचना पत्र से यहाँ विस्तृत रूप से नीचे दी गयी राशि 60 दिनों के भीतर लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय **इंडियन बैंक** के अधीन रहेगा।

उधारकर्ता / जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

यह सूचना इस अधिग्रहण के आयोजन के सम्बन्ध में कर्जदारों, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है।

विवरण निम्नुसार हैं:-

क्र. सं.	ऋणी / प्रोपराइटर / जमानतकर्ता / बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / कब्जा की तिथि / बकाया धनराशि
शाखाः हजरतगंज शाखा			
1.	**1. मेसर्स ब्रेन्स एजुकेशनल सोसाइटी (ऋणी),** मुर्तुजा हुसैन रोड, राजा बाजार, लखनऊ- 226003 **2. मोहम्मद उस्मान वारसी पुत्र स्व0 निसार अहमद (ऋणी सह जमानतकर्ता सह बंधककर्ता),** 51, सराय आगा मीर, प्रकाश सिनेमा के पीछे, नादान महल रोड, चौक, लखनऊ- 226003 **3. आयशा वारसी पत्नी मोहम्मद उस्मान वारसी (जमानतकर्ता सह बंधककर्ता),** 51, सराय आगा मीर, प्रकाश सिनेमा के पीछे, नादान महल रोड, चौक, लखनऊ- 226003 **4. मोही उद्दीन पुत्र नूर उद्दीन (जमानतकर्ता),** 418/334, गढ़ी पीर खां, ठाकुरगंज, लखनऊ- 226003 **5. मृतक श्रीमती आसिया निसार पत्नी स्व0 निसार अहमद (ऋणी सह जमानतकर्ता) (24.04.2021 को मृतक) की संपत्ति का प्रतिनिधित्व कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा किया गया,** 261/51, सराय आगा मीर, नादान महल रोड, चौक, लखनऊ-226003 **6. नाहिद फातिमा पुत्री स्व0 निसार अहमद (जमानतकर्ता),** 261/51, सराय आगा मीर, नादान महल रोड, चौक, लखनऊ- 226003 **7. मोहम्मद उस्मान वारसी पुत्र स्व0 निसार अहमद (जमानतकर्ता सह बंधककर्ता),** 51, सराय आगा मीर, प्रकाश सिनेमा के पीछे, नादान महल रोड, चौक, लखनऊ- 226003	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड निर्मित खसरा संख्या 338एम, क्षेत्रफल 0.254 हेक्टेयर स्थित रिंग रोड से 300 मीटर से अधिक दूरी पर, ग्राम- मल्हपुर, वार्ड- हैदरगंज, लखनऊ, **मालिकः** मोहम्मद उस्मान वारसी पुत्र स्व0 निसार अहमद एवं आयशा वारसी पत्नी मोहम्मद उस्मान वारसी **विलेख के अनुसार चौहद्दीः पूर्वः** गाटा संख्या 338 का शेष भाग, **पश्चिमः** गाटा संख्या 337, **उत्तरः** गाटा संख्या 339 एवं 323, **दक्षिणः** खड़ंजा मार्ग एवं विक्रेता की शेष भूमि	17.09.2024 03.12.2024 रु. 79,79,826.80 एवं उसपर ब्याज

दिनांकः 05.12.2024 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024

शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए बनेगा विशेष फंड : योगेन्द्र उपाध्याय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी और विभागीय योजनाओं की प्रगति को लेकर अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार के बिना शिक्षा का उद्देश्य अधूरा है। हमें युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है।

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट प्रस्ताव तैयार करते समय छात्रों और शिक्षकों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही शिक्षा में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बैठक में उच्च शिक्षा में शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और शिक्षकों की नियुक्ति के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सभी संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का विकास और शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनईपी को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाए, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिल सकें। मंत्री ने बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। बैठक में प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी, शिबू गिरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

अवैध निर्माण के लिए एलडीए के अधिकारियों को क्यों न ठहराया जाए जिम्मेदार

विधि संवाददाता। लखनऊ

पाम पैराडाइज सोसायटी में रो-हाउसेज की अवैध निर्माण के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त टिप्पणी की है। कहा है कि इसके लिए एलडीए के उन अधिकारियों को क्यों न जिम्मेदार ठहराया जाए जिन पर अवैध निर्माणों को रोकने का दायित्व था। पीठ ने एलडीए वीसी से जिन अधिकारियों पर उक्त अवैध निर्माण को रोकने की जिम्मेदारी थी, उनका ब्यौरा तलब किया है। साथ ही पाम पैराडाइज के घरों के ध्वस्तीकरण पर भी अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी माह के दूसरे हफ्ते में होगी। जस्टिस राजन रॉय व जस्टिस बीआर सिंह की पीठ ने यह आदेश पाम पैराडाइज वेलफ़ेयर सोसायटी व 11 अन्य की याचिका पर दिया है। याचिककर्ताओं की ओर से कहा गया कि उन्होंने पाम पैराडाइज के बिल्डर से बने-बनाए रो हाउसेज क्रय किए हैं। जब उक्त सोसायटी के बारे में पता करने एलडीए गए तो वहां मौखिक तौर पर बताया गया कि निर्माण में कोई भी अनियमितता नहीं है। इस पर विश्वास करके उन्होंने रो हाउसेज खरीदे। लेकिन एब एलडीए ले-आउट पास नहीं होने का हवाला देकर उन्हें गिराने की बात कह रहा है। पीठ के पूछने पर एलडीए के वकील ने बताया कि उक्त निर्माण न तो सरकारी जमीन पर हुए हैं और न ही वहां कोई अतिक्रमण है। लेकिन बिल्डर ने बिना संस्तुति के रो हाउसेज का निर्माण किया है। इस पर याचिककर्ताओं की ओर से कहा गया कि वे और उनका परिवार उक्त घरों में रह रहे हैं। लिहाजा वे कम्पाउंडिंग (प्रशमन) के लिए आवेदन दे सकते हैं। पीठ ने इस पर आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं की स्थिति को देखते हुए कम्पाउंडिंग प्रक्रिया पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाए। पीठ ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि इस आदेश का कोई लाभ पाम पैराडाइज के बिल्डर को नहीं मिलेगा। उसके खिलाफ चल रही सिविल अथवा क्रिमिनल प्रक्रिया में इस आदेश से कोई राहत नहीं मिलेगी। यह आदेश सिर्फ याचिकाकर्ताओं के लिए है जो बिल्डर द्वारा और संभवत: एलडीए के कुछ अधिकारियों द्वारा धोखा दिए जाने से इस परिस्थिति में हैं।

सघन पल्स पोलियो अभियान आठ से 7.31 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनपद के शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए आठ दिसंबर से सघन पल्स पोलियो अभियान शुरू हो रहा है। इसी को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर ए डी एम अमित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसके साथ ही विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम की जिला टास्क फोर्स की बैठक भी आयोजित हुई। विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम चार दिसंबर से शुरू हो चुका है जो कि तीन जनवरी 2025 तक चलेगा ।

बैठक में एडीएम ने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा पोलियो से बचाव की दवा पीने से न रह जाए। जनपद के जो हाई रिस्क एरिया हैं उन पर ज्यादा फोकस करें। बैठक में जानकारी देते हुए जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. ए. पी. मिश्रा ने बताया कि इस अभियान के तहत शून्य से पाँच साल के 7.31 लाख बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि बच्चों को बाइवलेन्ट ओरल पोलियो वैक्सीन (बीओपीवी) दी जाएगी जो कि पोलियो वायरस टाइप-वन और टाइप -3 से सुरक्षा प्रदान करती है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि पोलियो की दवा बूथ लगाकर और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर भ्रमण कर बच्चों को पिलाई जाएगी। आठ दिसंबर को जिला अस्पताल सहित सभी सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर प्रात: आठ से शाम चार बजे तक बूथ लगाया जाएगा। इसके साथ ही अंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और अपर प्राथमिक विद्यालयों पर भी बूथ लगेंगे। यह पूर्व की भांति खुलेंगे। नौ से 13 दिसंबर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर पोलियो से बचाव की दवा पिलाएंगे। इसके अलावा जो बच्चे दवा पीने से रह जाएंगे उनके लिए 16 दिसंबर को मॉप अप राउंड चलाया जाएगा।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए घर घर जाकर पोलियो से बचाव की दवा पिलाने के लिए 2304 टीमें बनाई गई हैं। इसके अलावा 234 ट्रांजिट टीमों द्वारा साप्ताहिक बाजार, मेले, रेलवे व बस स्टेशन पर तथा 136 मोबाइल टीमों के द्वारा ईंट भट्टों, मलिन बस्ती व निर्माणाधीन स्थलों पर जाकर शून्य से पाँच साल तक की आयु के बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाई जाएगी। अभियान के पहले दिन लगाए जाने वाले बूथों की संख्या 2783 है। इसके साथ ही अभियान में 568 सुपरवाइजर और और 6837 वैक्सीनेटर लगाए गये हैं। इसके साथ ही विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम के बारे में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि नौ माह से पांच साल तक के बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने तथा कुपोषण व रतौंधी सहित आँख सम्बन्धी बीमारियों से बचाने के लिए यह अभियान आठ दिसम्बर से शुरू हो रहा है। इस कार्यक्रम का पहला चरण जनपद में जून में हुआ था। दूसरे चरण में, कार्यक्रम के तहत नौ माह से पांच साल तक के 4.28 लाख बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

प्रो. शिव कुमार द्विवेदी ने संभाला बीबीएयू के कार्यवाहक कुलपति का पदभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. शिव कुमार द्विवेदी ने दिनांक 4 दिसंबर को विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का पदभार ग्रहण किया है। प्रो. शिव कुमार द्विवेदी पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 35 वर्षों से उल्लेखनीय कार्य करते आये हैं। इसी के साथ वह सन् 2016-2019 तक पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सन् 2018- 21 तक पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय की प्रमुख समितियों जैसे एकेडमिक काउंसिल , प्रॉक्टोरियल बोर्ड, एग्जामिनेशन कमेटी, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट , डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़ी समितियों में भी वरिष्ठ सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे। उधर, विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय के नये छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) का पदभार ग्रहण किया है। प्रो. नरेंद्र कुमार वर्तमान में विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष भी हैं।

यूपी में पहली बार हुई कृत्रिम मूत्राशय स्फिंक्टर प्रत्यारोपण सर्जरी

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पहली बार किसी सरकारी अस्पताल में कृत्रिम मूत्राशय स्फिंक्टर प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। सर्जरी के बाद मरीज स्वास्थ्य लाभ पर है। रसरा, बलिया निवासी, 69 वर्षीय श्याम नारायण की 2019 में रैडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी सर्जरी की गयी। उसके बाद पूर्ण मूत्राशय असंयम से पीड़ित थे। यह सर्जरी डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग की एक विशेषज्ञ टीम द्वारा की गई। सर्जरी टीम में डॉ. ईश्वर राम धायल, डॉ. गौतम बंगा (दिल्ली के सुप्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट), डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. शिवानी, डॉ. नंदन और डॉ. प्रवीण शामिल थे। साथ ही, एनेस्थीसिया टीम में डॉ. पी के दास और डॉ. स्मारिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग प्रमुख डॉ. ईश्वर राम धायल ने कहा कि यह सफलता उत्तर प्रदेश में यूरोलॉजी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। बता दें कि कृत्रिम मूत्राशय स्फिंक्टर डिवाइस एक अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक है, जो प्राकृतिक स्फिंक्टर की भूमिका निभाती है और मरीजों को मूत्राशय नियंत्रण पुन: प्राप्त करने में मदद करती है। यह सर्जरी उन मरीजों के लिए अनुशंसित की जाती है, जो अन्य उपचारों से लाभ नहीं प्राप्त कर पाए हैं। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ सी एम सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के समर्पण को दर्शाती है, जो नवीनतम चिकित्सा नवाचारों के जरिए रोगियों के उपचार को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एकेटीयू कार्य परिषद में चार नये सरकारी कालेजों के निदेशकों पर लगी मुहर

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे के अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए, जिसमें करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षकों की पदोन्नति को हरी झंडी दी गई। इसके अलावा चार नए राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज जिसमें राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज गोंडा, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज प्रतापगढ़ एवं राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मिर्जापुर में निदेशकों की नियुक्ति का लिफाफा खुला। साथ ही सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में बीटेक पाठ्यक्रम शुरू करने पर अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में डी जी तकनीकी शिक्षा विभाग, प्रति कुलपति प्रोफेसर राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह सहित अन्य सम्मानित सदस्य मौजूद रहे।

प्राचार्य और मेडिकल छात्राओं की विश्वसनीय साक्ष्य के बिना गिरफ़्तारी नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के संविदाकर्मी प्रभुनाथ मिश्रा की आत्महत्या के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अंतरिम आदेश दिया है। कहा है कि इस मामले में प्राचार्य डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार तथा मेडिकल छात्रा कुमारी रितु व निर्मला कुमावत की गिरफ़्तारी उनके खिलाफ विश्वसनीय साक्ष्य मिले बगैर नहीं की जाए। पीठ ने अभियुक्तों को भी विवेचना में पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है। जस्टिस विवेक चौधरी एवं जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने अभियुक्तों की ओर से दाखिल दो अलग-अलग याचिकाओं पर पारित किया। छात्राओं की ओर से कहा गया कि कॉलेज में उनका कुछ विवाद संविदाकर्मी प्रभुनाथ से जरूर हुआ था लेकिन यह इतनी गंभीर बात नहीं थी कि वे उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करतीं। वहीं प्राचार्य डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार की ओर से भी यही दलील दी गई। साथ ही यह भी कहा गया कि उनका विवाद से भी कोई लेना-देना नहीं है। बीते सात अगस्त को उक्त संविदाकर्मी ने जहर खा कर आत्महत्या कर ली थी। उसके पिता जगदीश चंद्र मिश्र ने आरोप लगाया है कि उक्त छात्राओं के साथ विवाद के पश्चात 10-12 डॉक्टर मौके पर आ गए व मृतक को मारा-पीटा। मृतक को फर्जी मुकदमे में भी फंसाने की धमकी दी गई थी। पुलिस द्वारा एफआईआर नहीं लिखने पर उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में सात नवंबर को एफआईआर दर्ज की गई।

विकसित भारत की संकल्पना के लिए कर्तव्यों का करें निर्वहन: प्रो. आलोक राय

पायनियर समाचार सेव। लखनऊ

विकसित भारत 2047 दृष्टिकोण का उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में रूपांतरित करना है। इसके लिए सतत आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन जैसे विषयों पर तीव्र गति से समुचित कार्यवाही की आवश्यकता है । सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । उक्त बातें अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होने वाली दो दिवसीय नेशनल सेमिनार कारपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी और सस्टेनैबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत 2047 का ब्राउसर का लोकार्पण करते समय लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि देश विकसित राष्ट्र होने को अग्रसर है। देश की आकांक्षाएं अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक एक विकसित, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर केंद्रित हैं। यह महत्वाकांक्षी दृष्टि एक मजबूत, बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है जिसमें सतत आर्थिक विकास, सामाजिक समानता, पर्यावरणीय प्रबंधन और विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी शामिल हो। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रमुख विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में कॉर्पोरेट संसाधनों, नवाचार और विशेषज्ञता को प्रसारित करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सीएसआर के प्रयास प्रभावी है। सीएसआर और एसडीजी भारत को दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों की ओर अग्रसर कर रहें है।

इस अवसर पर नेशनल सेमिनार की संयोजिका डॉ शची राय ने कहा कि यह आयोजन आगामी 14-15 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। जिसमें देश के विभिन्न भागों के कॉर्पोरेट लीडर, सीएसआर पेशेवर, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, उद्यमी , सामाजिक नवप्रवर्तक, शिक्षाविद और शोधकर्ता सम्मलित होकर विकसित भारत के लिए अपने शोधपत्र एवं सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 के पोस्टर और वेबसाइट का कुलपति ने किया लोकार्पण

लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज़ विभाग द्वारा आगामी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसस इन एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमनिटीज इन एवोलुशन ऑफ़ इंजीनियरिंग) के पोस्टर और वेबसाइट का लोकार्पण बुधवार को विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया। यह बहुप्रतीक्षित सम्मेलन 7-8 फरवरी 2025 को आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हो रहे हालिया विकास और नवाचारों पर चर्चा करना है। इसके तहत शैक्षिक और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, ताकि समकालीन चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए रास्ते खोले जा सकें।

कोतवाली में भाकियू का धरना, समझाने पर इको गार्डेन जाने पर राजी हुए किसान

मोहनलालगंज। गौतमबुद्ध नगर में भूमि अधिग्रहण के मुद्दे को लेकर आन्दोलन कर रहे किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष आलोक वर्मा की अगुवाई में बुधवार को किसानों ने मोहनलालगंज कोतवाली में धरना प्रदर्शन किया। किसानों को समझाने पहुंचे एसीपी रजनीश वर्मा के तमाम प्रयासों के बावजूद भी किसान कोतवाली से हटने के लिए तैयार नहीं हुए। हालांकि एसीपी के बार बार समझाने के बाद किसान गिरफ्तारी देने पर अड़ गए। लेकिन एसीपी ने काफी देर तक चली वार्ता के बाद किसी तरह किसानों को बस में बिठाकर इको गार्डेन भेज दिया। इस दौरान किसान लगातार नारेबाजी करते रहे। धरने में दिलराज सिंह और केके सिंह समेत बड़ी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता शामिल रहे। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया किसी किसान को गिरफ्तार नही किया गया है। उन्हें समझा बुझाकर इको गार्डेन भेज दिया गया।

एसएसबी के जवानों ने बच्चों संग निकाली स्वच्छता रैली,लोगों को किया जागरूक

मोहनलालगंज। स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत सशस्त्र सीमा बल चतुर्थ वाहिनी के जवानों ने बुधवार को मोहनलालगंज के जीएस पब्लिक स्कूल से बच्चों के साथ कस्बे में तहसील तक स्वच्छता रैली निकाली। स्वच्छता अपनाने को लेकर नारेबाजी कर रहे बच्चों ने इस दौरान लोगों को कूड़ा कचरा यहां वहां न फेंकने और अपने मकान व दुकान के आसपास व्यापक साफ सफाई रखने के लिए जागरूक किया। रैली में शामिल जवानों और बच्चों ने दुकानदारों व घर मालिकों को गंदगी का सही तरीके से निपटान करने और कचरा डस्टबिन में ही डालने की सीख दी। शारीरिक स्वच्छता के साथ ही गली और मोहल्ले को भी स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। एसएसबी के जवानों ने कार्यक्रम में शामिल बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर अपने गांव और मोहल्ले के लोगों को भी बीमारियों से बचाव के लिए साफ सफाई का संदेश देने की प्रेरणा दी। इस दौरान स्कूल के डायरेक्टर विकास पाण्डेय प्रिंसिपल प्रियंका पाण्डेय और शिक्षक अमित यादव आशुतोष शुक्ल अरुण शर्मा व सरताज आदि मौजूद रहे।

2000 वर्गमीटर व उससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों पर बन सकेगी ग्रुप हाउसिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्राइम लोकेशन और बीच शहर में जनता को आवास के लिए ज्यादा भटकना नहीं पडेगा।एलडीए व इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की पुरानी योजनाओं में 2000 वर्गमीटर व उससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों पर बन ग्रुप हाउसिंग बनाने का रास्ता साफ हो गया है। वहीं मोहान रोड योजना प्रदेश का सबसे बड़ा एजुकेशन हब बनेगी। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत योजना में 102 एकड़ जमीन पर विशेष शैक्षिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। जहां दुबई व कतर देशों की तर्ज पर एक ही जगह पर प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक व उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होगी।

बुधवार को एलडीए की अध्यक्ष एवं मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में हुयी प्राधिकरण बोर्ड की 183वीं बैठक में योजना के संशोधित ले-आउट को मंजूरी मिल गयी है। गोमती नगर स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण भवन के पारिजात सभागार में हुयी इस बैठक में विकास एवं जनहित के ऐसे कई प्रस्ताव पास किये गये। जनता को बीचोंबीच शहर में फ्लैट मिल सकेंगे। 2000 वर्गमीटर के भूखण्डों पर ग्रुप हाउसिंग की अनुमति मिल गई है। एलडीए व इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की पुरानी योजनाओं में न्यूनतम 12 मीटर चैड़ी सड़क पर एकल आवासीय के रूप में आवंटित किये गये 2000 वर्गमीटर व उससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों पर अब ग्रुप हाउसिंग का निर्माण किया जा सकेगा। एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि इसके लिए आवंटी को भूखण्ड की लीज डीड या फ्री-होल्ड डीड में एकल आवास के स्थान पर समूह आवास की अनुमन्यता के लिए करेक्शन डीड (तितिम्मा) कराना होगा। जिसके बाद प्राधिकरण अन्य निर्धारित नियमों व शर्तों के अनुसार ग्रुप हाउसिंग भवन मानचित्र स्वीकृत करेगा।

यूपीएसटीडीसी ने रूबरू वॉक्स, एनरूट इंडियन हेरिटेज के साथ किया एमओयू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने महाकुंभ-2025 मेले के दौरान प्रयागराज में हेरिटेज वॉक आयोजित और संचालित करने के लिए दो एमओयू साइन किए हैं। यूपीएसटीडीसी ने 'रूबरू वॉक्स' और 'एनरूट इंडियन हेरिटेज' के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। गौरतलब है कि, यूपीएसटीडीसी ने हाल ही में 'गंगा जमुनी फाउंडेशन' के साथ भी एक एमओयू साइन किया था। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इन समझौतों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये साझेदारियां प्रयागराज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने और आगंतुकों को संगम नगरी की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का गहन अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले तीन धोखेबाज गिरफ्तार

फोन करके खुद को बताते थे सीबीआई, नारकोटिक्स और क्राइम ब्रांच का अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीबीआई, नारकोटिक्स और क्राइमब्रांच का अधिकारी बनकर फोन पर ही डिजिटल अरेस्ट करने का झांस देकर ठगी करने वाले गिरोह के तीन धोखेबाजों को एसटीएफ ने लखनऊ कमिश्नरेट के आगरा एक्सप्रेसवे से लखनऊ की तरफ उतरने वाली सड़क पर गिरफ्तार किया। पकड़े गए धोखेबाजों में श्याम निवासी हाउस नं. 73 जी-3 साई इन्क्लेव गली नं. 5 मोहन गार्डेन, उत्तम नगर, थाना रनहौला, नई दिल्ली, हर्षल निवासी 10/115 पटेल गली विश्वास नगर, थाना विवेक विहार, शहदरा दिल्ली और पुनीत शर्मा उर्फ गगन निवासी मकान नंबर 6089 कश्यप मुहल्ला गांधीनगर, थाना गांधीनगर, दिल्ली शामिल है।

गिरफ्तार अभियुक्त श्याम ने पूछताछ में बताया कि माह फरवरी 2024 में टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से उसका सम्पर्क करन उर्फ नागेश से हुआ था। करन उर्फ नागेश ने व्हाट्सअप काल के माध्यम से गेमिंग, स्केमिंग, मिक्सिंग व स्टाक पर काम करने के बारे में बताया था कि गेमिंग पर 2 प्रतिशत, स्टाक पर 5 प्रतिशत, मिक्सिंग पर 10 प्रतिशत व स्कैमिंग में 30 प्रतिशत का कमीशन मिलेगा। सारा रुपया कार्पोरेट एकाउन्ट में ही आयेगा। कार्पोरेट एकाउन्ट की डिटेल में एकाउन्ट होल्डर के बैंक का एकाउन्ट नं., आईएफएससी कोड, कस्टमर आईडी, कार्पोरेट आईडी, लांगिन आईडी पासवर्ड, ईमेल आईडी पासवर्ड, आधार नम्बर, पैन नम्बर, चेक बुक, एटीएम कार्ड व एसएमएस अलर्ट नम्बर के सिम की आवश्यकता होती हैं। जो एकाउन्ट होल्डर सिम नहीं देता हैं उसके मोबाइल में एपीके फाइल के माध्यम से एप डाउनलोड कर दिया जाता हैं। जिससे मोबाइल पर आने वाले एसएमएस आटो ट्रांसफर होकर मिल जाते हैं। यह सारी डिटेल मिलने के बाद एकाउन्ट में बेनिफिशरी एड किया जाता हैं। इसके बाद उसका लॉगिन आईडी व पासवर्ड चेन्ज कर दिया जाता हैं जिससे एकाउन्ट होल्डर एकाउंट में रुपए आने पर इन्टरनेट बैंकिंग एक्सेस न कर पाये। कार्पोरेट एकाउन्ट खोजने के लिए उसने अपने दोस्त हर्षल, पुनीत शर्मा उर्फ गगन एवं राजकुमार से बात किया। जिसके बाद राजकुमार कार्पोरेट एकाउन्ट उपलब्ध कराने लगा। यह एकाउंट की किट नागेश को भेजता था नागेश किट मिलने के बाद बैंक एकाउंट में बेनीफिशरी ऐड करने के लिए एपीके फाइल इसको भेजता था। यह फाइल बैंक एकाउंट होल्डर के मोबाइल में डाउनलोड करा देता था। इसके बाद बैंक एकाउण्ट होल्डर के साथ होटल में रूक जाते थे। जिससे फाड ट्रांजेक्शन के समय एकाउंट होल्डर कही जा न सके और एकाउंट में आने वाले रूपयों को होल्ड न करा सके।

सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने निकाला 15 सेंटीमीटर से बड़ा गॉल ब्लेडर

लखनऊ। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने 15 सेंटीमीटर से बड़ा गॉल ब्लेडर निकालने में कामयाबी हासिल की है। डॉक्टरों का दावा है कि विश्व में 10वां सबसे बड़ा गॉल ब्लैडर है। ऑपरेशन के बाद मरीज की तबीयत में सुधार है। सीतापुर रोड निवासी शालिनी तिवारी (35) को पेट में दाहिनी तरफ दर्द की समस्या हुई। परिवारीजनों ने कई स्थानीय अस्पतालों में दिखाया। फायदा नहीं हुआ। इसके बाद परिवारीजन मरीज को लेकर सिविल अस्पताल के सर्जरी विभाग की ओपीडी में पहुंचे। सर्जरी विभाग की डॉ. सुरम्या पांडेय ने मरीज को अल्ट्रासाउंड समेत दूसरी जांचें लिखी। अल्ट्रासाउंड जांच में पित्त की थैली में पथरी होने की पुष्टि हुई। डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी। परिवारीजन ऑपरेशन को राजी हो गए। 28 नवंबर को मरीज को भर्ती किया गया। सभी जांच के बाद तीन दिसंबर को मरीज का ऑपरेशन किया गया। पथरी की वजह से पूरा गाल ब्लैडर निकालना पड़ा। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत सामान्य है। अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डॉ. सुरम्या ने बताया कि 15 सेंटीमीटर आकार वाला यह विश्व का 10वां सबसे बड़ा गॉल ब्लैडर है। इस ऑपरेशन में डॉ. सुरम्या पांडेय के साथ ही डॉ. मनीष, डॉ. एसके सिंह और सिस्टर किरण शामिल रहीं।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति बने प्रो. सचिन माहेश्वरी

लखनऊ। शासन स्तर पर बुधवार को गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद के प्रथम कुलपति के रूप में नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. सचिन माहेश्वरी को नियुक्त किया है। यह जानकारी प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने दी है।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसंबर , 2024

केजरीवाल ने कानून-व्यवस्था पर भाजपा को घेरा

विधानसभा सत्र में कहा, दिल्ली में हत्या, बलात्कार, वसूली और फायरिंग हो रही, भाजपा के लिए कोई मुद्दा नही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को भी दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था का मुद्दा गरमाया रहा। आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं नई दिल्ली से विधायक अरविंद केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर भाजपा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हत्या, बालात्कार, वसूली और गोलीबारी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। भाजपा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था कोई मुद्दा नहीं है।

उन्होंने कहा कि बुधवार को भी नेब सराय में एक युवक के माता-पिता और बहन की हत्या कर दी गई। क्या भाजपा के लिए एक आम आदमी की सुरक्षा मायने नहीं रखती है। जब से अमित शाह ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था को संभाला है, तब से पूरी दिल्ली की कानून-व्यवस्था लगभग चरमरा गई है। भाजपा चाहे जितने भी आम आदमी पाटी के विधायकों को गिरफ्तार करवा ले या मुझ पर तरल पदार्थ फेंकवा ले, लेकिन वह बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। सदन को संबोधित करते हुए आप प्रमुख ने कानून व्यवस्था पर जब भाजपा से पूछा जाता है तो भगवा पार्टी के विधायक कहते हैं कि क्राइम तो मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर मुद्दा ही नहीं है। दिल्ल में खुलेआम लोगों के मर्डर हो रहे हैं और भाजपा कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं, वे असुरक्षित हैं, भाजपा कहती है कि लॉ एंड ऑर्डर मुद्दा ही नहीं है। सरेआम व्यापारियों को फिरौती की धमकियां मिल रही है। भाजपा कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में सरेआम गैंगस्टर्स व्यापारियों की दुकानों पर गोलियां बरसा रहे हैं और इनके नेता कहते हैं कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह की सीधे-सीधे जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जाए और गृह मंत्री के घर के 20-30 किलोमीटर के दायरे के अंदर सरेआम शूटआउट चल रहे हैं, गैंगस्टर्स पूरी दिल्ली पर कब्जा कर चुके हैं और गृह मंत्री आराम से अपने घर पर सो रहे हैं, उन्हें दिल्ली की कोई चिंता नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि वह पूछना चाहते हैं कि क्या इस देश के अंदर एक वीआईपी की सुरक्षा और एक आम आदमी की सुरक्षा के अलग-अलग पैमाने होने चाहिए। वीआईपी की भी सुरक्षा जरूरी है। आज सुखबीर बादल पर हमला हुआ, पंजाब पुलिस ने मुस्तैदी से उनकी सुरक्षा की। दिल्ली में बुधवार सुबह नेब सराय में ट्रिपल मर्डर हुआ है। एक युवक सुबह मॉर्निंग वॉक पर गया, जब घर वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मां, पिताजी और बहन का मर्डर कर दिया गया है। यह भाजपा के लिए मुद्दा ही नहीं है। ये कहते हैं कि मुद्दा ही नहीं है।

आप नेता ने कहा कि वह काफी दिनों तक चुप रहे क्योंकि वह इस पर राजनीति नहीं करना चाहते थे। लेकिन जब धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तो उन्हें चुप्पी तोड़नी पड़ी क्योंकि दिल्ली के लोग मेरे ही लोग हैं।

सुखबीर बादल की जान बचा पंजाब पुलिस ने मिशाल कायम की : केजरीवाल

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के ऊपर हुए जानलेवा हमले की आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने विधानसभा में दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान सुखबीर बादल पर हुए हमले पर कहा कि सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से बड़ा हादसा होने से बच गया। पंजाब पुलिस ने न सिर्फ इस घटना को रोका, बल्कि पूरे देश के सामने एक मिसाल पेश की है कि किस तरह से कानून-व्यवस्था को मुस्तैदी से बरकरार रखा जा सकता है। इस घटना के बाद पूरी भाजपा पंजाब की कानून व्यवस्था पर बोलने लगी, लेकिन दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर वह बिल्कुल चुप है।

सदन में बुधवार को पूर्व सीएम केजरीवाल ने सदन में कहा कि पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की। लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से और उनके अच्छे काम की वजह से एक बहुत बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं। वह इस घटना की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

नेब सराय तिहरा हत्याकांड

वारदात से सदमे में पड़ोसी पीड़ितों को मिलनसार बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में तिहारे हत्याकांड मामले में आस-पास के लोग सदमे में हैं। मृतक कोमल के भाई सतीश कुमार ने बताया कि यह उनकी शादी की 27वीं सालगिरह थी। कुमार ने कहा, जब मैंने अपनी बहन, बहनोई और भतीजी को बेजान अवस्था में देखा तो मैं सदमे में आ गया।

मुझे सुबह करीब साढ़े सात बजे अपने भतीजे का फोन आया और उसने घटना के बारे में बताया। खबर सुनकर मैं स्तब्ध रह गया। मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला यह परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और करियर के अवसर प्रदान करने की उम्मीद में 15 साल पहले दिल्ली आया था।

अर्जुन और कविता दोनों ही मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट विजेता थे और कविता एक समर्पित और प्रतिभाशाली छात्रा थी। पड़ोस में रहने वाली हिमानी ने कहा, यह एक भयावह घटना है। कल मैंने मां और बेटी को उनकी छत पर बात करते और हंसते हुए देखा। आज वे जीवित नहीं हैं। इसे इतने करीब से खुद देखकर पर मैं पूरी तरह से हिल गई हूं। घर के अंदर का दृश्य देखने वाले एक अन्य पड़ोसी ने इसे बेहद परेशान करने वाला बताया। उसने कहा, जब मैंने शवों को देखा तो मैं सिहर उठा। उनके गले पर बेरहमी से चाकू से वार किया गया था। यह भयावह है। कविता की दोस्त अंजलि ने परिवार को मिलनसार बताया। उन्होंने कहा, मां-बेटी कॉलोनी में काफी मिलनसार और सहृदय थीं। यह अकल्पनीय है कि उनके साथ इतनी दुखद घटना घट सकती है। उन्होंने कहा, कविता और मैं अक्सर अपनी पढ़ाई के बारे में चर्चा करते थे। जब भी मुझे किसी चीज से परेशानी होती थी तो वह मेरी मदद करती थी। ऐसे अच्छे दोस्त को खोना एक ऐसा दर्द है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

इस घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। परिवार के एक बुजुर्ग पड़ोसी नरेश सिंह ने कहा, हम अब यहां सुरक्षित महसूस नहीं करते। हम कैसे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, जब ऐसी घटना सुबह-सुबह हुई और किसी को पता ही नहीं चला? डीसीपी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने इलाके से सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिए हैं तथा परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

केंद्र के खिलाफ आप विधायकों का प्रदर्शन

- केंद्र सरकार के पास लोगों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन वह इसमें नाकाम है : आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते विधायक। फोटो: रंजन डिमरी

कानून व्यवस्था का मामला बुधवार को विधानसभा में गूंजा। बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में हंगामा शुरू कर दिए और भाजपा व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बेल में आ गए। इसके बाद विधायकों ने सदन से बाहर आकर विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विधायकों के हाथ में नारों से लिखी तख्तियां भी थी।

विधायकों ने नारेबाजी कर अमित शाह से बिगड़ी कानून व्यवस्था पर जवाब देने की मांग की। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली के लोगों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन वह इस काम में बिल्कुल फेल हो चुकी है।

आतिशी ने कहा कि बुधवार सुबह एक बहुत दर्दनाक हादसा हुआ है। नेबसराय में एक परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी गई। यह बढ़ते हुए क्राइम की पहली घटना नहीं है। दिल्ली में कहीं भी चले जाएं, कहीं गोलियां चल रही हैं, कहीं खुलेआम चाकू घोंपकर लोगों की हत्या की जा रही है। कहीं नशीला पदार्थ बिक रहा है। पिछले दो महीनों में दिनदहाड़े दो पुलिस वालों का भी कत्ल हो गया। केंद्र सरकार के पास दिल्ली में सिर्फ एक जिम्मेदारी है, वो है लोगों को सुरक्षा देना। लेकिन यह बिल्कुल साफ हो गया है कि भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली वालों को सुरक्षित रखने में पूरी तरह फेल है।

कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली क्राइम कैपिटल बनती जा रही है। आज सुबह एक परिवार के तीन-तीन लोगों को मार दिया गया। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब यह खबर न आती हो कि यहां व्यापारियों पर गोली चला दी गई, महिलाओं के साथ वारदात हो गई, या मर्डर हो गया।

बढ़ते अपराध के लिए सरकार जिम्मेदार : विजेंद्र

- विपक्षी विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर विस परिसर में विरोध प्रदर्शन किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के बाहर आप सरकार के खिलाफ धरना देते भाजपा विधायक।

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा सत्र में कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि रोहिंग्याओं और नशे का कारोबार करने वालों को दिल्ली सरकार संरक्षण दे रही है जिसके चलते नशे का करोबार और अपराध बढ़ रहा है।

बुधवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष ने केजरीवाल के शीशमहल पर खर्च किये गये करोड़ों रुपये के संसाधनों का मुद्दा उठाया तो उनका माईक बंद कर दिया गया और उन्हें नहीं बोलने दिया गया। इस पर अपना विरोध जताते हुए गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ही राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ रहे अपराधों के लिये जिम्मेदार है, क्योंकि यह सरकार अवैध रूप से यहां रह रहे लाखों रोहिंग्याओं को फर्जी कागजातों के आधार पर वोटर कार्ड जारी कर उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने का प्रयास कर रही है। ये रोहिंग्या नशे के कारोबार में लिप्त हैं और अपराधों को अंजाम दे रहे हैं ।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आप सरकार विपक्ष का गला घोंटकर न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन कर रही है, बल्कि जानबूझकर विधानसभा के पटल पर जनहित के मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शीश महल, कैग की रिपोर्ट्स, वायु प्रदूषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़े गंभीर विषयों पर चर्चा के लिए विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया।

विपक्ष द्वारा दिये गए मुद्दों को स्वीकार किये जाने के बावजूद उन पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी गई। विरोधस्वरूप भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने दिल्ली सरकार कंगाल, शीशमहल में केजरीवाल जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां हाथों में लेकर अपना विरोध जताया। गुप्ता ने कहा कि आप सरकार ने बार-बार यह साबित किया है कि उसकी प्राथमिकता जनता का कल्याण नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक प्रचार को बढ़ावा देना है।

केजरीवाल, कविता से मांगा जवाब

आबकारी मामला

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से संबंधित कथित धनशोधन मामले में अधीनस्थ अदालत के एक आदेश को चुनौती देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर की गई याचिका पर बुधवार को अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेताओं और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता से जवाब मांगा। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने ईडी की याचिका और मामले में स्थगन की उसकी अर्जी पर सभी 40 आरोपियों को नोटिस जारी किए। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जनवरी की तारीख तय की। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, आप नेताओं मनीष सिसोदिया एवं संजय सिंह तथा कई कारोबारी इस मामले में आरोपियों में शामिल हैं। नवंबर में अधीनस्थ अदालत ने ईडी को निर्देश दिया था कि वह मामले के आरोपियों को आरोपपत्र और शेष अपुष्ट दस्तावेजों के डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराए।ईडी के वकील ने कहा कि अधीनस्थ अदालत ने दस्तावेजों की जांच के चरण में ईडी को आरोपियों को अपुष्ट दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवॉर्ड के सीजन 2 में इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स आरएस मल्होत्रा और गगन मल्होत्रा को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सिख समुदाय में असाधारण प्रतिभाशाली लोगों को दिया जाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष एस. इकबाल सिंह लालपुरा ने अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर वायबोर इंडिया के सीएमडी आरएस मल्होत्रा ने कहा कि यह सिर्फ मेरा सम्मान नहीं बल्कि पूरी टीम का सम्मान है। वायबोर इंडिया के निदेशक गगन मल्होत्रा ने ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवार्ड से सम्मानित होने पर कहा कि यह हमारी भरोसे व विश्वसनीयता का सम्मान है। इस अवसर पर ऑक्सीजन मैन के नाम से प्रसिद्ध गुरप्रीत सिंह रम्मी ने समाज की सेवा के लिए मौजूद लोगों से आगे आने की अपील की।

दिव्यांगों की सहायता के लिए बांटे उपकरण

नई दिल्ली। टाटा पावर-डीडीएल ने अपने समावेशिता और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के पर दिव्यांगों को मोटराइज़्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग डिवाइस और अन्य कई सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के थीम 'समावेशी एवं सतत भविष्य के लिए दिव्यांगों की नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देना' के अनुरूप था। इस समारोह में, इंटरनेशनल पैरा एथलीट और क्रिकेटर विशाल और गजानन एस काले, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल समेत अधिकारी और हितधारक, लाभार्थी तथा सामुदायिक नेतागण भी दिव्यांगजनों की उपलब्धियों एवं दृश्यता के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मौजूद थे।

दो वाहनों में टक्कर के बाद लगी आग, एक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका में मंगलवार रात एक एसयूवी से टक्कर के बाद कार में आग लग गई जिससे कार सवार व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। टक्कर के बाद एसयूवी में भी आग लग गई लेकिन उसमें सवार यात्री समय रहते बाहर निकलने में सफल रहा।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया दमकल के दो वाहनों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया, जब तक दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे तब तक दोनों वाहन आग की चपेट में आ चुके थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम यशोभूमि फ्लाईओवर पर पहुंची और पाया कि एक मारुति सुजुकी ईको तथा एक हुंडई क्रेटा दुर्घटनाग्रस्त हो गई हैं। अधिकारी ने कहा, संदेह है कि दोनों वाहनों की आमने-सामने से टक्कर हुई। अधिकारी ने कहा, क्रेटा कार सवार लोग समय रहते बाहर निकल गए लेकिन ईको कार में बैठा व्यक्ति उसमें ही फंसा रह गया और उसका जला हुआ शव बरामद किया गया। शव की पहचान अभी नहीं हुई है।

एलजी ने होमगार्ड वॉलिंटियर्स को सौंपा नियुक्ति पत्र

- चुने गए उम्मीदवारों में 19 फीसदी पूर्व सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और 181 महिला उम्मीदवार शामिल : उपराज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1669 वॉलंटियर्स को होमगार्ड के लिए भर्ती के नियुक्ति पत्र वितरित किए, जिन्हें भर्ती प्रक्रिया के तहत चुना गया था। विशेष बात यह है कि इन नव नियुक्त कर्मचारियों में से 19 प्रतिशत पूर्व सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और 181 महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, इस वर्ष जनवरी में एलजी ने 10,285 नए होमगार्ड कर्मियों की भर्ती को मंजूरी दी थी और आदेश दिया था कि चयन प्रक्रिया में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उठाया गया था, जिन्हें नवंबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर हटा दिया गया था।

उपराज्यपाल ने चयन प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के लिए समय सीमा को कम करने का निर्देश भी दिया था। हालांकि, इन 10,285 होमगार्ड की भर्ती के लिए विज्ञापन के बाद, कई उम्मीदवारों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके परिणामस्वरूप 7939 पदों की नियुक्ति को दो कोर्ट मामलों के अंतिम निर्णय का इंतजार करते हुए स्थगित कर दिया गया था। सक्सेना ने यह स्पष्ट करते हुए कि बाकी पद कोर्ट के निर्णय आने के बाद भरे जा सकते हैं। उन्होंने तत्काल 2346 होमगार्ड की नियुक्ति का निर्देश दिया था, जिन्होंने अपनी शारीरिक माप और दक्षता परीक्षा और लिखित परीक्षा पास की थी। उपराज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया था कि योग्य उम्मीदवारों के चिकित्सा परीक्षण के लिए एक सप्ताह के भीतर एक विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाए और उसके बाद उन्हें शीघ्र नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों की 15 बोर्डों का गठन किया गया था और प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया को कैमरों द्वारा वीडियोग्राफी की गई।

गोल्डन लाइन पर बनी सबसे लंबी सुरंग का काम पूरा: डीएमआरसी

- दक्षिण दिल्ली में 2.65 किलोमीटर लंबी बनी है सुरंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग पूरी होने पर डीएमआरसी अधिकारी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दक्षिण दिल्ली में 2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग पूरी की, जो चौथे चरण की सबसे लंबी सुरंग है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने आज फेज 4 के तहत सबसे लंबी भूमिगत सुरंग के निर्माण को पूरा कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। यह सुरंग तुगलकाबाद-वायु सेना लॉन्चिंग शाफ्ट मां आनंदमयी मार्ग के बीच बनाई गई है, जो फेज-चार के तुगलकाबाद-एयरसिटी कॉरिडोर का हिस्सा है। डीएमआरसी के निदेशक,परियोजना राजीव धनखड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दिल्ली मेट्रो की आनंदमयी मार्ग साइट पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) 'अमृत' का काम पूरा हुआ। बुधवार सुबह आनंदमयी मार्ग स्टेशन पर 2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदने के बाद एक टीबीएम ने सुरंग खुदाई का काम पूरा किया। एक विशाल 105 मीटर लंबी टीबीएम का उपयोग करके इस सुरंग के काम में सफलता हासिल की गई। एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के हिस्से के रूप में इस खंड पर ऊपर और नीचे आवाजाही के लिए दो समानांतर गोलाकार सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। जनवरी, 2025 में दूसरी समानांतर सुरंग के काम में सफलता मिलने की उम्मीद है। इस सिविल पैकेज का कान्ट्रैक्टर मेसर्स एफकॉन्स है। यह नई सुरंग लगभग 16 मीटर की औसत गहराई पर बनाई गई है। सुरंग में लगभग 1894 रिंग लगाए गए हैं, जिनका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। सुरंग निर्माण कार्य में कई तकनीकी चुनौतियां सामने आईं, जिसमें सीवर लाइन का बदलाव, कठोर चट्टानी परतों से होकर गुजरना आदि शामिल हैं।

सुरंग का निर्माण अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड की तकनीक का उपयोग करके किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। इन टनल रिंग को मुंडका में स्थापित पूरी तरह से मशीनीकृत कास्टिंग यार्ड में कास्ट किया गया था। कंक्रीट के खंडों को जल्दी मजबूती प्रदान करने के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम का उपयोग किया गया था। मौजूदा निर्मित भवनों के नीचे सुरंग के निर्माण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गईं। आस-पास की भवनों पर लगे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से ज़मीन की गतिविधियों पर नज़र रखी गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं भी कोई सेटलमेंट न हो। अब तक स्वीकृत फेज़-चार के कार्य के हिस्से के रूप में, 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है।

एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर में कुल 19.343 कि.मी. खंड भूमिगत है। टीबीएममशीन का उपयोग विभिन्न मिट्टी और चट्टानी परतों के माध्यम से एक गोलाकार क्रॉस-सेक्शन वाली सुरंगों की खुदाई करने के लिए किया जाता है। उन्हें कठोर चट्टान से लेकर रेत तक किसी भी चीज को भेदने के लिए डिजाइन किया जा सकता है। टीबीएमने दुनिया भर में सुरंग बनाने के काम में क्रांति ला दी है, जिससे इमारतों और अन्य सतही संरचनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सुरंग खोदी जा सकती है।

टीबीएमभीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग बनाने के काम के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। डीएमआरसी फेज-चार ही सुरंगें बनाने के काम के लिए टीबीएमका उपयोग कर रही है। फेज-तीन में, जब लगभग 50 कि.मी. भूमिगत खंडों का निर्माण किया गया था, तब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग 30 टीबीएमतैनात की गई थीं।

महाकुम्भ में दिखेगा सितारों का संगम

●गंगा पंडाल में जलवा बिखेरेंगे शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम और श्रेया घोषाल

●अपनी प्रस्तुतियों से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महाआयोजन को और अधिक पावन बनाएंगे सितारे

संवाददाता। प्रयागराज

महाकुम्भ में सिर्फ देश और विदेश के श्रद्धालु गंगा यमुना और सरस्वती के संगम में पवित्र डुबकी ही नहीं लगाएंगे बल्कि वो बॉलीवुड के सितारों के संगम से भी सराबोर होंगे। मेला क्षेत्र में बन रहे गंगा पंडाल में ये सितारे पूरे महाकुम्भ के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं के लिए इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महाआयोजन को और अधिक पावन बनाएंगे। इनमें सिंगर और कंपोजर शंकर महादेवन कैलाश खेर सोनू निगम विशाल भारद्वाज ऋचा शर्मा जुबिन नौटियाल और श्रेया घोषाल जैसे सितारे अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इस पूरे आयोजन को उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित करेगा। इन कलाकारों की प्रस्तुतियों के लिए शेड्यूल भी प्रस्तावित किया गया है लेकिन यह उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

आयोजन में सम्मिलित होने पर असमर्थता जताने पर उनकी जगह किसी अन्य कलाकार की प्रस्तुति का प्रयास किया जाएगा।

सुनाई देगी कैलाश खेर और सोनू निगम की जादुई आवाज

प्रयागराज। अपनी आवाज से लोगों को अपना दीवाना बनाने वाले सिंगर कैलाश खेर भी महाकुम्भ में लोगों को अपनी भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर करने के लिए उपस्थित रहेंगे। कैलाश खेर की प्रस्तुति के लिए 18 जनवरी का दिन प्रस्तावित है। इसी तरह 19 जनवरी की शाम को सोनू निगम भी श्रद्धालुओं के बीच अपनी जादुई आवाज का जलवा बिखेर सकते हैं। फेमस लोकगायिका मैथिली ठाकुर 20 जनवरी को कविता पौडवाल 31 जनवरी को विशाल भारद्वाज एक फरवरी को ऋचा शर्मा दो फरवरी को जुबिन नौटियाल 8 फरवरी को, रसिका शेखर 10 फरवरी को हंसराज रघुवंशी 14 फरवरी को और श्रेया घोषाल 24 फरवरी को अपनी सुरीली आवाज से श्रद्धालुओं को आध्यात्म और श्रद्धा के रस में सराबोर करेंगे।

प्रस्तावित योजना के अनुसार गंगा पंडाल में इन सितारों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। मेला क्षेत्र स्थित गंगा पंडाल में दस हजार लोगों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इसके लिए शाम चार बजे से रात आठ बजे तक का समय निर्धारित किया गया है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महाकुम्भ की शुरुआत भले ही तेरह जनवरी से हो रही हो लेकिन भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत दस जनवरी से ही हो जाएगी। प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार दस जनवरी को शुक्रवार के दिन फेमस सिंगर और म्यूजिक कंपोजर शंकर महादेवन अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर देंगे तो वहीं 11 जनवरी को प्रदेश की चर्चित लोकगायिका मालिनी अवस्थी अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्र मुग्ध करेंगी।

दिव्यागों के लिये सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अंबेडकर नगर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विकास भवन में दिव्यांगजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगजनों को मुख्य विकास अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ल द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया तथा दिव्यांग बच्चों को नि:शुल्क ईलाज हेतु निरामया स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया गया एवं नवीन पेंशन धारकों को पेंशन स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ल जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती प्रतिभा यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार, श्रीमती आरती त्रिपाठी, उपस्थित रहे।

45 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैद रहेंगे हाईटेक रिमोट लाइट ब्वाय

●700 झंडे लगी नाव पर 24 घंटे तैनात रहेंगे पीएसी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवान

●जवानों के लिए अत्याधुनिक लाइफ जैकेट, 4 नई फ्लोटिंग जेटी और रेस्क्यू ट्यूब लाए गए

●संगम नोज से किलाघाट तक हटाई जाएंगी जर्जर नावें

संवाददाता। प्रयागराज

महाकुम्भ को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर परिस्थिति में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा सुरक्षित प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके लिए पीएसी के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मिलकर काम कर रही हैं। जिसमें बाकायदा एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यहां 700 झंडे लगी नाव पर 24 घंटे पीएसी एनडीआरएफ एसडीआरएफ के जवान तैनात रहेंगे।

संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को मौजगिरी के रास्ते सुरक्षित निकाले जाने की योजना बनाई गई। सबसे खास बात यह है कि संगम नोज से किलाघाट तक सभी जर्जर नाव हटाई जाएंगी। इसी क्रम में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर रिमोट लाइट बॉय तैनात किए गए हैं जो पलक झपकते कहीं भी पहुंचने में सक्षम हैं और किसी

भी अनहोनी से पहले व्यक्ति को सुरक्षित स्थान ले जाने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ को धरती का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन बनाने की तैयारी दिन रात चल रही है।

इसके दृष्टिगत सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी जोन प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र और कमांडेंट एसडीआरएफ सतीश कुमार संगम नोज और वीआईपी घाट पहुंचे। उन्होंने जवानों को सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर नजर रखी जाएगी।

साथ ही पीएसी एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम के जवानों को हर आधुनिक टेक्नोलॉजी से प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जवानों के लिए अत्याधुनिक लाइफ जैकेट, 04 नई फ्लोटिंग जेटी और बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ट्यूब मंगा लिए गए हैं। जिससे किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में हमारे जवान सक्षम रहेंगे। वीआईपी मूवमेंट वाले किला घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

यहां पर स्पेशल फोर्स की तैनाती की जा रही है। जिससे देश विदेश से आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। यही नहीं सरस्वती घाट से लेकर संगम घाट तक कड़ी सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया जा रहा है। यहां डीप बैरिकेडिंग की जा रही है। इसके अलावा घाट पर चारों तरफ जाल लगाने का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है।

महाकुम्भ को सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के उद्देश्य से 4वीं वाहिनी एवं 42वीं वाहिनी के पीएसी के बाढ़ राहत दलों ने संगम घाट और विकसित किए जा रहे विभिन्न स्नान घाटों की भौगोलिक स्थिति का भी निरीक्षण किया। साथ ही किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्वाभ्यास भी किया गया। प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी जोन प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र ने जवानों को सजग रहकर अपने दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया। दलनायक बाढ़ राहत दल 4वीं वाहिनी पीएसी रवीन्द्र प्रसाद दलनायक 42वीं वाहिनी मिथिलेश राय? ने भी जवानों की टीम को श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद रहने के तरीके बताए।

डॉ राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 07 कंपनी पीएसी तैनात कर दी गई है। जिसके तहत एक कंपनी जीआरपी में और एक कंपनी को कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। इसके अलावा पांच कंपनी मेले में लगाई गई है। जिनमें से दो कंपनियां बाढ़ राहत दल में तैनात हैं।

सभी कुशल तैराकों को इस राहत वाली टीम में लगाया गया है जो किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में सक्षम हैं। महाकुंभ को लेकर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवानों को कम्युनिकेशन में दक्ष बनाया जा रहा है। इन्हें सिखाया जा रहा है कि एक नाव से दूसरे नाव में तैनात जवान किस प्रकार से एक दूसरे से कम्युनिकेशन करेंगे। इसके अलावा बोट पलटने या किसी के साथ अनहोनी होने पर उसे बचाने के लिए क्या तात्कालिक व्यवस्था करनी है, इसके तहत जवानों ने पूर्वाभ्यास किया। साथ ही पेट्रोलिंग करके प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी जोन प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र और कमांडेंट एसडीआरएफ सतीश कुमार के समक्ष अपनी कुशलता का प्रदर्शन किया।

महाकुम्भ के लिए केंद्र से मिलेगा 2100 करोड़ रुपए का उपहार

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में आगामी जनवरी माह से शुरू हो रहे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम महाकुम्भ के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ा उपहार भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपए की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत करते हुए पहली किस्त के रूप में 1050 करोड़ रुपए निर्गत कर दिये हैं।

महाकुम्भ मेला के सकुशल आयोजन के लिए भारत सरकार से एकमुश्त विशेष सहायता अनुदान के रूप में धनराशि स्वीकृत किये जाने उप्र शासन द्वारा केंद्र सरकार से विशेष से अनुरोध किया गया था। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पहले ही 5435.68 करोड़ रुपए भव्य दिव्य और डिजिटल महाकुम्भ के आयोजन पर खर्च कर रही है। सरकार द्वारा महाकुम्भ के लिए 421 परियोजनाओं पर यह धनराशि खर्च की जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से अबतक 3461.99 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों जिसमें लोक निर्माण विभाग आवास एवं शहरी नियोजन विभाग सेतु निगम पर्यटन विभागसिंचाई, नगर निगम प्रयागराज द्वारा विभागीय बजट मद से 1636.00 करोड़ रुपए की 125 परियोजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है। महाकुम्भ 2025 के अन्तर्गत अवसंरचनात्मक सुविधायें जिसमें रेलवे ओवरब्रिज रेलवे अण्डरब्रिज सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य नदी के किनारे कटाव निरोधक कार्य सहित इण्टरलॉकिंग सड़क मार्ग रिवर फन्ट का निर्माण स्मार्ट सिटी एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के समन्वय से प्रयागराज को सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किये जाने की कार्ययोजना के अन्तर्गत समस्त चौराहों का थीम बेस्ड सौन्दर्याकरण आईटी बेस्ड मॉनिटरिंग इत्यादि कार्य एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का सुचारू संचालन किया जा रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में पीसीएस परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

संवाददाता। सोनभद्र

जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्व निर्धारित उ0प्र0 पी0सी0,एस0 परीक्षा-2024 हेतु जनपद के 10 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापकों और व्यवस्था में लगे जिला विद्यालय निरीक्षक तथा अपर जिलाधिकारी के साथ बैठक की गयी, इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धितों को निर्देशित किया कि परीक्षा में सभी की महत्वपूर्ण जबाबदेही होगी। सभी परीक्षा केन्द्रों के लिये सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक और सह केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती की जायेगी।

आन्तरिक,बाह्य कक्ष निरीक्षक, अन्तरीक्षक के रूप में राजकीय, अनुदानित शिक्षक, शिक्षिकाओं की ही ड्यूटी लगायी जायेगी, जिनका फोटोयुक्त पहचान पत्र बनाया जायेगा। प्रत्येक कक्ष में 24 या 48 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, परीक्षार्थी प्रथम पाली में प्रात: 08-00 बजे से 08-45 बजे तक ,वं द्वितीय पाली 01-00 बजे से 01-45 बजे तक ही तलाशी के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश कर सकेंगें, उसके बाद प्रवेश की अनुमति नही हागी। परीक्षार्थियों के बैग एवं मोबाइल के रख-रखाव की व्यवस्था टेन्ट के पास बाहर करायी जायेगी, जो नि:शुल्क होगी, सामूहिक बैठक व्यवस्था का डिस्प्ले गेट पर और परीक्षार्थियों के सीटिग प्लान का डिस्प्ले कक्षा-कक्ष के बाहर किया जायेगा।

परीक्षा के दिन पूर्व सीट प्लान व्यवस्थित कर लेने और उसी दिन स्टैटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में परीक्षा में लेगें, सभी का ब्रीफिंग सेशन कराने का निर्देश दिया गया है, जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि परीक्षा के 03 दिवस पूर्व सभी केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक और अन्तरीक्षकों का विशेष प्रशिक्षण करा लिया जाय।

किसी भी प्रकार की किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाये, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिये 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

धान खरीद में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त: जिलाधिकारी

संवाददाता। चंदौली

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में धान खरीद की समीक्षा बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कड़ी निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के किसानों का धान सुगमतापूर्वक खरीद सुनिश्चित करें, ताकि शासन द्वारा जनपद में धान खरीद की निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने धान खरीद अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि किसान का नाम, पता, आनलाइन भुगतान का विवरण एवं किसान का मोबाइल नम्बर अवश्य अभिलेख में अंकित किया जाय। धान क्रय केंद्रों पर किसानों के बैठने, पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसानों से धान खरीद में टालमटोल करने वाले अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। धान खरीद में बिचौलियों की भूमिका कहीं प्राप्त हुई तो संबंधित धान खरीद करने वाले क्रय केंद्र प्रभारी का निलंबन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मंडी में जिन किसानों का खरीद का नंबर है उनका ही प्रवेश होगा। वहां नमी वाला धान काफी दिन तक नहीं रखें जायेंगे। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहां के लेखपाल के माध्यम से छोटे किसानों का सत्यापन कार्य प्राथमिकता पर तेजी से सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि राइस मिलों तक ले जाने वाले ट्रैकों में जीपीएस अनिवार्य रूप से लग रहे यह सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि कृषि विभाग, कॉपरेटिव एवं डिप्टी आरएमओ को टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए कहा कि किसानों का धान बिक्री एवं खाद लेने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान खाद पर ओवर रेटिंग ना हो इसके लिए सम्बन्धित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि बिहार बार्डर पर औचक निरीक्षण कर चेकिंग करे। उपजिलाधिकारी , कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण खाद दुकानों/गोदामों पर स्टॉक एवं बिक्री की जांच पड़ताल करें जिन दुकानों पर ई-पास मशीन से खाद की बिक्री एवं स्टॉक रजिस्टर का मिलान सही न हो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए।

मेडिकल सेंटर एवं नशामुक्ति केंद्र का होगा संचालन

बीजपुर, सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में सामुदायिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और नशे की समस्या से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनटीपीसी रिहंद ने प्रोजेक्ट संकल्प के कार्यान्वयन के लिए समाज सेवा और अनुसंधान एस वी ऐ आर के साथ समझौता ज्ञापन एम ओ ए पर हस्ताक्षर किया है। इस परियोजना के तहत 3.08 करोड़ रुपये की लागत से नशामुक्ति और स्वास्थ्य देखभाल केंद्र की स्थापना की जाएगी। जो अगले 12 महीने में लागू किया जायेगा, क्षेत्र में नशे से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करेगा। यह समझौता ज्ञापन एनटीपीसी रिहंद के प्रमुख अधिकारियों मुख्य महाप्रबंधक पंकज मेंदीरत्ता ,ऐजीएमएचआर बी के पांडेय ,डीजी एमएचआर संतोष कुमार उपाध्याय की उपस्थिति में एसवीऐआर की टीम के नेतृत्व में हस्ताक्षरित हुआ। जिसमें एसवीऐ आर के अध्यक्ष मनोज कुमार शुक्ला प्रोजेक्ट निदेशक नितेश कुमार यादव व प्रोजेक्ट प्रबंधक वसील खान शामिल थे।

सार्थक वार्ता के बाद शिक्षक संघ ने आंदोलन किया स्थगित

गाजीपुर। आगामी छह दिसंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में ताला बंदी को लेकर आक्रोशित शिक्षकों की समस्याओं को लेकर डीआईओएस भास्कर मिश्र ने पहल करते हुए समस्या निस्तारण करने के लिए बुधवार को शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल को बुलाकर वार्ता किया। डीआईओएस भास्कर मिश्र के साथ सार्थक वार्ता के बाद माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल ने आंदोलन को तत्काल स्थगित करने का निर्णय लिया। मालूम हो कि आंदोलित शिक्षक अपनी समस्याओं का निदान नहीं होने तथा कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर छह दिसम्बर को डीआईओएस कार्यालय में ताला बंदी करने की चेतावनी दी थी। चौधरी दिनेश चंद्र राय ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में एक सौ पचास से अधिक शिक्षकों का अवशेष, पदोन्नति, चयन वेतनमान सहित अन्य जरूरी कार्य सुविधा शुल्क नहीं देने पर रोका गया था। शिक्षकों का आरोप है कि सुविधा शुल्क नीचे से लेकर ऊपर तक लिया जा रहा था। प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय कहते हैं कि बीते 19 नवंबर को भ्रष्टाचार व अन्य समस्याओं को लेकर कार्यालय का घेराव किया गया था।

लापरवाही बरतने पर आधा दर्जन सीएचओ का अधीक्षक ने वेतन रोका

सकलडीहा, चन्दौली । गांवों में 35 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का स्क्रीनिंग स्थिती (एनसीडी) मधुमेह और बीपी की जांच कराने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत सीएचसी अर्न्तगत गांवों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के

सीएचसी को जिम्मेदारी दी गयी है। बुधवार को सीएचसी अधीक्षक डा. संजय यादव ने समीक्षा के बाद स्क्रीनिंग स्थिती (एनसीडी) ठीक नहीं होने पर सात सीएचओ का एक माह का वेतन रोक दिया है। अधीक्षक के इस कार्रवाई से सीएचओ सहित स्वास्थ्य कर्मियों में खलबली मच गया है। अंत में अधीक्षक के नेतृत्व में प्रांतीय चिकित्सा संघ जिला ईकाई के संगठन की मजबूती व नये सदस्यों को जोड़ने को लेकर चर्चा किया गया।

सीएचसी पर लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में निःशुल्क महिलाओं का आपरेशन से प्रसव और ब्लड बैंक की सुविधा शुरू किया गया है। इसके साथ ही गांवों में 35 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का सीएचओ को स्क्रीनिंग स्थिती (एनसीडी) मधुमेह और बीपी की जांच कराने का निर्देश दिया गया है। जिसमें लापरवाही बरतने पर गंजखाजा की सीएचओ रूची माथुर,डेढ़गांवा श्रेया केशरी,नसीरपुर पट्टन कुमारी प्रीति,सेवखर कला अर्चना पांडेय,पौरा भावना श्रीवास्तव,भोजापुर रीना श्रीवास्तव, और जमुनीपुर की शालिनी नंदा का रिपोर्टिंग मानक के अनुरूप कम होने पर वेतन रोकने का निर्देश दिया है। अंत में प्रांतीय चिकित्सा संघ के तहत डा.संदीप गौतम और डा.नीलेश मालवीय को सदस्य बनाया गया। गैर जनपद से आये चिकित्सकों का आजीवन सदस्यता चंदौली में स्थानांतरण किया गया।

अल्ट्रा सीमेंट फैक्ट्री कैंपस में मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

●11वीं बटालियन एनडीआरएफ वाराणसी के 30 सदस्यों ने लिया भाग

संवाददाता। सोनभद्र

जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण व अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के सहयोग से जनपद की कैमिकल बायलॉजिकल रेडियोलॉजिकल व न्यूक्लियर आदि विभिन्न आपदाओं पर आपदा संबंधी मॉक एक्सरसाइज व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अल्ट्रा सीमेंट फैक्ट्री के कैंपस में मॉक ड्रिल का आयोजन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में किया गया।

अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्रा द्वारा विभिन्न विभागों को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक रहकर आपदाओं में सदैव तैयार रहने हेतु एवं आपदा प्रबंधन विभाग को सभी फैक्ट्री कारखाने औद्योगिक इकाइयों की योजनाओं को अधिकतम करते हुए जिले की योजना जिले की आपदा प्रबंधन योजना को अधिकतम करने के प्रति जोर देते हुए संबंधित को निर्देशित किया गया और साथ ही साथ आपदाओं में किस प्रकार जिला प्रशासन द्वारा कार्य किया जाता है बचाव एवं राहत का उसके प्रति विस्तृत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

संचालन जिला आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम द्वारा विस्तृत प्रयोगात्मक रूप से उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को किसी भी कारखाना आदि में यदि कोई गैस रिसाव या अन्य रसायनिक आपदा आने पर किस प्रकार एनडीआरएफ या अन्य जनपद स्तरीय विभिन्न विभागों द्वारा किस प्रकार से कैमिकल बायलॉजिकल रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर से घटित घटनाओं से बचाव करेंगे, इसको लेकर विस्तृत चर्चा प्रत्येक बिंदुओं पर प्रयोगात्मक तरीके से बता कर जागरूक किया गया, कार्यक्रम में उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी द्वारा एनडीआरएफ द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनके द्वारा बचाव एवं अन्य कार्यों के प्रति उत्साहित कर उपस्थित समस्त अधिकारियों को अपने दायित्व के प्रति सजग रहकर विभिन्न आपदाओं में बेहतर कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के महाप्रबंधक द्वारा एनडीआरएफ की टीम व जिला प्रशासन एवं उपस्थित समस्त अधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उक्त मॉडल कार्यक्रम को सफल बनाने में अपेक्षित सहयोग हेतु अपने टीम के साथ-साथ सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सदर ब्लाक प्रमुख दिल्ली विस चुनाव में बने प्रवासी

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत को विधानसभा चुनाव 2025 दिल्ली प्रदेश विधानसभा प्रवासी बनाए जाने पर अनुसूचित जाति मोर्चा काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों में खुशी की लहर है बताते चलते हैं कि पूर्व में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा उसके विभिन्न पदों का निर्वहन करते हुए श्री रावत संगठन के कार्यों को समर्पित भाव से काम करते चले आ रहे हैं श्री रावत द्वारा पूर्व में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला संयोजक जिलाध्यक्ष भाजपा जिले के मंत्री व वर्तमान में क्षेत्रीय अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं साथ ही 2021 में कोरोना काल में जिला संयोजक के रूप में रहते हुए पूरे जिले में दवाइयां व राशन बांटने का काम कोरोना डिजिटल बुक प्रभारी के रूप में काम किया अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय सम्मेलन के सहसंयोजक अनुसूचित मोर्चा सम्मेलन सोराव प्रयागराज के सहसयोजक के रूप में मंडल प्रवासी मंडल प्रभारी के रूप में काम किए हैं। हाल में ही झारखंड प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2024 में विधानसभा डाल्टनगंज के प्रवासी बनाया गया था।

औषधि निरीक्षक ने किया दवा दुकानों का निरीक्षण

अंबेडकर नगर। औषधि निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह द्वारा *उजाला मेडिकल स्टोर, उजाला हॉस्पिटल हंसवर, एवं भारत मेडिकल एण्ड सर्जिकल कठोखर बाजार हंसवर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान औषधियों के रख रखाव एवं औषधियों के क्रय विक्रय अभिलेखों की भी जांच की गई, जांच के दौरान क्रय विक्रय अभिलेखो में कुछ कमियां पाई गईं जिसे सुधार करने के उपरांत कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त प्रतिष्ठानों पर विक्रय अभिलेख नियमित जारी नहीं किए जा रहे थे जिन्हे नियमित जारी करने का निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को नारकोटिक युक्त औषधियों को बिना डॉक्टर प्रेस्क्रिप्शन के न दिए जाने का भी निर्देश दिया गया। उजाला मेडिकल स्टोर तथा भारत मेडिकल एण्ड सर्जिकल से 03, 03 संदिग्ध प्रतीत हो रहे औषधियों कुल 06 औषधियों का नमूना संकलित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बांग्लादेश में संतों व अल्पसंख्यको पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिन्दुओ ने भरी हुंकार

संवाददाता। गाजीपुर

बांग्लादेश में हो रहे नरसंहार, माताओ-बहनों के साथ हो रहे दुराचार और हिन्दुओं की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाये जाने एवं चिन्मय कृष्णदास प्रभु के अवैध गिरफतारी के विरोध में आज हिन्दुओं ने महा जन आक्रोश मार्च हिन्दू समाज के द्वारा बांग्लादेश सहित पूरे विश्व में हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश की सरकार से हर सम्भव कदम उठाने की मांग करती है। वर्तमान में बंग्लादेश राजनैतिक षडयन्त्र व अराजकता की दौर से गुजर रहा है. जिसमें वहाँ रहने वाले निर्दोष अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर धर्मान्धता के कारण अमानवीय अत्याचार किये जा रहे है। हिन्दुओं की सम्पत्तियों को लूटा जा रहा है।

हिन्दू, महिलाओं पर घिनौने अत्याचार किये जा रहे है, उनकी आबरू लूट कर हत्या की जा रही है तथा जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है। हिन्दुओ के घरो, मंदिरो व दुकानों को आग के हवाले किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर रैली निकालने और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में 25 नवम्बर 2024 को इस्कान के चिन्मय कृष्णदास प्रभु को ढाका के हजरत शाहजलाल अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अवैधानिक रूप से गिरफतार किया है। वहाँ के शासन-प्रशासन द्वारा हिन्दुओं की कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की जा रही है। वहाँ की कानून व्यवस्था बिल्कुल निष्प्रभावी व शून्य हो गयी है।

ऐसे में हिन्दू वहाँ एक लावारिस कौम की तरह अपने जीवन की भीख मुस्लिम जेहादियों से मांग रहे है। बांग्लादेश में इस समय हिन्दुओं एवं अन्य अल्पसंख्यको की स्थिति बेजान लाश की तरह हो गयी है और उनकी सुरक्षा के लिए विश्व की कोई सरकार किसी भी प्रकार का कोई कदम नहीं उठा रही है। ऐसी परिस्थिति में भारत का हिन्दू समाज मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। अपने हिन्दू भाई-बहनों की सुरक्षा के लिए हम सभी हर सम्भव प्रयास करेगें।

म्यांमार में सैनिक शासन

ढीली पड़ती पकड़

म्यांमार में सैनिक शासन की पकड़ लगातार ढीली हो रही है जिससे भविष्य में विखंडन का खतरा पैदा हो गया है। सालों तक दमनकारी शासन, मानवाधिकार उल्लंघनों तथा जनता के खिलाफ अत्याचारों के बाद म्यांमार के सैनिक शासक अब रक्षात्मक स्थिति में आ गए हैं। सशस्त्र विद्रोहियों को लगातार सफलतायें मिलने के बाद अब सत्ता पर उनकी पकड़ लगातार ढीली पड़ती जा रही है। साल भर की आक्रामकता के बाद सैनिक शासक-विरोधी बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3 के 480 किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है जो मांडले को चीन से जोड़ता है। यह महत्वपूर्ण मार्ग उत्तरी म्यांमार के दुर्गम क्षेत्र से गुजरता है। इस विजय से सेना को टैक्स संग्रह करना कठिन हो गया है और इससे उसका केन्द्रीय मैदानों में मजबूत गढ़ों पर वर्चस्व घटा है। इससे गृह युद्ध के चौथे वर्ष में प्रवेश के साथ विद्रोहियों का साहस बढ़ा है। म्यांमार वर्तमान समय में विघटन की कगार पर है क्योंकि 2021 में सत्ता पर कब्जा करने वाले सैनिक शासक को लगातार पूरे देश में सशस्त्र विद्रोही समूहों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल नस्ली सशस्त्र संगठनों तथा स्थानीय मिलिशियाओं ने अपने आक्रमण तेज कर प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जे कर लिए जिससे म्यांमार के विभाजित नियंत्रण क्षेत्रों में बंटने का खतरा पैदा हो गया है। सैनिक शासक को सबसे बड़ी चुनौती अराकान आर्मी-एए तथा म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस आर्मी-एमएनडीएए व तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी-टीएनएलए के गठबंधन से मिली है। मुख्यत: चीन की सीमा से सटे शान राज्य में सक्रिय इन समूहों ने रणनीतिक व समन्वित हमले शुरू कर महत्वपूर्ण क्षेत्र पर सैनिक शासक का नियंत्रण समाप्त कर दिया है।

राखीन व चिन राज्यों में अराकान सेना के हमलों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय लाभ प्राप्त किए हैं तथा विशाल भूक्षेत्र व महत्वपूर्ण कस्बों को अपने नियंत्रण में लिया है। इस प्रगति से सैनिक शासक स्वयं को इस क्षेत्र में अधिकारी की तरह नहीं पेश कर सकते हैं जो प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जे तथा रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है। म्यांमार में चीन के बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं और उसने सैनिक शासक तथा विद्रोही समूहों के बीच अपना प्रभाव डालने के प्रयास किए हैं। विद्रोहियों द्वारा राखीन प्रांत तथा शान राज्य के बड़े हिस्सों पर लगभग पूर्ण नियंत्रण प्राप्त करने के बाद एक एकीकृत संरचना के रूप में पूरे देश पर नियंत्रण करने की सैनिक शासक की क्षमता तेजी से गायब हो रही है। इस विखंडन से वास्तव में म्यांमार विभिन्न समूहों द्वारा नियंत्रित स्वायत्त क्षेत्रों में विभाजित हो सकता है। यह युद्ध आम जनता के लिए आसान नहीं है और उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। खासकर रोहिंग्या-बहुसंख्य क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों में पूरे समुदाय विस्थापित हुए हैं क्योंकि लोगों को विभिन्न मोर्चों पर हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। मूलभूत सेवायें बहुत बुरी स्थिति में हैं तथा मानवाधिकार संकट लगातार गहरा रहा है। लंबे समय से जारी युद्ध के कारण म्यांमार की अर्थव्यवस्था बरबाद हो गई है, विदेशी निवेश नहीं आ रहा है तथा प्रमुख क्षेत्र ध्वस्त हो रहे हैं। चीन तथा अन्य देशों द्वारा समर्थित ढांचागत परियोजनायें संकट का सामना कर रही हैं जिससे आर्थिक अस्थिरता और बढ़ रही है। म्यांमार में अस्थिरता के दक्षिणपूर्व एशिया पर व खासकर थाईलैंड व भारत पर व्यापक प्रभाव पड़ेंगे। सीमापार से हिंसा, शरणार्थियों की बाढ़ तथा नशीले पदार्थों के व्यापार जैसी संभावित अवैध गतिविधियों के कारण क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। आने वाले दिन यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे कि म्यांमार अपनी एकजुटता बनाए रखता है या वह विखंडन और लगातार टकराव का शिकार बन जाता है।

नेहरू का विरोधियों पर हमला

जवाहर लाल नेहरू ने भारत के संविधान को स्वरूप देने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा डा. बी.आर. अंबेडकर पर निशाना लगाया क्योंकि वे राष्ट्र के प्रति उनके दृष्टिकोण से सहमत नहीं थे।

अनिर्बान गांगुली
(लेखक, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं)

वर्ष 1951-52 में देश के पहले आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू होने के समय नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने दो नेताओं पर आक्रामक ढंग से निशाना लगाया। जनसंघ और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर निशाना लगाते हुए नेहरू सीधे गालीगलौज की भाषा पर उतर आए और उन्होंने 'जनसंघ को कुचल देने' का आह्वान किया। लेकिन डा. अंबेडकर तथा उनके नेतृत्व वाली 'शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन' के लिए थोड़ा अलग दृष्टिकोण अपनाया।

बाबा साहेब अंबेडकर को चुनाव में पराजित करने के लिए नेहरू ने अपने विश्वसनीय कम्युनिस्ट मित्रों को लगाया। वास्तव में अपने राजनीतिक व बौद्धिक विरोधियों से निपटने के मामले में नेहरू बहुत छुद्र मनोवृत्ति वाले व्यक्ति थे। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि कुछ ही दिन पहले तक संविधान सभा में ये उनके मित्र थे और उन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए संवैधानिक आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान किया था। नेहरू अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पराजित करवाना चाहते थे। उनको इन नेताओं के संसदीय कौशल तथा भारत के लिए नई राजनीति निर्धारित करने में इनके भाषण कौशल और पैरोकारी की क्षमता से चिढ़ पैदा होती थी।

नेहरू ऐसी नई संसद चाहते थे जहां कम्युनिस्टों को छोड़ कर उनके कोई विरोधी न हों क्योंकि वास्तव में हर हाल में कम्युनिस्ट उनके वैचारिक साथी थे। नेहरू ने इसी कारण कन्नूर में कम्युनिस्ट नेता ए.के. गोपालन के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। उनकी दोस्ती खासकर सरदार पटेल के निधन के बाद और गहरी हुई थी। लेकिन नेहरू की व्यापक आक्रामक रणनीति के बावजूद डा. मुखर्जी ने कोलकाता दक्षिण सीट पर विजय प्राप्त की और उनके नेतृत्व में जनसंघ एक राष्ट्रीय पार्टी बनने में सफल रही। इस चुनाव में बाबा साहेब अंबेडकर बंबई उत्तर की सीट से हार गए क्योंकि नेहरू की मिलीभगत से कम्युनिस्टों ने उन पर निशाना लगाया था। नेहरू ने अंबेडकर को हराने का यह काम कम्युनिस्टों को खासतौर से दिया था।

जवाहरलाल नेहरू ऐसी नई संसद चाहते थे जहां कम्युनिस्टों को छोड़ कर उनके कोई विरोधी न हों क्योंकि वास्तव में हर हाल में कम्युनिस्ट उनके वैचारिक साथी थे। नेहरू ने इसी कारण कन्नूर में कम्युनिस्ट नेता ए.के. गोपालन के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था।

नेहरू को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि डा. अंबेडकर का स्वास्थ्य खराब हो रहा था जिसके कारण उनको आवागमन में कठिनाई होती थी। उनको इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता था कि डा. अंबेडकर ने स्वयं को संविधान को स्वरूप देने में अपने को पूरी तरह थका डाला था और इस कारण उनको नैतिक रूप से समर्थन मिलना चाहिए था।

डा. अंबेडकर के सर्वाधिक आधिकारिक व विश्वसनीय जीवनीकार धनंजय कीर के अनुसार, अंबेडकर अपनी पराजय का कारण एस.ए. डांगे के हथकंडों को मानते थे। प्रचार अभियान के दौरान डांगे ने दुष्टतापूर्ण नारा देते हुए कहा था कि 'अपने वोटों को बरबाद कर डालो, पर उनको अंबेडकर को न दो।' डा. अंबेडकर के दृष्टिकोण से 'कम्युनिज्म जंगल की आग की तरह था जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज और सभी चीजों को जला कर राख कर देता है।'

लेकिन नेहरू को 'जंगल की इस आग' से प्रेम था। डा. अंबेडकर के जीवन के बारे में अपनी स्मृतियों के डा. सविता अंबेडकर ने याद किया है कि पहले चुनाव के दौरान नेहरू 'उनके निर्वाचन क्षेत्र पर गहरी नजर रखते थे'। वे जानते थे कि मुंबई कांग्रेस के प्रमुख एस.के. पाटिल तथा कम्युनिस्ट पार्टी के एस.ए. डांगे को कैसे एकजुट रखा जाए। सविता अंबेडकर ने लिखा, 'नेहरू, एस.के. पाटिल और डांगे ने तय किया कि वे सब कुछ करेंगे, अवसर के अनुकूल कोई भी रणनीति अपनाएंगे, पर वे हर हालत में डा. अंबेडकर को चुनाव में जीतने नहीं देंगे।' सविता अंबेडकर ने आगे लिखा कि 'कांग्रेस-कम्युनिस्ट षडयंत्र के कारण संविधान निर्माता डाक्टर साहेब को चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ा।' इस प्रकार कांग्रेस के हथकंडों के कारण भारतीय संविधान निर्माता को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

डा. अंबेडकर को जानबूझ कर पराजित करने की इस रणनीति ने उनको अत्यधिक निराश कर दिया क्योंकि वे संसद में वापस लौटना चाहते थे। उनको लगता था कि संसद उनका स्वाभाविक कार्यक्षेत्र है और वे आने वाले वर्षों में देशवासियों को अपना सर्वोत्तम योगदान दे सकते हैं। सविता अंबेडकर ने लिखा, 'चुनाव में इस भयानक पराजय से उनके पहले से ही खराब हो रहे स्वास्थ्य पर भयानक नकारात्मक प्रभाव पड़ा, वे निराशा और अवसाद में डूब गए तथा इसके कारण उनमें एक प्रकार की विकलांगता आ गई।'

जब बाबा साहेब ने भंडारा सीट से उपचुनाव के माध्यम से लोकसभा में प्रवेश का प्रयास किया तो नेहरू और कांग्रेस ने उनके लिए दूसरी चुनावी पराजय सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में बाबा साहेब ने युवा आरएसएस प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी को अपना चुनाव समन्वयक बनाया था। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अगले दो साल तक बाबा साहेब के निर्देशन में काम किया और उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन आंदोलन-'भारतीय मजदूर संघ' के लिए धन की व्यवस्था की। भंडारा उपचुनाव कांग्रेस के लिए अवसर था कि वह अपनी छुद्रता से बाहर निकल सके, लेकिन नेहरू बाबा साहेब के अंध-विरोध के रास्ते पर डटे रहे। डा. सविता अंबेडकर ने बहुत दु:ख के साथ लिखा कि 'कांग्रेस को उचित सम्मान के साथ संविधान निर्माता को संसद में आमंत्रित करने के लिए बड़ा दिल दिखाना चाहिए था। यदि किसी और चीज के लिए नहीं तो देश के कल्याण के लिए नेहरू को बाबा साहेब को लोकसभा में निर्वाचित होने में सहायता करनी चाहिए थी। लेकिन इसके एकदम उलट कांग्रेस ने डांगे जैसे व्यक्ति से हाथ मिलाया और बाबा साहेब को हराने के लिए हर हथकंडा अपनाया।

इससे सिद्ध होता है कि कांग्रेस को देश के कल्याण के बजाय अपनी पार्टी की ज्यादा चिन्ता है।' धनंजय कीर ने लिखा कि भंडारा चुनाव में डा. अंबेडकर पर नेहरू और कांग्रेस लगातार हमले कर रहे थे। अंबेडकर चुनाव इसलिए लड़ रहे थे क्योंकि उन्होंने कहा था, 'जनता को विपक्ष की ओर से एक और दृष्टिकोण दिया जा सके। यदि वे कांग्रेस से समझौता कर लेते तो संसद पहुंचना उनके लिए कठिन नहीं था।'

लेकिन बाबा साहेब ने कांग्रेस से समझौता न करने का निर्णय किया और इस कारण अपने जीवन के अंतिम वर्षों में राजनीतिक अपमान और उत्पीड़न का सामना किया। विडंबना है कि आज नेहरू के वारिस पूरी बेशर्मी से संविधान की प्रतियां लहराते हैं। उनके इस कृत्य की घोर निन्दा की जानी चाहिए। उनकी कार्रवाई को अप्रासांगिक तथा पराजित राजनीतिक पार्टी का निराशाजनक ढोंग कहा जाना चाहिए।

आत्मा की शाश्वत है यात्रा

जीवन और मृत्यु नवीनीकरण के एक शाश्वत चक्र में गुंथे हुए हैं, जो आत्मा को विकास के अवसर प्रदान करते हैं।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

बहुत कम मनुष्य जानते हैं कि मृत्यु कब आएगी, कैसे होगी और यह कहाँ ले जाएगी क्योंकि मृत्यु अपरिहार्य है और इसका कोई कैलेंडर नहीं है। जीवन सभी के लिए न्यायपूर्ण नहीं हो सकता है, लेकिन मृत्यु सभी के साथ समान रूप से पेश आती है, चाहे वह अमीर हो या गरीब, शक्तिशाली हो या नम्र, देवता हो या राक्षस, संत हो या पापी। मृत्यु के कई रंग हैं। देशभक्ति या सामाजिक कारण जैसे किसी महान उद्देश्य के लिए मरना मृतकों को गौरव प्रदान करता है। ऐसी मौतें आत्मा के लिए बहुत सहानुभूति और सद्भावना जीतती हैं।

फिर कुछ लोग बिना किसी बीमारी या दर्द के चुपचाप मर जाते हैं। ऐसी मौतें भाग्यशाली आत्माओं की होती हैं जो अच्छे कर्म करते हैं। दुर्घटना, हत्या, आत्महत्या, फांसी आदि जैसी हिंसक मौतें भी होती हैं। ऐसी मौतों से पहले दुख और कड़वाहट होती है और उसके बाद आत्मा को और अधिक पीड़ा होती है। तो! क्या कोई सुखद मृत्यु होती है या क्या मृत्यु एक पुरस्कृत अनुभव हो सकती है? अच्छा!

इसे समझने के लिए, हमें पहले जीवन को समझना होगा। इसके लिए हमें खुद से कुछ सवाल पूछने की जरूरत है कि जब इंसान जिंदा होता है तो क्या होता है। जब मौत होती है तो क्या खत्म हो जाता है? एक तरफ हम कहते हैं कि एक व्यक्ति मर गया और दूसरी तरफ हम शरीर को नश्वर अवशेष के रूप में देखते हैं। तो नश्वर क्या है? व्यक्ति या शरीर? संक्षेप में, जीवन एक ऐसी घटना है जो तब सामने आती है जब आत्मा किसी शरीर में प्रवेश करती है और मृत्यु बस एक ऐसी स्थिति है जब आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। इसलिए जो व्यक्ति मर जाता है वह आत्मा है जो शरीर में रहती थी। तो, आत्मा क्या है? आत्मा एक संवेदनशील ऊर्जा है जो खुद को तीन स्तरों, मन, बुद्धि और संस्कारों में प्रकट करती है। एक आम कहावत है कि जब आप मर जाते हैं तो दुनिया आपके लिए मर जाती है। इसलिए, मृत्यु के साथ जो खत्म होता है वह आत्मा का उस सीमित दुनिया से संबंध या लगाव है जिससे वह शरीर में रहते हुए जुड़ी हुई है, जैसे रिश्ते, संपत्ति,

भूमिकाएं, आदि। हालांकि, आत्मा की एक अद्भुत विशेषता यह है कि यह कर्म ऋण और संस्कारों को अगले जीवन में ले जाती है। हम सभी जानते हैं कि एक दिन सभी को मरना है, फिर भी हम अपनी मृत्यु के बारे में कभी नहीं सोचते। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि आत्मा के रूप में हम सदियों से जन्म-जन्मांतर तक अलग-अलग शरीरों में रहते आए हैं। शरीर के प्रति हमारा लगाव इतना मजबूत है कि बुढ़ापे में भी लोग बड़ी और बेहतर संपत्ति खरीदते हैं और भविष्य के लिए निवेश करना जारी रखते हैं ताकि वे आराम से रह सकें। मृत्यु हर चीज का अंत नहीं है, लेकिन यह मानव दुनिया में आत्मा की यात्रा में एक बड़ा मोड़ है।

मृत्यु का मतलब नयापन भी है। यह आत्मा को ताजगी और जीवन के लिए नए उत्साह से भर देती है और आत्मा के लिए खुद को समृद्ध करने और अलग-अलग भूमिकाओं, शरीरों और स्थानों में अलग-अलग आत्माओं के साथ नए अनुभवों के साथ विकसित होने के दायरे को व्यापक बनाती है। यह नवीनीकरण ही अनंत काल की अवधारणा को सार्थक बनाता है। यदि मृत्यु न होती तो जीवन और विश्व नाटक का चक्र अनंत काल तक नहीं चल सकता था। आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध आत्मा के लिए, मृत्यु का अर्थ सांसारिक बंधनों से अंतिम मुक्ति है; यह अस्तित्व के उच्चतर क्षेत्र में आरोहण है जहाँ आत्मा पूर्ण स्वतंत्रता और आनंद का अनुभव कर सकती है क्योंकि एक प्रबुद्ध आत्मा स्वर्ण युग में पुनर्जन्म लेती है जहाँ उसे असामयिक या दर्दनाक मृत्यु नहीं झेलनी पड़ती। तो, मृत्यु के भय से कैसे उबरा जाए? इसके लिए, हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमारे भय का मूल कारण जो हमें पाप और पीड़ा की ओर ले जाता है, वह शरीर की चेतना और आसक्ति है। इसलिए यह जागरूकता कि हम शाश्वत आत्मा हैं, मृत्यु के भय पर विजय पाने की कुंजी है।

अमरता हमारे शाश्वत होने और शरीर पर महारत हासिल करने की जागरूकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हमेशा एक ही शरीर में रहेंगे, नहीं। आध्यात्मिक रूप से सशक्त आत्मा शरीर में रहते हुए आत्म चेतना का अभ्यास करके अमर हो जाती है।

दूसरी ओर, पापी आत्माओं के लिए जीवन ही एक जीवित मृत्यु है क्योंकि वे हर दिन भय, पश्चाताप और पीड़ा से मरते हैं लेकिन जो लोग जीवित मरते हैं यानी जो सांसारिक मामलों से कोई लगाव नहीं रखते हुए दुनिया में रहते हैं, वे वास्तव में जीवन में भी मुक्त होते हैं।

आप की बात

बांग्लादेश में हिन्दू संकट में

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। शेख हसीना की भारत समर्थक सरकार के अपदस्थ होने के बाद तो यह होना ही था। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत सरकार का अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रति रिकार्ड बेदाग है। इसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान में हिंदू व अन्य गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की संख्या में भारी कमी आई है, वहीं भारत में मुस्लिम तथा अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की संख्या बढ़ी है और वे जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं। बांग्लादेश को अपनी बहुलतावादी विरासत का संरक्षण करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके सभी नागरिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले, भले ही उनका विश्वास चाहे जो हो। केवल ऐसा कर ही बांग्लादेश अपना स्थायित्व सुनिश्चित करने के साथ ही निरंतर अंतरराष्ट्रीय सम्मान का भागीदार बन सकता है। यूनूस सरकार वस्तुत: आर्थिक कुप्रबंधन तथा राजनीतिक अस्थिरता से ध्यान हटाने के लिए अल्पसंख्यकों पर निशाना लगा रही है। हालांकि, नई दिल्ली ने अक्सर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में चिन्ता प्रकट की है, पर उसे तनाव बढ़ने से बचने के लिए सावधानी से आगे बढ़कर कदम उठाने होंगे।

– **सुनीत रस्तोगी**, मेरठ

जम्मू-कश्मीर के हालात

कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों की लहर ने, नई राज्य सरकार के गठन के बाद, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर चिंताओं को फिर से जगा दिया है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और क्षेत्र को स्थिर करने के केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद, जम्मू और कश्मीर अस्थिर बना हुआ है। दूसरे, जम्मू के विशाल वन क्षेत्र आतंकवादियों के लिए एक आश्रय स्थल बन गए हैं, जो गुरिल्ला युद्ध के लिए प्राकृतिक कवर प्रदान करते हैं और सुरक्षा बलों को बाधित करते हैं। तीसरे, कश्मीर में बेहतर कानून और व्यवस्था ने उग्रवादियों का ध्यान जम्मू की ओर स्थानांतरित कर दिया है, जहाँ कमजोरियों का फायदा उठाया जा रहा है। चौथा, जबकि आतंकवादी गतिविधियां अस्थायी रूप से कम हो गई थीं, उग्रवाद का फिर से उभरना गहरी जड़ें जमाए हुए खतरों की निरंतरता को रेखांकित करता है। आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में रोमांटिक बनाने वाली कहानियों को खारिज करना और इन नेटवर्क को खत्म करने के लिए स्थानीय समुदायों और कानून प्रवर्तन के बीच सहयोग को बढ़ावा देना ज़रूरी है। भारत सरकार को हर हाल में आतंकवदी हमलों को रोकने के लिए अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा तथा जम्मू-कश्मीर की नई सरकार को केंद्र के साथ सहयोग स्थापित करके चलना होगा।

– **नीरजा शर्मा**, गाजियाबाद

दिल्ली की जहरीली हवा

पंजाब और हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की वार्षिक कृषि प्रथा दिल्ली की धुंध में योगदान करती है। वायु गुणवत्ता संकट में इसका कायम रहना एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। सर्दियों के दौरान, दिल्ली का ठंडा तापमान और तेज हवाओं की कमी प्रदूषकों को जमीन के करीब फंसा देती है इस आवर्ती समस्या से निपटने के प्रयास में, वायु गुणवत्ता में 'बहुत खराब' श्रेणी में गिरावट के बाद, 21 अक्टूबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया गया। इस योजना में निर्माण और औद्योगिक संचालन जैसी प्रदूषण में योगदान देने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। हालांकि, ग्राप-2 के क्रियान्वयन के बावजूद, वायु गुणवत्ता सूचकांक चिंताजनक रूप से उच्च बना हुआ है, जो शहर की लगातार वायु गुणवत्ता समस्याओं को दूर करने के लिए सख्त प्रवर्तन और संभवत: अधिक मजबूत समाधानों की आवश्यकता को दर्शाता है। दीवाली के बाद दिल्ली का प्रदूषण संकट वायु गुणवत्ता प्रबंधन की जटिल और बहुआयामी प्रकृति की याद दिलाता है। ग्राप और जन जागरूकता अभियानों जैसी पहलों के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयासों को सीमित सफलता मिली है।

– **संदीप गर्ग,** नई दिल्ली

बढ़ती आबादी की चुनौती

बढ़ती आबादी के कारण महानगरों का शहरी बुनियादी ढांचा भारी दबाव में है। शहरी बुनियादी ढांचे के तत्काल पुनर्गठन, रेट्रोफिटिंग और नवीनीकरण के लिए मजबूत शहरी शासन आवश्यक है। राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों से लेकर वित्तीय और बुनियादी ढांचे के मुद्दों और इससे भी महत्वपूर्ण, सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों तक, महानगरीय प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान संस्थागत संरचना को सार्वजनिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना और विकास एजेंसियों जैसे अधिकारियों द्वारा फिर से तैयार किया जाना चाहिए। पारास्टेटल प्रशासनिक निकायों और सार्वजनिक झुंझलाहट के बीच संघर्ष अक्सर इन एजेंसियों के प्रसार और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के धुंधले होने के कारण बन जाते हैं। उत्तर प्रदेश के शहरीकरण के बावजूद, राज्य में निश्चित रूप से बड़ी शहरी आबादी है। इस महानगरीय आबादी को अनियंत्रित और अव्यवस्थित विकास पैटर्न में प्रबंधित करने की चुनौती है।

– **विनय कुमार,** कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

मीडिया कर्मियों पर आरोप के विरोध में लामबंद हुए जिले के पत्रकार

संवाददाता। रायबरेली

मीडिया पर आरोप लगाने से नाराज पत्रकारों ने एक निजी होटल में गोष्ठी की। जिले के सभी पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि इस तरह के आरोप बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। वरिष्ठ पत्रकार गौरव अवस्थी ने कहा यह कलम को दबाने का प्रयास है जो संभव नहीं है जो भी तथ्य हैं वह सामने रखे जाए यदि पत्रकार गलत है तो उस पर मुकदमा हो लेकिन यदि व्यवसाई गलत हो तो उस पर उसी धारा में मामला दर्ज हो।

पत्रकार ओम प्रकाश मिश्र ने कहा इस तरह मीडिया की आवाज को कोई दबा नहीं सकता सभी साथी इसका एक स्वर में विरोध करेंगे। पत्रकार अनुज अवस्थी ने कहा पत्रकारों पर इस तरह आरोप लगाने से पहले उससे जुडे तथ्य और सबूत अपने पास रख लें नहीं तो आगे की करवाई के लिए तैयार रहें।कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर शहर के मिल एरिया थाना निवासी एक मेडिकल व्यवसायी का वीडियो वायरल हुआ था वह व्यवसाई पांच सौ की करेंसी नोटों के कई बंडल एक कार्टून में रखते हुए दिख रहे थे। इतनी अधिक धनराशि का वीडियो वायरल की खबर मीडिया में चली और अखबारों में प्रकाशित हुई।

खबरों के चलने के बाद सदर पुलिस उपाधीक्षक अमित सिंह ने मामले की जाँच की बात भी कही। इधर खबर चलने से नाराज दवा व्यवसायी ने मीडिया की आवाज को दबाने के लिए एक वरिष्ठ पत्रकार रोहित मिश्रा सहित मीडिया के खिलाफ अनर्गल व तथ्यहीन आरोप सार्वजनिक रुप से लगाए इस पर नाराज पत्रकारों ने एक निजी होटल में गोष्ठी की और इसका विरोध जताया।

व्यवसायी द्वारा किये गए इस कृत्य से जिले के सभी पत्रकार लामबंद हो गए हैं। सभी का कहना है कि या तो व्यवसाई आरोप सिद्ध करे नहीं तो सार्वजनिक रुप से माफी मांगे इस तरह के आरोप बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

6 दिसंबर को श्रावस्ती महोत्सव 2024 का होगा भव्य आरम्भ

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी श्रावस्ती विकास एवं संरक्षण समिति के तत्वावधान में 06 से 09 दिसंबर तक श्रावस्ती महोत्सव का आयोजन तहसील इकौना स्थित ग्राम चक्रभंडार मैदान में हो रहा है। जिलाधिकारी बताया कि इस महोत्सव के आयोजन से यहां के स्थानीय उभरते कलाकारो को उनका मंच मिलेगा और उनके हुनर में निखार आयेगा मेरी कामना भी यह है कि यह महोत्सव निरन्तर आगे बढ़ता रहे तथा कुछ ही वर्षो में इस महोत्सव की पहचान पूरे भारतवर्ष में हो। उन्होने सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि श्रावस्ती महोत्सव में आयें और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठायें।

उन्होंने बताया कि श्रावस्ती महोत्सव के अन्तर्गत प्रख्यात कलाकारों में 06 दिसम्बर को शाम 06 बजे गायिका अनुराधा पौडवाल द्वारा भजन संध्या कार्यक्रम व रात्रि 08 बजे राधा श्रीवास्तव द्वारा गीतों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। दिनांक 07 दिसम्बर को शाम 06 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रि 08 बजे से गायक विनोद राठौर का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। 08 दिसम्बर को शाम 04 बजे से अभिनेत्री पारूल चौहान द्वारा प्रस्तुतीकरण रात्रि 06 बजे से पद्मश्री सम्मानित कवि सुनील जोगी द्वारा प्रस्तुतीकरण व रात्रि 08 बजे पद्मश्री सम्मानित गायिका मालिनी अवस्थी जी द्वारा प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। 9 दिसम्बर को शाम 06 बजे बृज की होली कार्यक्रम एवं मेगा बालीवुड नाईट में रात्रि 08 बजे से भोजपुरी/बॉलीवुड गायक पवन सिंह द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुम्बई के कलाकारों द्वारा हनुमंत परफार्मिंग आर्ट का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर एनटीपीसी ऊंचाहार द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता। ऊंचाहार

व्यक्ति की इच्छाशक्ति प्रबल हो और मन में कुछ भी कर गुजरने का जज्बा हो तो शरीर का कोई अंग यदि पूर्णतया विकसित नहीं होता तब भी अपने लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है और ये कर दिखाया एनटीपीसी ऊंचाहार में आयोजित श्री आर वनश् ग्रुप के कलाकारों ने, जिन्हें देखकर उपस्थितजन ना केवल मंत्रमुग्ध हुए बल्कि प्रस्तुतियों को देखकर रोमांचित हो उठे। शारीरिक रूप से अक्षम होते हुए भी भारतीय दर्शन बोध एवं सांस्कृतिक एकता को रेखांकित करते हुए दिव्यांग संस्था के इन कलाकारों ने अपने कौशल का परिचय दिया वो अद्भुत, अविस्मरणीय, अकल्पनीय तो था ही, उससे ज्यादा प्रशंसनीय था।

इन प्रस्तुतियों में दिव्यांग कलाकारों द्वारा व्हील चेयर डांस प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों में बॉलीवुड, सूफी, कथक-भरत नाट्यम आदि डांस फॉर्म्स के माध्यम से भारतीय सेना, गीता उपदेश व महिषासुरमर्दिनी आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

एनटीपीसी ऊंचाहार में दिव्यांग दिवस के उपलक्ष में नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत आसपास के दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, हियरिंग ऐड व स्मार्ट स्टिक सहित अन्य आवश्यक उपकरणों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मोखरा गांव के अनुज कुमार नामक लाभार्थी ने परियोजना प्रमुख श्री मनदीप सिंह छाबडा से श्रवण यंत्र प्राप्त कर कहा कि मैंने आज पहली बार कोई शब्द सुना है जो कि एनटीपीसी है।

मैं आज स्वयं को पूर्ण रूप से सशक्त महसूस करते हुए एनटीपीसी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में एनटीपीसी ऊंचाहार के दिव्यांग कर्मचारियों के सम्मान में श्मेरी क्षमताएं ही हैं मेरी पहचानश् एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांग कर्मचारियों की समस्याओं को सुना तथा उनके समाधान के लिए आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान श्री छाबडा ने कहा कि आज उन असाधारण व्यक्तियों को सम्मान देने का दिन है, जिन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और पराक्रम से समाज में अपनी पहचान बनाई है।

विवादों के घेरे में कुंदरखी चीनी मिल के फिटर गजेंद्र की मौत

गोंडा। बजाज चीनी मिल कुंदरखी में फिटर के पद पर कार्यरत रहे गजेंद्र सिंह द्वारा नींद की दवाओं के ओवर डोज ले लेने के चलते हुई उसकी मौत के मामले में अब नए तथ्य सामने आ रहे हैं। जिसमें उसके करीबियों द्वारा बताया गया है कि मृतक का लखनऊ स्थित एक अस्पताल से इलाज चल रहा था। जिसकी दवाई लेने हेतु कई बार मृतक गजेंद्र स्वयं तथा कई बार मृतक की पत्नी लखनऊ जाती थीं। जिसकी पुष्टि कई न्यूज चैनलों/पोर्टलों पर चीनी मिल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए मृतक की पत्नी रूबी सिंह द्वारा भी कहा गया था। उनके अनुसार विगत कई माह से उनके पति बीमार चल रहे थे और लखनऊ के अस्पताल से इलाज चल रहा था। जानकारों की मानें तो जिन दावों के ओवर डोज से गजेंद्र की मौत हुई, उनमें नींद की दवाईयां भी शामिल हैं। अब सवाल उठता है कि इतनी भारी मात्रा में नींद की गोलियां उसे किसने उपलब्ध कराई। वहीं मिल में कार्यरत कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पिछले कुछ समय से वह डिप्रेशन में चल रहे थे। आए दिन मृतक का अपने अन्य सहयोगियों से वाद-विवाद हो जाया करता था। इसी क्रम में उनका विवाद अपने सहयोगी इंजीनियर राजू सिंह एवं मानव संसाधन विभाग के सहायक प्रबंधक कमलेश कुमार से भी हुआ था, जिसमें मृतक द्वारा दोनों व्यक्तियों को फोन करके जान से मार देने की धमकी देते हुए खुद आत्महत्या कर लेने की बातें कही गई थी। इसका ऑडियो भी वायरल हो रहा है। मामले में इकाई प्रमुख पीएम सिंह ने बताया कि मृतक गजेंद्र का व्यवहार अपने सहयोगियों के साथ ठीक नहीं रहता था, आए दिन कारखाने में वह अपने सहयोगियों के साथ लड़ाई-झगड़ा करता था एवं बाद में वह सभी से माफी मांग लेता था। उन्होंने बताया कि विवाद की शुरुआत 27 नवंबर को हुई, जिसमें वह चीनी मिल गेट पर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा था। मौके पर मौजूद गार्ड्स ने उसे बचा लिया।

दिव्यांग बच्चों को स्वेटर सहित उपयोगी सामान का किया गया वितरण

संवाददाता। संतकबीरनगर

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जूनियर हाई स्कूल खलीलाबाद पर आयोजित किया गया कार्यक्रम में नौ विकास क्षेत्र से 145 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसका पुरस्कार वितरण जिला सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे परम्परागत रूप से रंगोली प्रतियोगिता का निर्णय किया गया। जिसमें आराध्या और संयोगिता की जोड़ी को प्रथम स्थान शौर्य पटेल और सचिन की जोड़ी को द्वितीय स्थान निधि एवं सचिन की जोड़ी को तृतीय स्थान मुख्य अतिथि एवं खंड शिक्षा अधिकारी मेहदावल तथा खंड शिक्षा अधिकारी खलीलाबाद द्वारा प्रदान किया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 20 विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान विजेता को क्रमश: पुरस्कृत किया गया। साथ ही 145 प्रतिभाग करने वाले समस्त बच्चों को स्वेटर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समग्र शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत एवं सक्षम के पदाधिकारी द्वारा भी प्रतिभा किया गया तथा बच्चों को बिस्किट वितरण भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन भाषण में सेवरल पॉलिसी से ग्रस्त बालिका पलक द्वारा प्रस्तुत जीत के प्रशंसा करते हुए अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि सभी बच्चों में कुछ ना कुछ विशिष्ट कलाएं हैं। इन कलाओं को उभरने के लिए आज जो मंच समग्र शिक्षा अभियान की तरफसे बच्चों को प्रदान किया गया है। उसे मंच का लाभ उठाएं तथा जो भी बच्चों में अतिरिक्त प्रतिभा है। उसको सामने लाव और समाज में अरुणिमा सिन्हा एवं अन्य दिव्यांग जन जनों ने पैरा ओलंपिक जैसे खेलों में स्वर्ण पदक एवं अन्य स्थान प्राप्त किया है सिर्फ बच्चों को प्रेरित करते हुए बच्चों को उच्चतम स्तर तक खेल कूद में ले जाने का प्रयास करें। उद्बोधन में बीइओ मेहदावल ज्ञानचंद मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से समाज के साथ-साथ बच्चों में भी एक समरसता का भाव उत्पन्न होता है

स्काउट-गाइड रैली में मिला राजकीय विद्यालय की छात्राओं को प्रथम स्थान

संतकबीरनगर। 23 वीं जनपद स्तरीय स्काउट/ गाइड रैली में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज खलीलाबाद की जूनियर और सीनियर गाइड टीम ए ग्रेड प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहीं। इन छात्राओं को पुन: विद्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डा0 सबीहा मुमताज़, वरिष्ठ प्रवक्ता डा0 नीतू यादव, श्रीमती सोनिया, श्रीमती माला तिवारी, श्रीमती उषा वर्मा, श्रीमती सिम्मी साहू, श्रीमती कहकशाँ बानो, श्रीमती बीनू सिंह, श्रीमती उमरावती, श्रीमती पूजा मिश्रा, श्रीमती एकता राय, श्रीमती ज़ेबा, श्रीमती देविका त्रिपाठी, श्रीमती रचना मिश्रा, कविता सिंह सहित शिक्षिकाएं एवं छात्रायें आदि उपस्थित रही।

क्विक न्यूज

दूल्हा और परिजनों को कन्या पक्ष ने बनाया बंधक

अमेठी। जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया जहाँ शादी के एक दिन पहले दूल्हा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया।परिजनों के काफी तलाश के बाद भी जब युवक नही मिला तो संबंधित थाने में गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने युवक को ढूंढ कर उसके घर वालों को वापस कर दिया जिसके बाद युवक बारात लेकर पहुच गया।जहाँ कन्या पक्ष ने शादी से इंकार करते हुए दूल्हे और उसके परिजनों को बंधक बनाकर अपने खर्च हुए पैसे की मांग कर रहे है। फिलहाल देर रात से दोनो पक्षों में विवाद चल रहा है। दरअसल ये पूरा मामला बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूरे खुदाबन्द रस्तामऊ गांव का है जहाँ की रहने वाली एक युवती की शादी पड़ोसी जिले अयोध्या उसरहा मीरमऊ गांव के रहने वाले सोहनलाल यादव से तय हुई थी। दो दिसंबर को बारात आनी थी जिसे लेकर कन्या पक्ष ने पूरी तैयारी कर रखी थी।एक दिसंबर को दूल्हा सोहनलाल लापता हो गया। बताया जा रहा है कि युवक को पुलिस ने उसकी प्रेमिका के घर से बरामद किया।देर रात सोहनलाल बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुचा लेकिन कन्या पक्ष को पूरे मामले की जानकारी हो गई जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।बारात आने के बाद कन्या पक्ष ने दूल्हे और उसके परिजनो को बंधक बना लिया है। देर रात से सुलह समझौते का प्रयास चल रहा है लेकिन कन्या पक्ष अपने खर्च हुए पैसे की मांग कर रहा है।

सीएमओ ने बाल स्वास्थ्य पोषण माह का किया शुभारम्भ

संतकबीरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खलीलाबाद पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाये जाने वाली दवा की खुराक का शुभारम्भ किया। उन्होने अपने हाथों से कई बच्चों को दवा पिलाकर शुरूआत किया। यह कार्यक्रम जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर शुरू है। उन्होंने कहा कि दवा पिलाये जाने में बच्चों के अभिभावक लापरवाही न बरतें। स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुँचकर बच्चे के स्वास्थ्य हित में दवा पिलवायें। उन्होंने इसकी मानीटरिंग के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया है। इस अवसर पर ज़िला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 विनय सोनी, नोडल अर्बन आर आई डॉ0 शैलेन्द्र सिंह, अधीक्षक खलीलाबाद डॉ0 वरुणेश दुबे, यूनिसेफ, यूएनडीपी डब्लूएचओ व प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देकर बीमारियों से बचाएं: गौरीशंकर

संवाददाता। उरई, जालौन

विटामिन-ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन 4 दिसम्बर 2024 से 01 माह तक आयोजित किया जाना है। इसीक्रम में बुधवार को प्रात: 10.30 बजे जिला महिला चिकित्सालय उरई परिसर में स्थापित टीकाकरण सत्र पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने माँ सरस्वती का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर 9 माह से 05 वर्ष के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर कार्यकम का शुभारम्भ किया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने अपने संबोधन में 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाने के लाभ के संबंध में उपस्थित बच्चों की माताओं को रतौधी एवं अन्य बीमारियों से बचाव, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के संबंध में तथा सरकार द्वारा चिकित्सा विभाग में चलायी जा रही जन कल्याकारी योजनाओं कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया और जनपद वासियों से अपील की अपने 09 माह से 05 वर्ष के बच्चों को निकटतम टीकाकरण सत्र स्थल पर ले जाकर विटामिन-ए की खुराक अवश्य पिलवायें।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. देवेन्द्र भिटौरिया ने अपने सम्बोधन में जनपद में 198842 लक्षित बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाये जाने, तथा वजन कराये जाने, के संबंध में, अपने बच्चों का समय से सम्पूर्ण टीकाकरण कराये जाने के लाभ, टीकाकरण एवं बिटामिन-ए की खुराक से गम्भीर संक्रमण से वचाव के सम्बन्ध में उपस्थित माताओं को बताया तथा प्रत्येक 6 माह के अन्तराल पर आयोजित होने वाले विटामिन-ए सम्पूरण कार्यकम की खुराक के सम्बन्ध में बताया कि इससे बच्चों की रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है तथा विटामिन-ए पीने से बच्चों में रतौधीं नामक रोग नहीं होता है। 09 माह से 12 माह के बच्चों को 1 एमएल तथा 01 से 05 वर्ष के बच्चो को 2 एमएल बिटामिन-ए खुराक पिलानी है।

पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने पब्लिक एड्रेस सिस्टम जिला जेल को दिया

रायबरेली। पूर्व विधायक एवं समाजसेवी सुरेंद्र सिंह के द्वारा जिला कारागार रायबरेली के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम दिया गया जिसका उद्देश्य बंदियों में डिप्रेशन कम करना है तथा सकारात्मक सोच को बढाना जिससे कि बंदियों में गलत प्रवृत्ति में परिवर्तन आए वह नेक रास्ते पर चलें। जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह के द्वारा दिया गया पब्लिक एड्रेस सिस्टम बंदियों के लिए सुधार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसी के साथ जिला कारागार में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इसका उपयोग किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने यह कहा कि वह राम जन्मभूमि आंदोलन के वक्त उन्हें भी जेल भेजा गया था ऐसे में वह जेल के हालात को समझते हैं इसलिए उन्होंने बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य में अचूक परिवर्तन के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम जिला कारागार रायबरेली को समर्पित किया।

मदिरा की दुकान में ओवररेटिंग बिक्री का मामला पकड़ा

संवाददाता। कालपी, जालौन

आबकारी निरीक्षक मुकेश प्रताप सिंह की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा कालपी नगर तथा जोल्हूपुर मोड़ में स्थित देशी, अंग्रेजी बियर तथा मदिरा की दुकानों में छापा मारकर चैकिंग अभियान चलाया गया। टीम के द्वारा एक मदिरा की दुकान में ओवररेटिंग में मदिरा बेचने का मामला पकड़ा गया। टीम के द्वारा ओवररेटिंग में शराब बेंचने के मामले में दुकानदार को नोटिस जारी किया गया है।

डीएम राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर बीती शाम को उप जिलाधिकारी के साथ आबकारी अधिकारी मुकेश प्रताप सिंह की संयुक्त टीम में शामिल आबकारी विभाग के कर्मचारियों ने कालपी नगर के मोहल्ला बाईपास, सब्जी मंडी, टरनंनगंज टॉकीज रोड, खोवा मंडी के अलावा जोल्हूपुर मोड़ आदि स्थानों में स्थित देसी तथा अंग्रेजी ,वियर आदि शराब की दुकानों में चेकिंग अभियान चलाया। दुकानों में शराब के स्टॉक का निरीक्षण तथा गणना करके रजिस्टर तथा अभिलेखों से मिलान किया। इस दौरान बोतलों तथा पैकेटों की सील की चेकिंग तथा टेस्ट किया गया। संयुक्त टीम में शामिल एसडीएम ने दुकानों तथा परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए। वहीं आबकारी अधिकारी मुकेश प्रताप सिंह ने लाइसेंस धारकों को हिदायत दी कि दुकानों में रेट लिस्ट का साइन बोर्ड में मोबाइल नम्बरो को जरूर अंकित करें। उन्होंने बताया कि लाइसेंस की शर्तो तथा विभागीय नियमों के तहत शराब की बिक्री करें। दुकानों में शराब की गोपनीय तरीके से खरीददारी तथा टेस्ट परचेसिंग भी कराई गई। तथा एक मामला ओवररेटिंग का पकड़ा गया उन्होंने चेतावनी दी कि ओवर रेटिंग में बिक्री करने गड़बड़ी करने पर कठोर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि ओवररेटिंग बिक्री करने वाले दुकानदार को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। विभागीय अधिकारियों की चेकिंग अभियान से कई कारोबारियों में खलबली मच गयी। आबकारी निरीक्षक मुकेश प्रताप सिंह ने अवगत कराया कि टीम द्वारा तहसील अंतर्गत देशी मदिरा, विदेशी मदिरा एवं बीयर दुकानों का गहनता से निरीक्षण किया गया। प्रकार की कोई अनियमित न पाई जाए। उन्होंने बताया कि चेकिंग अभियान निरंतर चलाया जाएगा।

कोर्ट के आदेश पर सैकड़ों लीटर शराब नष्ट

रामपुरा, जालौन। न्यायालय के आदेश पर रामपुरा थाने के मालखाने में बहुत समय से दाखिल शराब को क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ की उपस्थिति में निस्तारित किया गया है। ज्ञात हो कि रामपुरा थाने में गत 4 वर्षों से अब तक अवैध शराब बिक्रय किए जाने के 72 मामले पंजीकृत किए गए हैं जिसमें पुलिस द्वारा पकड़ी गई सैकडों लीटर देसी व कच्ची शराब से रामपुरा थाने का मालखाना शराब की गोदाम जैसा दिखाई दे रहा था। न्यायालय के आदेश पर आज बुधवार को क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ रामसिंह की उपस्थिति व थानाध्यक्ष संजीव कुमार कटियार, सतपाल सिंह वरिष्ठ उप निरीक्षक एवं अनेक उप निरीक्षकों की देखरेख में वर्ष 2020 से वर्ष 2024 तक 72 मामलों में पकड़ी गई अवैध शराब के व्यापार के सिलसिले में पकड़ी गई देशी व कच्ची शराब को गड्ढे में डलवाकर नष्ट किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी ने बताया कि थाना रामपुरा में वर्ष 2020 से 2024 तक 72 मामलों पकड़ी गई अवैध शराब जो मालखाने में दाखिल थी न्यायालय के आदेश पर नष्ट की गई है।

सुविधाओं के अभाव में बुंदेलखंड में दम तोड़ रही युवाओं की खेल प्रतिभा

संवाददाता। उरई, जालौन

बुंदेलखंड के किसी भी जनपद में राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम देश की आजादी के नहीं बनाया गया जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र के युवाओं में छिपी खेल प्रतिभा दम तोड़ती नजर आ रही है।

यदि केंद्र सरकार बुंदेलखंड में वह सुविधायें मुहैया कराये तो निश्चित रूप से इस क्षेत्र के युवा देश में नहीं बल्कि विदेशों में बुलंदियों का झंडा फहराने में पीछे नहीं रहेंगे। उक्त बात कठपुरवा गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ करने पहुंचे बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष शिवम चौहान ने कही।

कठपुरवा गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष शिवम चौहान उर्फ सोनू ने कहा कि बुंदेलखंड में एक भी अंतर राष्ट्रीय स्टेडियम नहीं है जिस वजह से क्रिकेट के प्रेमी और उत्साही युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका ही नहीं मिलता है। जनपद स्तर पर बहुत प्रतिभावान खिलाड़ी है जिनका चयन अंतर राष्ट्रीय स्तर पर आईपीएल जैसे टूनामेंट में होना चाहिए पर विकास से अछूते इस बुंदेलखंड में एक भी स्टेडियम नहीं है।

इस मौके पर उन्होंने युवाओं की खेल भावना को जमकर सराहा और फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुये युवाओं में जोश का संचार करते हुये कहा कि जो सुविधायें वह अपने स्तर से जुटा पा रहे है उसी को अंगीकार कर मेहनत करें क्योंकि मेहनत का फल हर व्यक्ति को मिलता है।

इस दौरान उत्साही और जोशीले माहौल में युवाओं ने बुंदेली सेना का जिलाध्यक्ष आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रेम मिश्रा, सुधीर सिंह, रनवीर सिंह, दीपक सिंह हनु, लक्ष्मण सिंह गौर, भूरे यादव ने अपनी उपस्थिति से समारोह को और भी विशेष बनाया।

भाकियू ने की गिरफ्तार किसानों को तत्काल रिहा करने की मांग

जालौन, उरई। भारतीय किसान यूनियन टिकैट गुट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन कोतवाली प्रभारी को सौंपा है। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर गौतमबुद्ध नगर की घटना का विरोध करते हुए गिरफ्तार किसानों को अविलंब रिहा करने समेत अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैट गुट) के तहसील अध्यक्ष देव सिंह पटेल के नेतृत्व में किसान चेतन कुमार, शिवराम सिंह, राजकुमार, सुजान सिंह, आशुतोष आदि ने दिल्ली जा रहे किसानों को गौतमबुद्ध नगर में गिरफ्तार करने को लेकर विरोध जताया है।

किसानों ने नारेबाजी करते हुए गिरफ्तार किसानों को अविलंब रिहा किए जाने की मांग की है। किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र कुमार को सौंपकर मुख्यमंत्री से आश्वासन के बाद भी लंबित मांगों को पूरा न करने, पूरे प्रदेश में जमीनों के बाजार मूल्य के हिसाब से सर्किल मूल्य बढ़ाने, मुआवजे के संपूर्ण भुगतान के बिना जमीन का अधिग्रहण न किए जाने, प्रदेश में बिजली निजीकरण न किए जाये, किसानों के निजी नलकूपों को बिना शर्त मुफ्त बिजली व मीटर लगाए जाने एवं अन्ना पशुओं की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

भगवान का नाम जपने से एवं सत्संग करने से मिलता है लाभः पं. बृजमोहन

संवाददाता। जालौन, उरई

उरई मार्ग पर स्थित श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर में चल रहे 35 दिवसीय धार्मिक आयोजन 17वें व श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित ब्रजमोहन दीक्षित ने अपने मुखारबिंद से राम कथा का सुंदर वर्णन करते हुए कहा कि भगवान का नाम जपने से एवं सत्संग करने से जो लाभ मिलता है, उसके आनंद की कहीं तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की भूमि में मनुष्य का जन्म लेने वाले बड़े सौभाग्यशाली है।

श्रीराम कथा के तीसरे दिन मथुरा से पंडित ब्रजमोहन दीक्षित ने कहा कि भगवान की कृपा से ही आपका शरीर स्वस्थ्य रह सकता है। इसलिए जीवन में भगवान का नाम जपना बहुत आवश्यक है, क्योंकि मनुष्य का जन्म लेने के बाद भी अगर आप भगवान का नाम नहीं लेते हैं, तो आपका जीवन पशु से भी बदतर है। आज के जीवन में श्रीराम कथा और भागवत कथा का श्रवण अत्यंत आवश्यक है। हरि नाम का जितना स्मरण हो जाए, उतना अच्छा है। अंत समय में भी राम का नाम लिया जाता है, इसलिए जीते जी जितना अधिक हो सके राम का नाम भजना चाहिए। भगवान श्रीराम की बाललीला का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का जन्म अवध नरेश राजा दशरथ के यहां हुआ। श्रीराम के सभी अंग अत्यंत सुडौल और सुंदर थे। उनको देखते ही मन लुभा जाता था। राजा दशरथ और रानी कौशल्या के प्रेम में वशीभूत होकर श्रीराम पवित्र बाल लीला करते थे। कथा के क्रम में उन्होंने कहा कि एक बार माता कौशल्या ने श्रीराम को स्नान और श्रृंगार कराकर झूला पर सुला दिया और स्वयं स्नान कर अपने कुलदेव की पूजा कर नैवेद्य भोग लगाकर पाक गृह गई। जब वह पुन: लौटकर पूजा स्थल पर आई तो देखा कि देवता को चढ़ाए गए नैवेद्य शिशुरूपी भगवान राम भोजन कर रहे हैं। जब उन्होंने झूला पर जाकर देखा तो वहां भी उन्होंने श्रीराम को झूले पर सोते पाया। माता की अवस्था देख श्रीराम ने माता को अपना अद्भुत रूप दिखाया। भगवान का विराट रूप देखकर कौशल्या माता प्रफुल्लित हो गई और आंखें मूंदकर भगवान के चरणों पर गिर पड़ी।

डबल इंजन की सरकार स्वामी जी के हर सपने को करेगी पूरा: डिप्टी सीएम

● स्वामी ब्रम्हानंद के 130वी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम संपन्न, स्वामी जी के चरित्र को पाठ्य क्रम में शामिल करने की मांग

राठ (हमीरपुर)। राठ कस्वा सिथत स्वामी ब्रम्हानंद जी की 130 बी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सूबे के उपमुख्यमंत्री केवश प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वामी जी के सपने पूरे न हो यह असंभव है। स्वामी ब्रम्हानंद विवि के लिये यदि कुछ कर पाये तो यह उनका सौभाग्य होगा। स्वामी जी के नाम पर विवि निर्माण ही उन्हे सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। डिप्टी सीएम ने कहा सरकार ने बुंदेलखंड के विकास में कोई कसर नही छोड़ी है। पिछले पांच सालो में बुंदेलखंड में बहुत ही बदलाव आया है। गरीबी के कारण पलायन रुका हुआ है। सरकार बुंदेलखंड के विकास के लिये पूरी तरह समर्पित है. आज

कार्यक्रम में बोलते डिप्टी सीएम, डिप्टी सीएम से मिलती चेयरमैन कुराश आशारानी कबीर

बुन्देलखंड में तीन विवि है इसके पूर्व डिप्टी सीएम ने स्वामी जी की समाधि प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया। उनके साथ बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह मौजूद रहे। ब्रम्हानंद समिति के सदस्यों ने स्वामीजी के जीवन चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मागं की। डिप्टी सीएम ने पूरा सहयोग करने का वादा किया। महा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा इंद्रपाल सिंह ने स्वामी जीके जीवन पर प्रकाश डाला।

सपा हमेशा दंगाइयों, गुंडो व अपराधियों का देती है साथ: डिप्टी सीएम

हमीरपुर। राठ में आये भाजपा के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारो से बार्ता करते हुये सपा पर हमला करते हुये कहा कि संभल में सपा के सांसद व विधायक में वर्चस्व की लडाई चल रही थी, आपस की लड़ाई में चार लोगो को मार डाला, सपा हमेशा दंगाईयों व गुंडो अपराधियो माफ्यिों के साथ रहती है पहले चार लोगो को मार डालते इसके बाद दल के लोग मुआवजा बाटती है, यूपी की जनता सपा के ड्रामें को यह सब समझ गयी है। हाल के उपचुनाव में सपा का जो सूपड़ा साफ हुआ है इससे सपा बौखला गयी है,सपा के मुखिया जो पीडीए की बात करते है वह केवल पारिवारिक डेवलेपमेंट एजेंसी चलाते है। राहुल गांधी केवल वहा पर माहौल विगाड़ने की सोच रहे है पहले सपा ने ड्रामा किया।

सीडीओ की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

● कार्यदायी संस्थाऐं निर्माण कार्यों में लायें तेजी

● मानक, गुणवत्ता का पालन करते हुए समयान्तर्गत निर्माण कार्यो को करें पूर्ण:सीडीओ

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा विकास भवन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली गयी जिसमें सम्बंधित विभागाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में सीडीओ ने समीक्षा के दौरान सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देश दिए कि 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए साथ ही जो निर्माण कार्य चल रहे हैं उसमें मैन पॉवर बढ़ाकर प्रगति कराई जाए। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरत रही कार्यदायी संस्थाओं से जवाब भी मांगा जाएए जिससे निर्धारित समय में उनका कार्य पूरा हो। कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को शासन की मंशा के अनुरूप समयसीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण कराएं यदि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं तो संबंधित विभागों को हैंडओवर किया जाए। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से कहा कि जो निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उसमें जिन कार्यों में भूमि संबंधी मामले हैं उसकी तहसीलवार सूची बनाकर उप जिलाधिकारियों से निस्तारण कराया जाए। परियोजनाओं का निर्धारित समयावधि पर पूर्ण न करने तत्पश्चात पुन: कार्यदायी संस्थाओं द्वारा स्वयं बताये गये समय पर कार्य पूर्ण न करने पर भी कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिस परियोजना में धनाभाव की कमी हो तो उसकी उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजते हुये धनराशि हेतु मांग पत्र भेज दिया जाय। वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं में टेण्डर सहित अन्य प्रकिया, पूर्ण करते हुये अविलम्ब कार्य प्रारम्भ कराया जाए। सीडीओ ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधीक्षण अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित करते हुये कहा कि वे क्षेत्र में निकलकर अपनी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करें तथा पायी कमियों को अंकित करें ताकि समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाना सम्भव हो सके। परियोजना निदेशक वीरेन्द्र सिंह, सीएमओ डा. एके सिंह, उप निदेशक कृषि, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, एडीएसटीओ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीडीओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेन्द्र शहजादपुर में फीता काटकर शुभारम्भ किया

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में सीएमओ ने बताया कि कानपुर देहात में 04.12.2024 से 03.01.2025 तक विटामिन.ए सम्पूरण कार्यक्रम मनाया जा रहा है। 04.12.2024 को लक्ष्मी एन.ए सीडीओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेन्द्र.शहजादपुर में फीता काटकर विटामिन ए कार्यकम का शुभारम्भ किया तथा उपकेन्द्र शहजादपुर में 134 बच्चों को विटामिन.ए की खुराक पिलायी गई। सीएमओ डा. ए.के. सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. आशीष बाजपेयी, सामु. स्वा. केन्द्र अकबरपुर के चिकित्सा अधीक्षक डा. आई.एच. खान, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राजीव कुंभार, प्रतिरक्षण अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, यूनीसेफ सना परवीन, वैक्सीन इंचार्ज अवधेश कुमार, नियमित टीकाकरण कार्यकम के सुशील कुशवाहा आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जानलेवा हमले मामले में न्यायालय ने अभियुक्त की जमानत की निरस्त

कानपुर देहात। अभियुक्त जमानत पर छूटने पर साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। मामले में कट्टे से फायर करना भी कहा गया है।अपराध की गम्भीरता को देखते हुए जमानत का आधार पर्याप्त नहीं है।इस उल्लेख के साथ जिला जज जय प्रकाश तिवारी की न्यायालय ने शिवली थाने के ग्राम ज्योति निवासी वादी अमरजीत सिंह पर जानलेवा हमले के ज्योति गांव थाना शिवली निवासी जगवीर सिंह का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त करने का आदेश पारित किया है।वादी पक्ष से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि वादी मुकदमा अमरजीत सिंह ने थाना शिवली में मुकदमा पंजीकृत कराते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट में लिखा है कि वह अपने बटाईदार के साथ खेतों की पराली साफ कर रहे थे तभी ग्राम ज्योति थाना शिवली निवासी जगवीर सिंह, शिबू सिंह, बबलू सिंह उर्फ दिनेश सिंह व अरविन्द सिंह ने पराली न साफ करने को लेकर जानलेवा हमला कियाएशिबू ने कट्टे से जान से मारने की नियत से अमरजीत सिंह के ऊपर फायर किया जगवीर सिंह ने शर पर वार कर घायल किया अन्य ने लाठियों से मारा बटाईदार उसके लड़के व भतीजे के बचाने आने पर उन पर भी घातक हमला कियाए जान से मारने की धमकी दी व गाली गलौज की। अधिवक्ता जितेन्द्र चौहान ने बताया कि घायलों का प्राथमिक इलाज सीएचसी शिवली में हुआ जहां अमरजीत की हालत खराब होने के कारण उसे जिला अस्पताल रिफर किया गया जहां आज भी उसका इलाज चल रहा है।आरोपी का थाने से आपराधिक इतिहास न्यायालय में पेश किया गया जिसमें आरोपी जगवीर के खिलाफ 23 मामलों की हिस्ट्रीशीट होने की रिपोर्ट प्रेषित की गई है।वादी की तरफ से भी जनसूचना से प्राप्त आरोपी की 21 मुकदमों की हिस्ट्रीशीट पेश की गई।

सीएमओ ने विटामिन-ए संपूर्ण अभियान का किया शुभारंभ

● लगभग तीन लाख बच्चों को दी जाएगी विशेष खुराक

फतेहपुर। विटामिन-ए सम्पूर्ण अभियान का शुभारम्भ आज डा0 राजीव नयन गिरि, सीएमओ, फतेहपुर द्वारा फीता काट कर अरबन प्रा. स्वा. केन्द्र विनोवा नगर से किया गया। उद्घाटन में डा. सुरेश कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आरसीएच, नोडल अधिकारी एनसीडी, प्रभारी चिकित्साधिकारी विनोवा नगर, अपर सहायक शोध अधिकारी, प्रतिरक्षण अनुभाग के समस्त अधिकारी/ कर्मचारी, प्रतिनिधि यूनीसेफ डब्लूएचओ, यूएनडीपी एवं पत्रकारगण आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन में सीएमओ, फतेहपुर द्वारा बताया गया कि 09 माह माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की खुरॉक दिये जाने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है और वे स्वस्थ्य व पोषित रहते हैं। प्रदेश में निम्नवत् विटामिन ए की 09 खुरॉके दिये जाने का प्रावधान है।

लक्षित समूह-09 से 12 माह,विटामिन-ए मात्रा-01 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट,कब दें-नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान एम0आर0 के प्रथम टीके के साथ,विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-आधा चम्मच (एक एम एल)। लक्षित समूह-16 से 24 माह, विटामिन-ए मात्रा-2 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट, कब दें-नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान एम0आर0 के दूसरे टीके के साथ, विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-आधा चम्मच (दो एम एल)। लक्षित समूह-2 से 5 माह, विटामिन-ए मात्रा-2 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट,कब दें-छ:-छ: माह के अन्तराल पर विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम के दौरान, विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-पूरा चम्मच (दो एम एल)।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 सुरेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक सत्र पर कम से कम 3 विटामिन-ए की बोतलों की उपलब्धता होनी चाहिए। प्रत्येक बोतल को खोलने के समय उस पर खोलने की तिथि अवश्य अंकित की जाय। एक बोतल समाप्त होने के बाद ही दूसरी बोतल खोली जायेगी। बोतल खोलने के पूर्व बोतल पर अंकित एक्सपायरी तिथि का संज्ञान अवश्य लिया जाय। विटामिन-ए की बोतल के साथ उपलब्ध चम्मच से ही एएनएम द्वारा निर्धारित मात्रा का माप करते हुये डिस्पोजबल चम्मच द्वारा खुरॉक पिलाई जायेगी। बच्चे को विटामिन-ए की खुरॉक पिलाने के पश्चात एएनएम द्वारा एमसीपी कार्ड में एवं ई-कवच पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित की जायेगी। आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा ड्यू लिस्ट के अनुसार अपेक्षित आयु वर्ग के बच्चों को बुलाया जाय साथ ही प्रयास किया जाये कि किसी भी एक समय में भीड़ इकट्ठा न हो। लाभार्थियों को मोबिलाइज करने में आशा एवं आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों इस बात पर अवश्य जोर दें कि प्रत्येक लाभार्थी के साथ एक से अधिक देखभालकर्ता न हों। डा0 सुरेश द्वारा बताया गया कि अभियान के दौरान 09 माह से 12 माह तक के बच्चों का लक्ष्य 34802, 01 वर्ष से 02 वर्ष तक के बच्चों का लक्ष्य 65909 एवं 2 वर्ष से 05 वर्ष तक के बच्चों का लक्ष्य 204889 प्राप्त हुआ है।

एएनएम व उसके पति ने आशा कार्यकत्री को जमीन पर पटक कर मारा, पुलिस जांच में जुटी, वीडियो वायरल

राठ। पथनौड़ी गांव में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र में एएनएम और उसके पति ने आशा कार्यकत्री को जमीन में पटककर जमकर पिटाई कर दी। एएनएम और उसके पति के द्वारा आशा कार्यकत्री के साथ की जा रही मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। पीड़ित आशा कार्यकत्री ने पुलिस से लिखित शिकायत की है। कोतवाली के पथनौड़ी गांव निवासी रामदेवी पत्नी वृंदावन ने बताया कि गांव में स्थित प्राथमिक उपकेंद्र में आशा कार्यकत्रियों के पद पर तैनात है। बताया कि उसके काम करने से संबंधित जरूरी कागजात भेजने और वेतन संबंधित भुगतान के लिए पथनौड़ी प्राथमिक उपकेंद्र में तैनात एएनएम मालती देवी ऑफिस से एक हजार रुपये का कमीशन मांगती है। कमीशन न देने पर उसे आशा कार्यकत्री के पद से हटवाकर किसी अन्य महिला को आशा कार्यकत्रियों के रूप में रखने की धमकियां देती है।

क्विक न्यूज

तेजाब पिलाने से युवक की उपचार के दौरान मृत्यु, परिवारीजनों ने काटा हंगामा, विधायक की रोकी गाडी

राठ। एक मजदूर युवक की झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर तीन माह पहले उसके पति को तेजाब पिलाने का आरोप लगाया है। मृतक के स्वजनों ने कोतवाली गेट पर शव रखकर क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी की गाड़ी को रोककर जमकर हंगामा काटा। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्वजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। कोतवाली के टोला गांव निवासी महेश पुत्र देशराज पाल ने बताया कि तीन माह पहले गांव के सीताराम उसके छोटे भाई 32 वर्षीय भीम को शराब की जगह तेजाब पिला दिया था। तेजाब पीने के बाद उसके भाई की हालत बिगड़ गई थी। जिसे सीएचसी ले गए थे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया था। उरई से झांसी और ग्वालियर सहित अन्य तमाम जगहों पर इलाज चलता रहा। बताया कि बुधवार सुबह उसके भाई की झांसी में मौत हो गई। पुलिस में शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बुधवार की शाम मृतक के स्वजन शव लेकर कोतवाली पहुंच गए। जहां स्वजनों ने कोतवाली के गेट पर शव रखकर हंगामा काटना शुरू कर दिया। वहीं उसी दौरान डिप्टी सीएम केशव मौर्य के जाने के बाद कार्यक्रम से वापस लौट रही विधायक मनीषा अनुरागी की कार को भी आक्रोशित स्वजनों ने रोकते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। इसके बाद सूचना पर पहुंचे क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार पांडेय ने किसी तरीके से मृतक के स्वजनों को समझा बूझाकर जाम को खुलवाया। मृतक के स्वजन कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। कोतवाल राम आसरे सरोज ने बताया कि तीन पहले आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। जिसमें आरोपित को जेल भेज दिया गया था। बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक की संदिग्ध परिस्थतियों में मौत

मौदहा, हमीरपुर। कस्बे के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।कस्बे के वार्ड नंबर पांच निवासी बुद्धिराज (32) शादी समारोह हमीरपुर शामिल होने गया था लेकिन जैसे ही वापस घर लौटा अचानक तेज बुखार आ जाने पर पड़ोसी राम जी ने कस्बे के सरकारी अस्पताल इलाज हेतु लेकर गए जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया मौत की खबर सुनते ही परिजन रोने लगे। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया परिजनों की मांग के आधार पर शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है रिपोर्ट आने पर आवश्यक कारवाही की जाएगी।

संदिग्ध हालत में गर्भवती महिला की मौत

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरोत्तमपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में तीन माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। वहीं मृतका के भाई ने पति व सास पर मारने-पीटने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार नरोत्तमपुर गांव निवासी पद्युम्न नारायण की 23 वर्षीय पत्नी शीलू की मंगलवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतक के भाई विजय पाल सिंह निवासी बरैचा थाना खखरेरू ने बताया कि उसने अपनी बहन की शादी 03 वर्ष पूर्व की थी। शादी के बाद से ही सास व पति आए दिन उसे दहेज के लिए मारते-पीटते थे। उसने बताया कि कुछ दिन पूर्व जीजा ने 50 हजार रूपए मांगे थे। कुछ दिन बाद देने के लिए कहा था लेकिन जीजा को सबर न हुआ और मंगलवार की शाम उसकी गर्भवती बहन को मारापीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

छप्पर में आग लगने से वृद्ध की जलकर मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करसवां में मंगलवार की देर रात घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहे 70 वर्षीय वृद्ध की अचानक आग लग जाने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार करसवां गांव निवासी स्व0 फगुना का पुत्र जगतपाल अपने घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहा था। तभी अचानक छप्पर में आग लग जाने से चपेट में आ गया जब तक गांव वाले कुछ समझ पाते तब तक उसकी जलकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

राठ। कोतवाली के कुर्रा गांव निवासी भूपेंद्र पुत्र गंगाराम कुशवाहा ने बताया कि मंगलवार की तड़के चार बजे उसका 16 वर्षीय पुत्र दीपक उर्फदीपू रोज की तरह गांव के लड़को के साथ सड़क पर दौड़ने गया था। तभी सुबह पांच बजे टूंका की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने उसके पुत्र को टक्कर मार दी थी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बताया कि टक्कर मारने के बाद बाइक चालक फरार हो गया था। मृतक के पिता ने बाइक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से मरी महिला के मामले में अज्ञात चालक खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद में बाइक में पीछे से ट्रैक्टर द्वारा टक्कर मार दिए जाने से महिला की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर के अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। 27 नवंबर को रजनी देवी पत्नी पवन कुमार निवासी सिकंदरपुर गांव के ही सत्यम चंदेल के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर आ रही थी तभी सिकंदरपुर और हरकम पुर के बीच में पीछे से जॉन डियर ट्रैक्टर संख्या अप 76 आप 80 16 ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक दूर जा गिरी रजनी देवी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। भाई पवन चंदेल के कच्चे में गिरने से हल्की फुल्की चोटें आई। रजनी देवी को गंभीर घायल अवस्था में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान हालत गंभीर होने पर बाहर ले जाया गया, बाहर ले जाते समय रास्ते में ही रजनी देवी की मौत हो गई। ए रजनी देवी के पति पवन ने पुलिस को तहरीर दी।

चेयरमैन ने पीडब्ल्यूडी आफिस-परशुराम चौराहा मार्ग का किया शिलान्यास

फतेहपुर। नगर पालिका परिषद ने शहर को गड्ढा मुक्त किए जाने का अभियान युद्ध स्तर पर छेड़ रखा है। जहां गलियों का काम कराया जा रहा है वहीं मुख्य मार्गों को भी दुरूस्त कराने का काम चल रहा है। बुधवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने पीडब्ल्यूडी आफिस से परशुराम चौराहा तक रोड का शिलान्यास किया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एडवोकेट अपने साथी सभासदों के साथ मौके पर पहुंचे और नारियल फोड़कर मार्ग निर्माण का शिलान्यास किया। नगर पालिका परिषद के जेई अमर सिंह ने बताया कि इस रोड की लंबाई 405 मी लगभग है। जिसकी लागत 8 लाख 71 हजार रुपए बताई गई है। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर की सभी रोडो को बनाया जा रहा है। कोई भी रोड छूटने नहीं पाएगी। जिस भी रोड में गड्ढे हैं उन सभी रोडो को शीघ्र ही बनाया जाएगा। शहर के विकास में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सभी रोड बनाई जा रही है और बनाई जाएगी। इस अवसर पर सभासद विनय तिवारी, अरुण यादव, ऋतिक पाल, आतिश पासवान, संजय लाल, धीरेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

बिजली निजीकरण व अडानी के खिलाफकार्यवाही के लिये संयुक्त किसान मोर्चा ने थाने पर दिया धरना

रूरा, कानपुर देहात। संयुक्त किसान मोर्चा ने अडानी समूह द्वारा भारत में सौर ऊर्जा निगम और विभिन्न राज्य बिजली वितरण निगमों से आकर्षक बजली आपूर्ति अनुबन्ध हासिल करने के लिये रिश्वतखोरी के मामले में भारत सरकार द्वारा कार्यवाही न किये व स्मार्ट मीटर के नाम पर निजीकरण किये जाने का विरोध करते हुये थाना परिसर में धरना दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अदालत में कार्यवाही दो वर्ष पहले ही शुरू हो गयी थी, परन्तु भारत सरकार संस्थाओं ने सहयोग नहीं दिया। उन्होंने आगे बताया कि अगर भविष्य में भी एनडीए सरकार अडाणी समूह की सौर परियोजनाओं का बचाने के लिये अडियल रूख अपनाती है तो संयुक्त संसदीय समिति, जेपीसी जॉच की मॉग के सर्मथन में बडे पैमाने पर विरोध प्रर्दशन किया जायेगा।

कंप्यूटर हब व लाइब्रेरी सेंटर का मौलाना ने किया उद्घाटन

फीता काटकर उदघाटन करते बिलग्रामी साहिब किबला।

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर में आधुनिक शिक्षा और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंप्यूटर हब एवं लाइब्रेरी सेंटर का मौलाना सैयद अनस हुसैन वास्ती कादरी जैदी नें फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि यह केंद्र युवाओं के ज्ञानवर्धन और डिजिटल कौशल को निखारने में अहम भूमिका निभाएगा। बुधवार को नगर के जीटीरोड स्थित अकमल मार्केट में एमआईएस कंप्यूटर हब एवं लाइब्रेरी सेंटर का उदघाटन करनें के उपरान्त बिलग्रामी साहिब किबला मौलाना सैयद अनस हुसैन वास्ती कादरी जैदी ने कहा कि तकनीकी शिक्षा और लाइब्रेरी की सुविधाएं समाज को सशक्त बनाने का जरिया बनेंगी। संस्था के डायरेक्टर इकबाल हुसैन मास्टर व चेयरमैन गुफरान इकबाल शेख ने बताया कि इस सेंटर में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, उच्च गति इंटरनेट, डिजिटल लाइब्रेरी और पढ़ाई के लिए शांत वातावरण प्रदान किया गया है। पूर्व विद्यायक जमालुददीन सिददीकी व ताहिर हुसैन सिददीकी सहित मो. नफीस, आमिर, कामरान, सलीम आबदीन आदि मौजूद रहे।

डीएम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास की बैठक की

● युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की महत्वपूर्ण पहल: डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के संबंध में बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि शिक्षित और प्रशिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लाई गई है, इसके द्वारा नए उद्योगों, परियोजनाओं और सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे न केवल बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे बल्कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वरोजगार हेतु इस योजना के माध्यम से वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत इच्छुक युवकध्युवतियों को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने हेतु रू0 05.00 लाख का चार वर्ष हेतु ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा, जनपद को 1000 का लक्ष्य प्राप्त है।

योजना अंतर्गत आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय कर सामूहिक प्रयास कर योजना के सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा विशेषकर प्रशिक्षण से संबंधित विभाग इसमें विशेष रुचि ले तथा योजना का क्रियान्वयन करवाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। योजना के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षित प्रशिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार की सुविधा उपलब्ध होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एनए उपायुक्त उद्योग मोहम्मद सऊद, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश अग्निहोत्री, डीसी एनआरएलएम गंगाराम, जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाव के लिए फसल जरूरी: डीएम

● फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर उठाएं लाभ ● पीएम फसल बीमा योजना: छोटा प्रीमियम देकर बड़ी सुरक्षा पाए किसान

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रबी 2024-25 के लिए जिले के कृषकों का पीएम फसल बीमा योजना से आच्छादन कराने के उद्देश्य से बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में पीएम फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक का संचालन डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्र, जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि फसल की सुरक्षा और आपदा में नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए जनपद खीरी के लिए फसली वर्ष. रबी 2024.25 के लिए अधिसूचित फसल ;मसूरए रेपसीड सरसोंए गेहूं द्ध का पीएम फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई अपनी फसल का बीमा कराएं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। कहा कि किसानों को क्षति से बचाने के लिए पीएम फसल बीमा का सुरक्षा कवच किसानों को प्रदान किया है। किसान रबी फसलों का बीमा 31 दिसंबर से पहले करा लेंए ताकि किसी भी दशा में फसल क्षति होने पर उन्हें मायूस न होना पड़े।

सीडीओ अभिषेक कुमार योजना का उद्देश्य बताते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से अनुसूचित क्षेत्र में कोई बोई गई अधिसूचित फसल को बीमा कवर प्रदान करनाए कृषि में उन्नति तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देना और आपदा वर्षों में कृषि आय को स्थिर रखता है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना फसल की बुवाई से लेकर कटाई के बाद तक की पूरे फसल चक्र से जुड़ी गतिविधियों के दौरान फसल के नुकसान के खिलाफ किसानों को सुरक्षा चक्र प्रदान करती है।

समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि योजना के तहत रबी.2024.25 में 468 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए 2077 किसानों ने बीमित है। डीएम ने डीडी कृषिए जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि माइक्रो प्लानिंग बनाकर गांव.गांव जागरूकता अभियान चलाए और सीएससी के जरिए किसानों का योजना में पंजीयन करवाए। एआर कॉपरेटिव को पैक्स सोसाइटी के जुड़े किसानों को जोड़ने के लिए निर्देशित किया। मॉनिटरिंग करे कि गठित टीमों द्वारा कितने आवेदन कराए जा रहे। साप्ताहिक प्रगति से उन्हें भी अवगत कराए।

इन अधिसूचित फसल में मिलेगा योजना का लाभ

जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि फसल की सुरक्षा और आपदा में नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए जनपद खीरी के लिए फसली वर्ष. रबी 2024.25 में जिले के लिए अधिसूचित फसल अधिसूचित फसल (मसूर, रेपसीड सरसों, गेहूं) का पीएम फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई अपनी फसल का बीमा कराएं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

आवेदन में इन दस्तावेज की होगी जरूरत

बीमा कराने के लिए किसान भाइयों के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता सम्बन्धी प्रपत्र, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, बटाई प्रमाण.पत्र, फसल बुआई का प्रमाणपत्र (स्व.सत्यापित) एवं मोबाइल नम्बर जरूरी दस्तावेज है। कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का 1५5 प्रतिशत जमा करना होगा। कृषकों द्वारा देय प्रीमियम राशि के अलावा अन्य कोई शुल्क बीमा के लिए देय नहीं है। किसान भाई बीमा करवाने के लिए अपनी नजदीकी बैंक शाखा, जनसेवा केन्द्र (सीएससी), भारत सरकार क्रियान्वयन अभिकरण के अधिकृत बीमा मध्यस्थ/कार्यालय, अधिकृत डाकखाना में संपर्क स्थापित कर सकता है।

डीएम द्वारा इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सकवाई के औचक निरीक्षण

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिलाधिकारी डॉ. वी0के0 सिंह द्वारा इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सकवाई वि0 खंड0 मोहम्दाबाद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में विद्यालय में पंजीकृत 74 बच्चो में से 46 बच्चें उपस्थिति पाये गये। विद्यालय में साफ सफाई का अभाव पाया गया। इस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जताई गई ।

सफाई कराने के लिये निर्देशित किया, शिक्षा का स्तर खराब पाया गया। बच्चों में सामान्य जानकारी का अभाव पाया गया। विद्यालय में 04 अध्यापक व 02 शिक्षा मित्र तैनात है, एक अध्यापक मेडिकल लीव पर व एक वी0आर0सी0पर ट्रेनिग में गया था। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थिति रजिस्टर व मिड डे मील रजिस्टर चेक किये गये

असम में होटल, रेस्तरा, सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने एवं खाने पर रोक लगेगी : हिमंत

नई दिल्ली(भाषा)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की है कि राज्य सरकार ने रेस्तरा, होटल एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने और खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने रेस्तरा, होटल एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि गोमांस सेवन पर मौजूदा कानून सख्त है, लेकिन रेस्तरां, होटल और धार्मिक या सामाजिक समारोहों में गोमांस खाने पर अभी तक कोई प्रतिबंध नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा, अब हमने असम में सार्वजनिक स्थानों पर भी गोमांस सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए कानून को और सख्त बनाने का फैसला किया है। शर्मा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई हवाई अड्डे को शहर से जोड़ने वाली सड़क को चार लेन से छह लेन तक चौड़ा करने का भी निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक में शर्मा ने दिल्ली से डिजिटल तौर पर भाग लिया। उन्होंने बताया कि सात दिसंबर को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और कुछ नए मंत्री शपथ लेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में हुई बैठकों की श्रृंखला के बारे में जानकारी देते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के दौरान उन्होंने एक लाख करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार 25,000 करोड़ रुपए की लागत से गुवाहाटी से सिलचर तक एक एक्सप्रेसवे बनाने की भी योजना बना रही है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय मौजूदा 12 घंटे से घटकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगा।

तनाव घटाने पर चीन के साथ चर्चा की जाएगी : विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (भाषा)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को भारत-चीन संबंधों पर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए अपेक्षित और महत्वपूर्ण है तथा दोनों पक्ष आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन और तनाव कम करने पर चर्चा करेंगे। राज्यसभा में जयशंकर ने चीन के साथ भारत के संबंधों में हाल के घटनाक्रमों पर एक बयान देते हुए यह भी कहा कि पूर्वी लद्दाख में चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत सैनिकों की वापसी का काम संपन्न हो गया है, जो अभी देपसांग और डेमचोक में पूरी तरह संपन्न होना है। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने लोकसभा में भी ऐसा ही बयान दिया था। भारत-चीन संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और गलवान घाटी की झड़प के बारे में विदेश मंत्री ने बयान में कहा कि 2020 के घटनाक्रम का भारत और चीन के संबंधों पर असर पड़ा जो असामान्य रहे, जब चीन की कार्रवाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई।

जयशंकर का बयान पूरा होने के बाद, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी सदस्यों ने स्पष्टीकरण पूछने की अनुमति मांगी जिसे सभापति जगदीप धनखड़ ने अस्वीकार कर दिया। इस पर आपत्ति जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया।उन्होंने कहा कि भारत इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट था कि सभी परिस्थितियों में तीन प्रमुख सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने तीनों सिद्धांतों के बारे में कहा, दोनों पक्षों को वास्तविक नियंत्रण रेखा का सख्ती से सम्मान और पालन करना चाहिए, किसी भी पक्ष को यथास्थिति बदलने का एकतरफा प्रयास नहीं करना चाहिए और अतीत में हुए समझौतों का और समझ का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमारे संबंध कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से वे स्पष्ट रूप से रिश्ते नकारात्मक रूप से प्रभावित भी हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारे संबंधों के विकास के लिए एक शर्त है। आने वाले दिनों में, हम सीमा क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन के साथ-साथ तनाव कम करने पर भी चर्चा करेंगे। जयशंकर ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सैनिकों की वापसी का कार्य पूरा होने के साथ, अब हमें उम्मीद है कि शेष मुद्दों के संबंध में चर्चा शुरू होगी जिन्हें हमने एजेंडे में रखा था। उन्होंने कहा, सैन्य वापसी के बाद अब हमें अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए, अपने द्विपक्षीय संबंधों के अन्य पहलुओं पर विचार करने का अवसर मिला है। जयशंकर का विस्तृत बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय और चीनी सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो अंतिम बिंदुओं से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है, जिससे पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चार साल से अधिक समय से चल रहा सैन्य टकराव प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है।

विदेश मंत्री ने कहा, अगली प्राथमिकता तनाव कम करने पर विचार करने की होगी, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की तैनाती और उनके साथ अन्य लोगों की तैनाती का मुद्दा भी होगा। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कुछ हिस्से को लेकर असहमति है जिसे दूर करने के लिए भारत और चीन समय-समय पर बातचीत करते हैं। रूस के कजान में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी की मुलाकात के दौरान दोनों देशों के संबंध सामान्य करने पर बातचीत हुई थी। सीमा मुद्दे के समाधान के लिए समय समय पर दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों से लेकर मंत्री स्तर तक बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा है।

महाराष्ट्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आखिरी घंटे में मतदान पर विपक्ष के दावे को खारिज किया

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम ने कहा है कि राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान अंतिम घंटे में मतदान में सात प्रतिशत की वृद्धि को मत प्रतिशत में उछाल नहीं कहा जा सकता है जैसा कि विपक्ष दावा कर रहा है, बल्कि यह एक औसत प्रक्रिया है। चोकलिंगम ने सोमवार को एक वीडियो बयान में कहा कि महाराष्ट्र एक बड़ा राज्य है, जिसमें एक लाख से अधिक मतदान केंद्र हैं। उन्होंने कहा, अगर मतदान के अंतिम घंटे में 76 लाख मतदाता मतदान के लिए आते हैं, तो प्रत्येक मतदान केन्द्र पर औसतन केवल 76 मतदाता होंगे। महाराष्ट्र और झारखंड में पिछले महीने विधानसभा चुनाव हुए थे। महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति ने 288 सीट में से 230 सीट जीती, जबकि झामुमो नीत गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में 56 सीट हासिल की। चोकलिंगम ने कहा, झारखंड के विपरीत महाराष्ट्र में मतदान मध्याह्न बाद अधिक होता है, जबकि झारखंड में अधिकांश मतदान दिन की शुरुआत में होता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की तुलना में झारखंड छोटा राज्य है।

धैर्य, पार्टी नेतृत्व के प्रति निष्ठा और रणनीतिक कौशल से हुई फडणवीस की ताजपोशी

मुंबई (भाषा)। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर महाराष्ट्र की राजनीति में अपना लोहा मनवाने वाले दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। वह इससे पहले भी दो बार इस पद पर रह चुके हैं। बीस नवंबर के विधानसभा चुनाव में भाजपा के निर्णायक प्रदर्शन के बाद 54 वर्षीय फडणवीस को बुधवार को राज्य भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसी के साथ उनके तीसरी बार राज्य की बागड़ोर संभालने की राह तैयार हो गई। फडणवीस की राजनीतिक यात्रा उल्लेखनीय रही है। इस दौरान एक गुमनाम पार्षद से लेकर नागपुर के सबसे युवा महापौर बनने का गौरव हासिल किया। इसके बाद उन्होंने भाजपा के भीतर एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। उल्लेखनीय बात यह है कि वह शिवसेना के मनोहर जोशी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे ब्राह्मण हैं। फडणवीस का राजनीतिक उत्थान 2014 के विधानसभा चुनावों से पहले शुरू हुआ, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह का समर्थन हासिल किया। मोदी ने एक चुनावी रैली में फडणवीस को नागपुर का देश को उपहार बताया था, जो उनके फडणवीस में विश्वास को दर्शाता था। हालांकि मोदी ने 2014 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धुआंधार प्रचार अभियान चलाया था, लेकिन चुनावों में पार्टी की अभूतपूर्व जीत का कुछ श्रेय तत्कालीन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष फडणवीस को भी गया था। जनसंघ और बाद में भाजपा के नेता रहे गंगाधर फडणवीस के पुत्र देवेंद्र ने युवावस्था में राजनीति में कदम रखा और 1989 में आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हुए। पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी दिवंगत गंगाधर को अपना राजनीतिक गुरु कहते हैं। देवेंद्र फडणवीस 22 वर्ष की आयु में नागपुर नगर निगम के पार्षद बने तथा 1997 में 27 वर्ष की आयु में इसके सबसे युवा महापौर बने। फडणवीस ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1999 में लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने

पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीते। पिछले महीने हुए चुनाव में उन्होंने अपनी नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट बरकरार रखी। महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में कई नेताओं के विपरीत, फडणवीस पर कभी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। महाराष्ट्र के सबसे मुखर राजनेताओं में से एक फडणवीस को कथित सिंचाई घोटाले को लेकर तत्कालीन कांग्रेस-राकांपा सरकार को मुश्किल में डालने का श्रेय भी दिया जाता है। फडणवीस को 2019 के विधानसभा चुनाव में तब झटका लगा जब अविभाज्य शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद को लेकर चुनाव पूर्व गठबंधन से हाथ खींच लिया और भाजपा नेता का मैं वापस आऊंगा उद्घोष अधूरा रह गया। फडणवीस ने 23 नवंबर, 2019 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके साथ अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद संभाला। हालांकि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने से पहले ही फडणवीस ने 26 नवंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वह महज तीन दिन मुख्यमंत्री रहे। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेतृत्व में उद्धव ठाकरे बाद में मुख्यमंत्री बने, लेकिन जून 2022 में वरिष्ठ शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे द्वारा पार्टी विभाजित करने के बाद उन्होंने (ठाकरे ने) इस्तीफा दे दिया और बाद में शिंदे मुख्यमंत्री बन गए। शिवसेना में बड़े पैमाने पर उठापटक और ठाकरे के पद छोड़ने के बाद कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का दावा था कि इस घटनाक्रम में फडणवीस का हाथ है और वह मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि भाजपा की दूसरी योजनाएं थी और अनिच्छुक फडणवीस को उपमुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए कहा गया। उपमुख्यमंत्री के रूप में पिछले ढाई वर्षों का उनका कार्यकाल खास रहा और 23 नवंबर के विधानसभा चुनाव परिणाम उनके लिए बहुप्रतीक्षित उपलब्धि की तरह आए।

पहली नजर में आप भ्रष्ट व्यक्ति हैं : न्यायालय ने बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी से कहा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर नौकरी देने के बदले नकदी लेने के मामले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी से बुधवार को कहा, पहली नजर में आप भ्रष्ट व्यक्ति हैं। आपके परिसरों से करोड़ों रुपए बरामद हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने चटर्जी की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से उनके लगातार जेल में रहने पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें अनिश्चित काल तक कारागार में नहीं रखा जा सकता। पीठ ने चटर्जी का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, पहली नजर में आप (चटर्जी) भ्रष्ट व्यक्ति हैं। आपके परिसर से करोड़ों रुपए बरामद हुए। आप समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं? भ्रष्ट व्यक्ति को इस तरह जमानत मिल सकती है? रोहतगी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को छोड़कर अन्य सभी सह-आरोपियों को मामले में जमानत दे दी गई है, जिनमें सबसे ताजा जमानत एक सप्ताह पहले दी गई है। इस पर पीठ ने कहा, हर कोई मंत्री नहीं था, श्रीमान रोहतगी। आप शीर्ष पर थे। आप दूसरों के साथ समानता की मांग नहीं कर सकते। हां, आप जांच में देरी और अभियोजन पक्ष की भूमिका पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन मामले की गुण-दोष पर नहीं। ईडी का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने दलील दी कि अगर चटर्जी को इस मामले में जमानत मिल जाती है तो भी वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे, क्योंकि उनके खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के भी मामले चल रहे हैं। रोहतगी ने राजू के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा, ऐसा लग रहा है कि उन्हें परपीड़ा से बहुत आनंद मिल रहा है। अन्य मामलों में जो कुछ भी होता है, मैं उस पर नजर रखूंगा। मुझे कहीं से तो शुरुआत करनी होगी। वह किस तरह की दलील दे रहे हैं? मैं 2.5 साल से जेल में हूं। न्यायमूर्ति कांत ने राजू से जांच एजेंसी द्वारा जांच पूरी करने के लिए आवश्यक समय के बारे में पूछा। अदालत ने कहा कि उसे अधिकारों में संतुलन बनाना है। रोहतगी ने दलील दी कि नकदी उनके मुवक्किल से नहीं बल्कि एक कंपनी के परिसर से बरामद की गई।

इसपर पीठ ने कहा कि चटर्जी का कंपनी पर वास्तविक नियंत्रण था और संपत्तियां उनके और अर्पिता मुखर्जी के संयुक्त नाम से खरीदी गई थीं। पीठ ने रोहतगी से कहा, मंत्री बनने के बाद आपने डमी लोगों को रखा। इससे पहले आपने खुद नियंत्रित किया। मामले 2022 के हैं। आप मंत्री थे, जाहिर है कि आप अपने खिलाफ जांच का आदेश नहीं देने जा रहे। न्यायिक हस्तक्षेप के कारण ही जांच शुरू हुई। आरोप है कि 28 करोड़ रुपए बरामद किए गए। निश्चित रूप से इतनी बड़ी राशि आवास में नहीं रखी गई होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे यह जांच करने की जरूरत है कि क्या उन्हें रिहा करने से जांच और लगाई जाने वाली शर्तों पर कोई प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। शीर्ष अदालत ने 27 नवंबर की सुनवाई के दौरान धन शोधन के मामलों में दोषसिद्धि की कम दर पर ईडी से सवाल किया था और आश्चर्य जताया था कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है। चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मियों की भर्ती में कथित अनियमितता के मामले में गिरफ्तार किया गया था। चटर्जी को गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें ममता बनर्जी सरकार में मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें महासचिव सहित सभी पार्टी पदों से भी हटा दिया।

शीर्ष अदालत ने भाजपा नेता के विरुद्ध दर्ज मामला सीबीआई को सौंपा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता कबीर शंकर बोस के खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकियों को बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया। ए प्राथमिकियां 2020 में उनके सुरक्षाकर्मियों और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प से संबंधित हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य केंद्र में सत्तारूढ़ दल के विरूद्ध जान पड़ता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में पक्षकार तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी की बेटी से बोस की शादी हुई थी लेकिन पति-पत्नी के बीच तलाक हो गया और फिर दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी हो गई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वर्तमान स्थिति में, याचिकाकर्ता के खिलाफ स्थानीय पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच न किए जाने या स्थानीय पुलिस द्वारा उसके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार न किए जाने की आशंका शायद निराधार नहीं है और इसे पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने कहा, इसलिए, मामले के तथ्यों को देखते हुए, विशेष रूप से, जब प्रतिवादी संख्या सात (बनर्जी) पश्चिम बंगाल राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के एक सांसद हैं और याचिकाकर्ता केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी से संबंधित है, पश्चिम बंगाल राज्य में राजनीतिक रूप से गर्म माहौल इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए बहुत अनुकूल नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा कि ऐसे में वह इसे अनिश्चितकाल के लिए लंबित रखने के बजाय सीबीआई को जांच के लिए सौंपना उपयुक्त मानती है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला सीआईएसएफ या उसके कर्मियों की भूमिका की जांच से जुड़ा है, जिसे हितों के टकराव के कारण स्थानीय पुलिस के हाथों में नहीं छोड़ा

जा सकता, इसलिए इस मामले में स्थानीय पुलिस को सीआईएसएफ कर्मियों के आचरण की जांच करने की अनुमति देना उचित नहीं है। पीठ ने बोस की एक याचिका पर यह फैसला दिया। बोस ने शीर्ष अदालत से इस मामले की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस से लेकर सीबीआई या विशेष जांच दल (एसआईटी) या किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पीठ ने कहा, इस मामले के विशिष्ट तथ्यों को देखते हुए राज्य-प्रतिवादियों को आदेश दिया जाता है कि वे जांच पूरी करने के लिए दोनों प्राथमिकियों के जांच संबंधी दस्तावेज तथा सभी रिकॉर्ड सीबीआई को सौंप दें, ताकि यदि आवश्यक हो तो मुकदमा शुरू किया जा सके और संबंधित पक्षों को न्याय मिल सके। बोस ने कथित हाथापाई के संबंध में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में जांच और आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की भी अपील की थी। अपनी याचिका में पेशे से वकील बोस ने दावा किया था कि छह दिसंबर, 2020 को पश्चिम बंगाल के सेरामपुर में रात करीब आठ बजे उनके आवास के बाहर उन पर और उनके सीआईएसएफ गार्ड पर हमला हुआ तथा नारेबाजी की गई थी। उनकी याचिका में कहा गया है, प्रोटोकॉल के तहत सीआईएसएफ (कर्मियों) ने याचिकाकर्ता को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद जो हुआ वह सीआईएसएफ की ओर से अपने सुरक्षाकर्मी की जान बचाने के लिए प्रोटोकॉल था और याचिकाकर्ता मौके पर मौजूद भी नहीं था। याचिका में आरोप लगाया गया, रात दो बजे तक पूरी इमारत को तृणमूल के 200 से अधिक गुंडों ने घेर रखा था, जिनका नेतृत्व इलाके के तत्कालीन सांसद कल्याण बनर्जी कर रहे थे और उन्हें राज्य पुलिस का भी पूरा समर्थन हासिल था।

हर रेल यात्री को मिलती है 46 प्रतिशत की सब्सिडीः रेल मंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में हर रेल यात्री को यात्रा टिकट पर 46% की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने लोकसभा में कहा कि रेल मंत्रालय यात्रियों के लिए सब्सिडी पर हर साल 56,993 करोड़ रुपए की राशि खर्च करता है। बुजुर्गों और मान्यताप्राप्त पत्रकारों को पहले मिलने वाली सब्सिडी की बहाली की संभावना के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा, भारत सरकार की ओर से यात्रियों को कुल सब्सिडी 56,993 करोड़ रुपए की दी जाती है। हर 100 रुपए की यात्रा सेवा की कीमत 54 रुपए ली जाती है। सभी श्रेणियों के यात्रियों को 46% की सब्सिडी दी जाती है। वैष्णव ने यह भी कहा कि जिस तरह से अटल सरकार में सड़कों से पूरे देश को जोड़ा गया था, उसी तरह मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे और मझोले रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

स्कूल में पीछे की बेंच पर बैठने वाले देवेंद्र डणवीस बेहद विनम्र छात्र रहेः शिक्षिका

नागपुर(भाषा)। महाराष्ट्र के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे देवेंद्र फडणवीस के स्कूल के दिनों को याद करते हुए उनकी एक शिक्षिका ने कहा कि वह (फडणवीस) एक ऐसे संवेदनशील, विनम्र और मददगार छात्र थे जिन्होंने कभी अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर घमंड नहीं किया। यहां सरस्वती विद्यालय में कक्षा आठ से 10वीं तक फडणवीस की शिक्षिका रहीं सावित्री सुब्रमण्यम ने कहा कि लंबे कद के छात्र होने की वजह से वह (फडणवीस) स्कूल में पीछे की बेंच पर बैठते थे। छह बार के विधायक और नागपुर के सबसे युवा महापौर रहे फडणवीस ने अपनी स्कूली शिक्षा इसी शहर में पूरी की थी। उनके स्वभाव को याद करते हुए सुब्रमण्यम ने कहा, फडणवीस पढ़ाई में औसत थे, लेकिन उन्होंने अच्छी तरह से पढ़ाई की। वह बहुत विनम्र, हंसमुख और संवेदनशील छात्र थे। उन्होंने बताया कि चूंकि फडणवीस लंबे छात्रों में से एक थे, इसलिए वह कक्षा में अन्य लंबे छात्रों के साथ पीछे की बेंच पर बैठते थे। शिक्षिका ने कहा कि फडणवीस बहुत संवेदनशील थे और अन्य जरूरतमंद छात्रों की मदद करते थे। सुब्रमण्यम ने कहा, उनकी कक्षा में एक पोलियोग्रस्त छात्र था, जिसे घूमने-फिरने में मदद की जरूरत थी। फडणवीस सहित पूरी कक्षा हमेशा उसकी मदद करती थी। शिक्षिका ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि फडणवीस एक अच्छे वक्ता बनेंगे, क्योंकि वह स्कूल के दिनों में कभी मंच पर नहीं आए या मंच पर प्रस्तुति नहीं दी।

पेज 1 का शेष

फडणवीस...

में निर्विरोध चुना गया है। भाजपाएलपी नेता के रूप में फडणवीस को उनके चुनाव पर बधाई देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री और पार्टी की केंद्रीय पर्यवेक्षक निर्मला सीतारमण ने कहा, 'महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों ने हमें 'विकसित भारत' के लिए जनादेश दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार पूरे जोश और ताकत के साथ महाराष्ट्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। घोषणापत्र में किए गए वादे पूरे किए जाएंगे। दोपहर बाद फडणवीस शिवसेना (ईएस) के एकनाथ शिंदे और एनसीपी (एपी) के अजित पवार के साथ राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। तीनों महायुति नेताओं ने मिलकर राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कुल 288 सीटों में से 132 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा ने नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। शिवसेना के एकनाथ शिंदे (57 विधायकों के साथ), एनसीपी-एपी के अजित पवार (41 विधायकों के साथ) और कुछ निर्दलीय विधायकों ने फडणवीस के नाम पर समर्थन पत्र दिए। दावे से संतुष्ट होकर राज्यपाल ने फडणवीस, शिंदे और अजित पवार को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

कांग्रेस...

नेता सुबह करीब 10.15 बजे दिल्ली से निकले और करीब 11 बजे सीमा पर पहुंचे। हालांकि, उनका काफिला आगे नहीं बढ़ सका। उन्हें रोके जाने के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, हम अपने देश में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के हित में पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए दृढ़ हैं, यूपी सरकार को प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति देनी चाहिए। इससे पहले, गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने कहा, हम राहुल गांधी को संभल जाने की अनुमति नहीं देंगे क्योंकि वहां प्रशासन द्वारा निषेधाज्ञा जारी की गई है। पुलिस गांधी को यूपी गेट पर रोक देगी। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यातायात को प्रबंधित करने के लिए सीमा पर बल तैनात किया गया है, जिसे डायवर्ट किया जा रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि उन्हें राजमार्ग पर सभा के बारे में इनपुट मिले थे। उन्होंने कहा, हमने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है।

50 दिन...

वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम डेटा 26 नवंबर से 29 नवंबर तक के हैं, जिसमें पिछले पांच दिनों के अपडेट गायब हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि डीएसएस अभी भी विकास के दौर से गुजर रहा है और अभी तक पूरी तरह से चालू नहीं हुआ है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, एक मूल्यांकन समिति ने सिस्टम की समीक्षा की और पाया कि इसका डेटा और सटीकता मॉडल के लिए स्थापित संदर्भ की शर्तों को पूरा नहीं करती है। इसके अतिरिक्त, यह देखा गया कि उपयोग किए जा रहे कुछ डेटा और उत्सर्जन सूची पुरानी हो चुकी थी। अधिकारी ने कहा कि आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद ष्ठस्स् डेटा प्रदान करना फिर से शुरू कर सकता है। 26 नवंबर को अंतिम अपडेट से पता चला कि पराली जलाने से दिल्ली के पीएम 2.5 सांद्रता स्तरों में 5.64 प्रतिशत का योगदान हुआ, जो 25 नवंबर को 6.99 प्रतिशत से कम था। तब से पराली जलाने पर कोई और अपडेट नहीं दिया गया है। 27 से 29 नवंबर के लिए, डीएसएस ने अनुमान लगाया कि वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन ने शहर के पीएम 2.5 स्तरों में 21 प्रतिशत से 24.6 प्रतिशत का योगदान दिया, जबकि 'अन्य स्रोतों' ने 22 प्रतिशत से 24.6 प्रतिशत के बीच योगदान दिया। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने पूर्वानुमान लगाया है कि गुरुवार से वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है, शुक्रवार और शनिवार को खराब श्रेणी में गिरावट की भविष्यवाणी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, स्वच्छ हवा के साथ, दिन का तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 2.5 डिग्री अधिक है, दिन के दौरान आर्द्रता का स्तर 66 प्रतिशत और 44 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करता रहा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को धुंध का अनुमान लगाया है, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 और 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

श्रीनगर..

जिसमें विभिन्न सोशल मीडिया अनुप्रयोगों का दुरुपयोग करके कश्मीर के युवाओं को कट्टरपंथीकरण/उकसाने/उकसावे आदि सहित विभिन्न तरीकों और साधनों से लुभाया जाता है ताकि युवा गैरकानूनी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो सकें और इन आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवादी रैंकों में शामिल हो सकें। इस मामले की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विचाराधीन आतंकवादियों/ओजीडब्ल्यू/विभिन्न प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के समर्थकों/सहानुभूतिकर्ताओं द्वारा सक्रिय आतंकवादियों से संवाद करने तथा आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सीमा पार बैठे संचालकों से प्राप्त निर्देशों को आगे बढ़ाने के लिए श्रीनगर केंद्रीय कारागार परिसर में मोबाइल फोन/उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच के दौरान यह पता चला कि संदिग्ध/कैदी सीमा पार आतंकवादी संगठनों के संचालकों/सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में थे, जिससे उन्हें निर्देश प्राप्त होते थे तथा वे कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को निर्देश देते थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उजागर करने, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने, जेलों सहित सुरक्षा क्षेत्रों में मोबाइल फोन जैसे संचार उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने तथा यूटी में आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के लिए जेल परिसर के अंदर छापे मारे गए, ताकि न केवल मोबाइल फोन का दुरुपयोग करके आतंकवाद का समर्थन करने वाले आतंकवादियों के सहयोगियों/ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की जा सके, बल्कि देश के कानून के अनुसार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

चौंक उठे...

के प्रति प्रेम उनमें समाहित है और हालांकि वह बंदर के काटने के जोखिम को लेकर थोड़ा चिंतित थे, जिसके लिए एंटी-रेबीज इंजेक्शन की आवश्यकता होती, लेकिन वह शांत रहे और बंदर की उपस्थिति को खतरे से मुक्त मानते हुए उसका स्वागत किया। थरूर ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मेरी आस्था सही साबित हुई और हमारी मुलाकात पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सौम्य रही।' पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक एक्स यूजर ने कहा, 'शायद आपको हनुमान जी का आशीर्वाद मिला है। मैंने सभी तस्वीरों को ज़ूम करके देखा कि सबसे अच्छा सांसद कौन सा अखबार पढ़ रहा था।' एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, 'प्रकृति के साथ यह कितना सुंदर मिलन था! ऐसे क्षण हमें अन्य प्राणियों के साथ हमारे गहरे, अव्यक्त संबंध की याद दिलाते हैं। उस बंदर का आप पर भरोसा आपकी दयालुता के बारे में बहुत कुछ कहता है। सचमुच, ऐसे अनुभव हमें रुकने और शब्दों से परे जीवन की सादगी और गर्मजोशी की सराहना करने के लिए प्रेरित करते हैं।'

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में जवान बलिदान

नारायणपुर(भाषा)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में पुलिस का जवान बलिदान हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर का प्रधान आरक्षक बिरेंद्र कुमार सोरी (36) शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को नारायणपुर जिले से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त दल को अबूझमाड़ क्षेत्र के सोनपुर और कोहकामेटा थाना क्षेत्र में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा दल बुधवार दोपहर बाद एक बजे जब क्षेत्र में था तब माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। माओवादियों द्वारा गोलीबारी के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्वाई की। इस दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आयुर्वेद में सघन अनुसंधान का किया आह्वान

पुरी (ओडिशा)। (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को आयुर्वेद में कई रोगों का इलाज मौजूद होने को रेखांकित करते हुए उसमें सघन अनुसंधान की जरूरत पर बल दिया। यहां गोपबंधु आयुर्वेद महाविद्यालय के 75 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि योग और प्रकृति से जुड़े रहकर व्यक्ति आजीवन रोगमुक्त रह सकता है। राष्ट्रपति ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों से अनुसंधान करने का आह्वान करते हुए कहा, अनुसंधान किसी भी प्रद्धति को वैज्ञानिक आधार देने में सक्षम है। सबूत से लोगों में विश्वास का वातावरण बनता है और इसी विश्वास से स्वीकार्यता के मार्ग में विस्तार होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ खास रोगों के उपचार के लिए आदिवासियों के बीच प्रचलित उपचार पद्धति के बारे में पता है। उन्होंने कहा कि कुछ बुजुर्ग जनजातीय लोग विभिन्न बीमारियों और उनके इलाज के लिए आवश्यक जड़ी-बूटियों के बारे में जानते हैं। ओडिशा के मयूरभंज जिले में संथाल समुदाय से संबंधित मुर्मू ने कहा, लेकिन पारंपरिक ज्ञान धीरे-धीरे गायब हो हो रहा है। मैं आशा करती हूं कि आपमें से कुछ को उस उपचार के वैज्ञानिक आधार को खंगालने में दिलचस्पी होगी। ऐसा कर इस पद्धति को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है और वह समाज के लिए लाभप्रद भी हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह विद्यार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं का ध्यान राज्य संग्रहालय में संजोकर रखी गईं ताड़पत्र पांडुलिपियों की ओर आकृष्ट करना चाहेंगी जिनमें आयुर्वेद के बारे में कई सूचनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई लोगों के घरों में भी ताड़पत्र पांडुलिपियां हैं। उन्होंने कहा, साहित्य के अलावा ताड़पत्र पांडुलिपियों में चिकित्सा पद्धतियों का विवरण है। इस दिशा में मैं आशा करती हूं कि आप अनुसंधान कर इस छिपी हुई उपचार पद्धति को लोगों के सामने लाने की चेष्टा करेंगे। उन्होंने कहा कि अब दुनियाभर में लोग योग और आयुर्वेद सीखने के लिए इच्छुक हैं। मुर्मू ने रोगमुक्त रहने के लिए योगयुक्त रहने का आह्वान करते हुए कहा, संतुलित आहार अपनाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं। योग बीमारियों को दूर रखने में मदद कर सकता है। आयुर्वेद में कई रोगों का इलाज होने का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थी आयुर्वेद में सघन अनुसंधान को अपनाएं। इस कार्यक्रम को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य ने भी संबोधित किया।

मुर्मू ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

पुरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर मे पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने ग्रांड रोड मे एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। जब राष्ट्रपति आम श्रद्धालु की तरह सड़क से जा रही थी तो सैकड़ो लोग सड़क के दोनो ओर खड़े हो गए और उनका अभिवादन किया। मंदिर को कुछ समय के लिए आम लोगो के वास्ते बंद कर दिया गया ताकि राष्ट्रपति मंदिर के गर्भगृह मे भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभता से कर सकें। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा, पुरी के सांसद संबित पात्रा और अन्य लोग मौजूद थे। मंदिर मे पूजा-अर्चना के बाद मुर्मू ने कहा, मैने भगवान से कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की साथ ही देश के लोगो के लिए भी प्रार्थना की तथा उनकी खुशहाली की कामना की। वह मंदिर मे करीब 30 मिनट रही। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया कि उन्होने गर्भगृह मे मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर मे मां बिमला और महा लक्ष्मी की भी पूजा-अर्चना की।

यतनाल बाहरी नहीं हैं, कर्नाटक भाजपा में सभी मुद्दे बातचीत से हल होने की उम्मीद

शिवमोगा (कर्नाटक) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी. एस. एदियुरप्पा ने बुधवार को कहा कि बीजापुर के विधायक एवं उनके आलोचक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल बाहरी व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आंतरिक मुद्दे बातचीत के माध्यम से सुलझा लिए जाएंगे। यतनाल पार्टी के राज्य नेतृत्व की भी खुलकर आलोचना करते रहे हैं। एदियुरप्पा ने यह भी कहा कि वह और उनके बेटे भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बी. वाई. विजएंद्र पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, बातचीत होनी चाहिए, यतनाल कोई बाहरी व्यक्ति नहीं हैं, हो सकता है कि कुछ कारणों से वह नाराज हों। मेरी अपेक्षा है कि सभी को साथ लेकर चलना चाहिए, यही विजएंद्र की भी अपेक्षा है...। यतनाल ने विजएंद्र की खुलकर आलोचना की है और उन पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ मिलीभगत की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विजएंद्र और एदियुरप्पा पर पार्टी को अपने कब्जे में रखने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है।

आलाकमान का निर्णय मानूंगा

सत्ता बंटवारे को लेकर शिवकुमार के साथ नहीं हुआ कोई समझौता

मांड्या। (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस के सरकार में आने से पहले उनके और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता के बंटवारे को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ था और वह पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्धरमैया की टिप्पणी पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो कुछ कहा है, वही अंतिम है। सिद्धरमैया ने मीडिया से कहा, कोई समझौता नहीं हुआ। मैं आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा। उनसे शिवकुमार के इस कथित बयान के बारे में पूछा गया था कि (राज्य में कांग्रेस के) सत्ता में आने से पहले उन दोनों के बीच समझौता हुआ था। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली थी। कांग्रेस पार्टी शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही थी और उसने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया था। तब ऐसी कुछ खबरें सामने आई थीं कि बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने के फार्मूले पर सहमति बनी थी जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन इन खबरों की पार्टी ने आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से नहीं छुपाया। मुख्यमंत्री के बयान पर शिवकुमार ने बेंगलुरु में कहा, एक बार मुख्यमंत्री ने कह दिया तो उस पर कोई आपत्ति नहीं है... मुख्यमंत्री जो कहते हैं वही अंतिम होता है। कोई आपत्ति नहीं है, मैं हमेशा कुर्सी (पद) के प्रति वफादार हूं, मैं पार्टी के प्रति वफादार हूं। मुख्यमंत्री ने कहा है -- कोई (आगे) सवाल नहीं, कोई चर्चा नहीं, कोई बहस नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें इन चीजों से पीड़ा नहीं होती है तो उन्होंने कहा, मैंने इन सभी बातों का जवाब दे दिया है। जब मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल होने वाला है तो उन्होंने कहा, अभी नहीं...। जब उनसे पूछा गया कि कुछ विधायक मंत्री पद पाने की चेष्टा में लगे हैं तो उन्होंने कहा, आखिरकार आलाकमान को मुझे निर्देश देना है और मुझे निर्णय लेना है। आलाकमान ने मुझसे कुछ नहीं कहा है आलाकमान ने मुझसे कुछ नहीं कहा है और मैंने कुछ नहीं तय किया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और मंत्रियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन को लेकर अटकलें तेज हैं। मंत्री पद पाने के इच्छुक विधायकों के एक वर्ग की ओर से भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग की गई है। कुछ विधायकों ने तो खुले तौर पर मंत्री बनने की इच्छा भी जताई है।

महबूबा मुफ्ती ने मेडिकल प्रवेश में आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करने की मांग की: श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करना चाहिए। पीडीपी प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह जरूरी है कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम के एसआरओ 49 (2018) को बहाल करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सुपर-स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रम तक सुलभ पहुंच हो और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के हितों की रक्षा हो सके। मुफ्ती जनवरी 2018 में पारित एक आदेश का जिक्र कर रही थीं, जब वह जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री थीं। एसआरओ 49 (2108) के अनुसार, स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 75 प्रतिशत सीट सामान्य मेरिट के आधार पर भरी जानी थीं, जबकि 25 प्रतिशत सीट वंचित वर्गों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित थीं।

सऊदी अरब में तस्करी के लिए मेरठ के युवक को मौत की सजा, परिवार ने लगाई रहम की गुहार

मेरठ। (भाषा) उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रहने वाले एक व्यक्ति को सऊदी अरब की अदालत द्वारा मादक पदार्थों की कथित तौर पर तस्करी के लिए मौत की सजा सुनाए जाने से परेशान उसके परिजनों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) विपिन ताडा ने बुधवार को जिला प्रशासन के माध्यम से सऊदी अरब में भारतीय दूतावास से एक पत्र प्राप्त होने की पुष्टि की। ताडा ने बताया, पत्र में बताया गया कि मुंडाली थाना क्षेत्र के राचौटी गांव के रहने वाले जैद जुनैद (35) को मक्का की एक अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में मौत की सजा सुनाई है। परिवार को दया याचिका दायर करने के विकल्प के बारे में सूचित कर दिया गया है।
उन्होंने बताया कि जुनैद के घर पर एक नोटिस चस्पा किया गया ताकि परिजन वस्तुस्थिति से अवगत हों।जुनैद के पिता जुबैर एक किसान हैं और मां रेहाना इस खबर को सुनने के बाद से बेसुध हैं। जुनैद के बड़े भाई सुहैल ने कहा, मेरे पिता ने पहले ही भारत सरकार से सऊदी अधिकारियों के समक्ष दया याचिका दायर करने का अनुरोध किया है। मंगलवार को आवेदन किया गया है। उन्होंने बताया कि जुनैद वर्ष 2018 में एक कंपनी में वाहन चालक के रूप में काम करने के लिए सऊदी अरब गया था। परिजन के मुताबिक, शुरुआत में वह एक कम्पनी में कार्यरत था लेकिन बाद में उसने दूसरी कंपनी में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि जुनैद का वाहन चोरी हो गया था हालांकि पुलिस ने उसे तीन दिन बाद बरामद कर लिया था लेकिन एक सड़क दुर्घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और उसके मालिक ने अपनी गाड़ी की लागत वसूलने के लिए जुनैद पर मुकदमा दायर कर दिया।सुहैल ने बताया कि वित्तीय बोझ वहन करने में असमर्थ जुनैद ने कंपनी छोड़ दी और सऊदी पुलिस के एक अधिकारी के लिए निजी वाहन चालक के रूप में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि नई नौकरी करते हुए तीन महीने गुजरे थे कि जुनैद को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में फंसा दिया गया।सुहैल ने बताया कि सऊदी पुलिस ने दावा किया कि जुनैद जिस वाहन को चला रहा था, उसमें 700 ग्राम मादक पदार्थ मिले और उसे 15 जनवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया था।उन्होंने बताया कि तब से जुनैद जेद्दा स्थित सेंट्रल जेल में बंद है और मुकदमे के बाद उसे मौत की सजा सुनाई गई है।

दागदार इतिहास है शूटर चौरा का

पायनियर समाचार सेवा। अमृतसर/नई दिल्ली

सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने वाला शूटर नारायण सिंह चौरा 1984 में पाकिस्तान चला गया था और पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में अहम भूमिका निभाई थी, ऐसा पता चला है। उसके खिलाफ 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पाकिस्तान में चौरा ने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब लिखी थी। वह बुरैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी था। वह पहले ही पंजाब में जेल की सजा काट चुका है।

2004 के सनसनीखेज बुरैल जेलब्रेक मामले में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारों सहित चार कैदी 94 फीट की सुरंग खोदकर भाग गए थे। चौरा पर अमृतसर, तरनतारन और रोपड़ जिलों में करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। अकाल फेडरेशन से जुड़े चौरा ने अमृतसर के सिख मिशनरी कॉलेज से पढ़ाई की है और उनके पास राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री है। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं, जिनमें हाल ही में प्रकाशित उनकी पुस्तक खालिस्तान विरुद्ध साजिश भी शामिल है। चौरा को जरनैल सिंह भिंडरावाले के भाषणों का अनुवाद करने के लिए भी जाना जाता है।आतंकवाद और खालिस्तानी गतिविधियों में शामिल होने का उनका लंबा इतिहास रहा है। 4 अप्रैल, 1956 को डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) के पास चौरा गांव में जन्मे चौरा पर खालिस्तान लिबरेशन फोर्स और अकाल फेडरेशन जैसे संगठनों से जुड़े होने का आरोप है। चौरा पर बुरैल जेलब्रेक मामले के मास्टरमाइंडों को कैदियों को कपड़े और अन्य सामान मुहैया कराकर मदद करने का आरोप है। उन्होंने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के आरोपी जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भियोरा और जगतार सिंह तारा सहित प्रमुख आतंकवादियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और जेल में उनसे मुलाकात की। उसे 28 फरवरी, 2013 को तरनतारन के जलालाबाद गांव से गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसके साथी सुखदेव सिंह और गुरिंदर सिंह को पंडूरी गांव से पकड़ा गया था।

ऊंचा शुल्क लगाने की ट्रंप की घोषणा से भारत के लिए पैदा होंगे अवसर: नीति आयोग सीईओ

नई दिल्ली। (भाषा) नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन समेत तीन व्यापारिक साझेदारों पर उच्च सीमा शुल्क लगाने की घोषणा से भारत के लिए बड़े निर्यात अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही सुब्रमण्यम ने कहा कि घरेलू उद्योग को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। ट्रंप ने पिछले सप्ताह मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही थी। सुब्रमण्यम ने यहां संवाददाताओं से कहा, "ट्रंप ने अब तक जो भी घोषणा की है...मुझे लगता है कि भारत के लिए अवसर हैं। हम पहली स्लिप में खड़े हैं और गेंद हमारी तरफ आ रही है। हम इसे पकड़ेंगे या छोड़ देंगे, यह हमें देखना है। मुझे लगता है कि आप अगले कुछ महीनों में कुछ कदम देखेंगे।" उन्होंने कहा कि इस कदम की वजह से अमेरिकी व्यापार में बड़ी रुकावटें आने वाली हैं और इससे भारत के लिए बहुत बड़े अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, "सवाल यह है कि अगर हम वास्तव में खुद को तैयार करते हैं, तो इससे बहुत बड़ा उछाल आ सकता है... क्योंकि व्यापार में बदलाव होने वाला है।" अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात 77.51 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 42.2 अरब डॉलर रहा। भारत के आईटी निर्यात राजस्व में भी अमेरिका का हिस्सा 70 प्रतिशत है। ए टिप्पणियां इस लिहाज से अहम हैं कि ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में भारत को आयात शुल्कों का दुरुपयोग करने वाला बताया था। उन्होंने अक्टूबर 2020 में भी भारत को टैरिफ किंग करार दिया था। उन्होंने कारोबार की मुद्रा के तौर पर अमेरिकी डॉलर को बदलने के किसी भी कदम के खिलाफ ब्रिक्स समूह को चेतावनी दी है। इस नौ सदस्यीय समूह में भारत, रूस, चीन और ब्राजील भी शामिल हैं। नीति आयोग ने भारत के व्यापार परिदृश्य पर एक रिपोर्ट भी जारी की। इस रिपोर्ट को आयोग तिमाही आधार पर जारी करेगा। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि व्यापार घाटे को लेकर अधिक आसक्त नहीं होना चाहिए क्योंकि अर्थव्यवस्था को आयात से अधिक लाभ होता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में फूटा आक्रोश

लखनऊ। (भाषा) बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के बदायूं, बरेली, देवरिया और पीलीभीत जैसे विभिन्न जिलों में हिंदू संगठनों ने बुधवार को विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर तत्काल कार्वाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम स्थानीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे। अलीगढ़, अयोध्या, बांदा, चित्रकूट और एटा में मंगलवार को इस तरह के विरोध प्रदर्शन किए गए थे। बदायूं में बुधवार को मानवाधिकार जागरूकता मंच के बैनर तले हिंदू संगठनों ने बदायूं क्लब में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार खत्म करने की मांग करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। महामंडलेश्वर प्रकाशानंद महाराज ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह हिंसा नहीं रुकती तो संत समुदाय हथियार उठाएगा। हम धर्म की रक्षा के लिए कदम उठाने को तैयार हैं, भले ही इसका अर्थ सही कार्य के लिए हिंसा पर उतारू होना हो। हाथरस में भारत हिंदू चेतना मंच के बैनर तले प्रदर्शनकारी दौजी मेला पंडाल में एकत्र हुए, जहां लोगों ने केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों की रक्षा और हमें न्याय चाहिए जैसे संदेश लिखी तख्तियां प्रदर्शित की और चेतावनी दी कि अगर हिंसा जारी रही तो हिंदू समुदाय मानव श्रृंखला बनाकर बांग्लादेश की ओर मार्च कर सकता है। वहीं देवरिया में हिंदू रक्षा संघर्ष समिति ने टाउन हाल में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भाजपा के पदाधिकारी, आरएसएस के सदस्य और स्थानीय लोग शामिल हुए। लोग भगवा झंडा लेकर कलेक्ट्रेट तक गए और बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। आरएसएस के गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश ने कहा कि बांग्लादेश बनने के पीछ भारत था और वही भारत, बांग्लादेश को बर्बाद करने को मजबूर ना हो जाए। पीलीभीत में भी विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद शामिल हुए।वहीं बरेली में हजारों लोग बरेली कॉलेज ग्राउंड में एकत्रित हुए और बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्वाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मंदिरों को तोड़े जाने, महिलाओं के साथ यौन हिंसा और संतों पर हमले की खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्वाई की मांग की।लोगों ने बांग्लादेश में कथित तौर पर हिरासत में लिए गए स्वामी चिन्मयानंद दास को रिहा किए जाने की भी मांग की।

जयपुर में सर्व समाज ने किया प्रदर्शन

जयपुर। बांग्लादेश मे इस्कॉन मंदिर के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और हिंदू समाज पर लगातार हो रहे हमलो के विरोध मे बुधवार को यहां सर्व हिंदू समाज ने प्रदर्शन किया। सर्व समाज से जुड़े लोग बड़ी संख्या मे बड़ी चौपड़ पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियो ने बांग्लादेश मे हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ नारे लगे और वहां की सरकार के खिलाफ कार्वाई की मांग की। प्रदर्शन मे संत-महंत, जनप्रतिनिधि, युवा, मातृ शक्ति सहित सर्व हिंदू समाज के लोगो ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियो ने कहा कि आज जात-पात मे बंटने का नही एक होने का समय है। उन्होने कहा कि सभी को मिलकर एकता की ताकत दिखानी होगी। प्रदर्शनकारियो ने केन्द्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ और मानवाधिकार परिषद मे इस गंभीर प्रसंग को उठाने और उचित समाधान निकालने की मांग की।प्रदर्शन मे शामिल सर्व हिंदू समाज के सभी संगठनो से जुड़े लोगो ने केन्द्र सरकार से बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालने और हिंदुओ की सुरक्षा को लेकर पड़ोसी मुल्क की सरकार से बात करने की मांग की। एक बयान के अनुसार, प्रदर्शन मे जयपुर की राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने कहा कि हमे भूल जाने की आदत है।उन्होने कहा, हमे अपना गौरव याद करना चाहिए। बांग्लादेश की सरकार भी समाज की रक्षा के लिए है जिसे समाज मे हो रहे हिंदुओ पर अत्याचार को कड़ाई से रोकना चाहिए।

झारखंड में रैलियां निकाली गईं

धनबादागुमला। बांग्लादेश मे हिंदुओ पर हो रहे हमलो और आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध मे बुधवार को विभिन्न हिंदू संगठनो से जुड़े लोगो ने झारखंड के धनबाद और गुमला शहरो मे रैलियां निकाली। दास की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियो ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने और पड़ोसी देश मे अल्पसंख्यक हिंदुओ पर हो रहे अत्याचारो को रोकने का आग्रह किया। धनबाद मे हिंदू राष्ट्रीय समन्वय समिति (एचआरएसएस) ने प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमे धनबाद इस्कॉन, बजरंग दल, भाजपा और अन्य संगठनो के सदस्यो ने भाग लिया। हाथो मे तख्तियां लिए और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियो ने शहर के रणधीर वर्मा चौक तक मार्च निकाला और वहां लगभग दो घंटे तक प्रदर्शन किया। इस मौके पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा, "बांग्लादेश मे हिंदुओ को निशाना बनाया जा रहा है, मंदिरो पर हमले किए जा रहे है और हिंदुओ के घरो और व्यवसायो को लूटा जा रहा है।" उन्होने कहा, "मै केंद्र सरकार से इस मामले मे हस्तक्षेप करने का आग्रह करता हूं ताकि हिंदुओ पर हो रहे अत्याचारो पर रोक लग सके और वहां मंदिरो की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।"

इंदौर में हजारों लोग सड़क पर उतरे, आधे दिन बाजार बंद रहे

इंदौर। बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हमलो के खिलाफ इंदौर मे इस समुदाय के हजारो लोगो ने बुधवार को सड़क पर उतरकर आक्रोश जताया। इस विरोध प्रदर्शन के समर्थन मे शहर के बाजार आधे दिन तक बंद रहे।चश्मदीदो ने बताया कि हिंदू संगठनो के आह्वान पर हजारो लोग लालबाग मे जुटे और वहां से रैली निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियो मे बड़ी तादाद मे महिलाएं, साधु-संत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्त्ता शामिल थे। प्रदर्शनकारियो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी आशीष सिंह को सौपा। सकल हिंदू समाज के नाम से सौपे गए ज्ञापन मे प्रमुख तौर पर मांग की गई है कि भारत सरकार बांग्लादेश पर दबाव डाले ताकि पड़ोसी देश मे हिंदुओ और अन्य अल्पसंख्यक समुदायो की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को कायम रखा जा सके। प्रदर्शन मे प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक उषा ठाकुर और भाजपा के अन्य नेता भी शामिल हुए। ठाकुर ने बांग्लादेश मे हिंदू समुदाय पर अत्याचारो को लेकर गुस्सा जताते हुए कहा, अगर वे (बांग्लादेशी नागरिक) अपने देश के संविधान का पालन नही करते और मनुष्यो की तरह जीवन जीना नही चाहते, तो ऐसे लोगो के साथ न तो व्यापार किया जाना चाहिए न ही हमे उनके साथ खेल प्रतियोगिताओ मे शामिल होना चाहिए। बांग्लादेश मे अल्पसंख्यको, खासकर हिंदुओ पर हमलो को लेकर भारत लगातार चिंता व्यक्त कर रहा है।

बांग्लादेश मे हिंदुओ पर अत्याचार का मुद्दा लोस में उठा, सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध

नई दिल्ली। बांग्लादेश मे अल्पसंख्यक हिंदुओ पर अत्याचार और एक हिंदू पुजारी की गिरफ्तार करने का मुद्दा बुधवार को लोकसभा मे उठाते हुए हेमा मालिनी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सदस्यो ने पड़ोसी देश मे हिंदुओ की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और संसद से एक प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की। शून्यकाल मे इस विषय को उठाते हुए मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बांग्लादेश मे हिंदुओ पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियो पर चरमपंथियो द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय है। उन्होने हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्कॉन के लोग मानवता के लिए अच्छा काम कर रहे है। उन्होने कहा, चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश मे हिंदुओ पर अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हे राजद्रोह का आरोप लगाकर जेल मे डाल दिया गया। उनके पक्ष मे गवाही देने वाले दो लोगो को भी जेल मे डाल दिया गया। हेमा मालिनी ने कहा, मै स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयाई हूं।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024

हसीना ने सब कुछ नष्ट कर दिया, सुधारों को लागू करने के बाद चुनाव कराएंगे: यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि शेख हसीना सरकार ने सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने संवैधानिक व न्यायिक सुधारों को लागू किए जाने के बाद आम चुनाव कराए जाने की बात कही। बांग्लादेश संगबाद संस्था ने बुधवार को एक जापानी अखबार को दिए गए यूनुस के साक्षात्कार का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित यूनुस (84) ने निक्केई एशिया को दिए साक्षात्कार में कहा, हमें (चुनाव कराने से पहले) अर्थव्यवस्था, शासन, नौकरशाही व न्यायपालिका में व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है।

यूनुस ने एक बार फिर कहा कि बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में हसीना के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई समाप्त होने के बाद, भारत को उन्हें प्रत्यर्पित कर देना चाहिए। यूनुस ने कहा, मुकदमे की सुनवाई समाप्त होने के बाद निर्णय आने पर हम आधिकारिक तौर पर भारत से उन्हें सौंपने के लिए आग्रह करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भारत इसके अनुपालन के लिए बाध्य होगा।

मुख्य सलाहकार ने यह भी कहा कि हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में भारत सरकार की चिंता तथ्यों पर आधारित नहीं है और जो कुछ कहा जा रहा है वह दुष्प्रचार है। अगस्त में शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। पिछले सप्ताह हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद स्थिति और बिगड़ गई है।

यूनुस ने कहा कि उन्होंने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनर्जीवित करने का भी प्रस्ताव रखा है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण काफी हद तक निष्क्रिय है। बांग्लादेश ने मंगलवार को भारतीय राजदूत को अपने विदेश कार्यालय में तलब किया और त्रिपुरा के अगरतला में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास सेवाएं निलंबित करने की घोषणा की। यह घोषणा प्रदर्शनकारियों द्वारा वाणिज्य दूतावास में घुसने के एक दिन बाद की गई। चटगांव की एक अदालत में राजद्रोह के एक मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका दो जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई, क्योंकि उनके लिए कोई वकील पेश नहीं हुआ और बाद में उनके समर्थकों ने दावा किया कि उनके वकीलों को धमकी दी जा रही है। साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने चुनाव प्रणाली, संविधान और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रों में सुधारों को बढ़ावा देने के लिए कई आयोगों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि सरकार उन आयोगों से सिफारिशें प्राप्त करने के बाद जनवरी तक पूर्ण पैमाने पर सुधारों को लागू करेगी। उन्होंने कहा, इन सुधारों को लागू करने में समय लगेगा, क्योंकि हम मूल रूप से एक नए बांग्लादेश का निर्माण कर रहे हैं। यूनुस ने खुद के चुनाव लड़ने की बात से इनकार कर दिया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे 700 कैदी अब भी फरार: सरकार

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे कैदियों में से कम से कम 700 कैदी अब भी फरार हैं, जिनमें दोषी आतंकवादी और मौत की सजा पाए कैदी शामिल हैं। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोहम्मद मोताहिर हुसैन ने कहा कि देश भर में लगभग 2,200 कैदी विभिन्न जेलों से भाग गए थे, जिनमें से 700 अब भी फरार हैं जबकि बाकी कैदी सजा काटने के लिए जेलों में वापस लौट गए हैं या उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। हुसैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, लगभग 700 (फरार कैदियों) में से 70 चरमपंथी और मौत की सजा पाए अपराधी हैं।

यूनुस के मुख्य सलाहकार आलम ने भारत से जुलाई-अगस्त विद्रोह को मान्यता देने को कहा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के एक प्रमुख सहयोगी ने बुधवार को कहा कि भारत को द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से शुरू करने के लिए देश में जुलाई-अगस्त में हुए उस विद्रोह को स्पष्ट रूप से मान्यता देनी चाहिए जिसने प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। अंतरिम सरकार में वस्तुत: मंत्री का दर्जा रखने वाले महफूज आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में उल्लेख किया कि भारत सरकार ने विद्रोह को कुछ इस तरह से चित्रित करने की कोशिश की जैसे यह सत्ता पर कुछ अतिवादियों, हिंदू विरोधी और इस्लामी कट्टरपंथियों का कब्जा हो गया हो। आलम ने भारत से 75 के बाद की रणनीति बदलने और बांग्लादेश की नई वास्तविकताओं को समझने को भी कहा। आलम बांग्लादेश के एंटी डिसक्रिमिनेशन स्टूडेंट्स मूवमेंट के एक प्रमुख नेता हैं।

आलम ने लिखा, यह (मान्यता) सबसे पहली चीज है जिससे शुरुआत की जानी चाहिए। जुलाई के विद्रोह को दरकिनार करके, नए बांग्लादेश की नींव रखना दोनों देशों के रिश्तों के लिए हानिकारक होगा। आलम ने लिखा, बंगाल के इस हिस्से में रहने वाले भारत-प्रेमी या भारतीय सहयोगी सोच रहे थे कि चीजें शांत हो जाएंगी और जुलाई के विद्रोह और फासीवादियों के अत्याचारों से उन्हें कुछ भी नुकसान नहीं होगा।

वह आलम का संगठन ही था जिसने विवादास्पद नौकरी आरक्षण व्यवस्था को लेकर हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जुलाई के मध्य से व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके परिणामस्वरूप पांच बार की प्रधानमंत्री हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। पांच अगस्त को हसीना के बांग्लादेश छोड़कर भारत चले जाने के तीन दिन बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पदभार संभाला था। दोनों पड़ोसी देशों के बीच पांच अगस्त से जारी तनाव पिछले सप्ताह हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद और बढ़ गया।

आलम ने कहा, यह एक गलत विचार है। लोग सब कुछ देख रहे हैं। यूनुस ने सितंबर में न्यूयॉर्क में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव के एक समारोह में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से आलम का परिचय देते हुए आलम को संपूर्ण क्रांति के पीछे का दिमाग बताया था। यूनुस (84) ने तब बांग्लादेशी छात्र नेताओं का परिचय कराते हुए कहा था, संपूर्ण क्रांति के पीछे इन्हीं लोगों का दिमाग माना जाता है। वे किसी अन्य युवा व्यक्ति की तरह दिखते हैं, आप उन्हें पहचान नहीं पाएंगे। लेकिन जब आप उन्हें कार्य करते हुए देखेंगे, जब आप उन्हें बोलते हुए सुनेंगे, तो आप कांप जाओगे।

हिन्दुओं पर हमले के बीच अमेरिका ने मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान का आह्वान किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों के बीच धार्मिक और आधारभूत मानवाधिकारों सहित मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान का आह्वान किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत लगातार चिंता व्यक्त कर रहा है। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने संवाददाताओं से कहा, हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए।

पटेल ने कहा, सरकारों को कानून के शासन का सम्मान करने की आवश्यकता है, उन्हें आधारभूत मानवाधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता है। हम इस बात पर हमेशा जोर देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। पटेल ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम इस बात पर बल देते हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए और उनसे अधारभूत मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए।

इस बीच, अमेरिकी सांसद ब्रैड शरमन ने एक बयान में कहा, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का यह पूर्ण दायित्व है कि वह हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करे और हाल में हुए हमलों तथा उत्पीड़न के कारण हजारों अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरोध प्रदर्शनों का सार्थक रूप से समाधान करे। हिंदू एक्शन के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठाने का आह्वान किया। बांग्लादेश से हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि अंतरिम सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए संत एवं नागरिक अधिकार कार्यकर्ता चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को हिरासत में जान का गंभीर खतरा है।

गाजा में इजरायली हमले में ध्वस्त फिलीस्तीन की इमारत।

ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा करने को लेकर सचेत किया

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश के लिए जारी परामर्श को अद्यतन करते हुए ब्रिटिश नागरिकों को वहां की यात्रा करने को लेकर सचेत किया है। विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने बांग्लदेश लिए जारी परामर्श के सुरक्षा खंड की मंगलवार शाम समीक्षा की। अद्यतन परामर्श में आवश्यक यात्रा को छोड़कर किसी भी तरह की यात्रा करने के प्रति आगाह किया गया है। एफसीडीओ के यात्रा परामर्श में कहा गया, बांग्लादेश में आतंकवादी हमले का प्रयास कर सकते हैं। परामर्श के अनुसार, कई जगह आतंकवादी हमले होने की आशंका है, जिनमें वे स्थान भी शामिल हो सकते हैं, जहां विदेशी नागरिक जाते हैं, जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके, धार्मिक स्थल, (और) राजनीतिक रैलियां आदि। कुछ समूहों ने ऐसे लोगों को निशाना बनाया है जिनके बारे में उनका मानना है कि उनके विचार और जीवनशैली इस्लाम के विपरीत हैं।

क्विक न्यूज

अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों के उत्साह से अभिभूत हूं : लोकगायिका मैथिली ठाकुर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया में पहली बार कार्यक्रम पेश करने वाली लोक गायिका मैथिली ठाकुर अपने कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को देखकर हैरान रह गईं और उन्होंने कहा कि विदेशों में अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों का उत्साह उनके आत्मविश्वास को दोगुना कर देता है। बिहार के मधुबनी की रहने वाली मैथिली ने यहां के व्यस्त फेडरेशन स्क्वेयर पर आलवेज लाइव संस्था के एक कार्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं में गीत सुनाए और हजारों की संख्या में उमड़े प्रशंसक उनके गीतों पर झूमे। दुनिया भर में परफार्म करने वाली मैथिली का आस्ट्रेलिया में यह पहला कार्यक्रम था। उन्होंने यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास में भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा , मैं जहां भी जाती हूं, भारतीय संगीत का प्रतिनिधित्व करती हूं। मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वेयर पर भारत की विभिन्न भाषाओं और भजन, सूफी जैसी अलग अलग शैलियों में गाया। मैंने सोचा नहीं था कि मेलबर्न में इतनी संख्या में लोग सुनने के लिए आएंगे। छह वर्ष की उम्र से अपने दादा और पिता से मैथिली लोक संगीत, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत, हारमोनियम और तबले की तालीम लेने वाली चौबीस वर्षीय इस कलाकार ने कहा, जब मैं भारतवंशियों से भारत के बाहर मिलती हूं तो अपनी संस्कृति को लेकर उनके भीतर अधिक उत्साह देखने को मिलता है। बिल्कुल वैसा ही है कि जब घर से दूर होते हैं तो घर की याद ज्यादा आती है। यहां मुझे सुनने के लिए बिहार, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल पदेश, महाराष्ट्र सभी राज्यों के लोग थे और मैंने सभी भाषाओं में गाया।

संगीत के प्रति अपने रूझान के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि बचपन से वह लोक गायिका शारदा सिन्हा को सुनती आई हैं जिनका उन पर प्रभाव रहा है। उन्होंने कहा, मैं शारदा जी से ज्यादा मिली तो नहीं हूं लेकिन लोकगीत बचपन से सुन रही हूं। मेरे पापा चाहते थे कि मैं अच्छा संगीत सुनूं और यह क्रम शारदा जी के गीतों से ही शुरू हुआ। छठ पूजा का तो पर्यायवाची शारदाजी का नाम है क्योंकि उनके गीतों से ही छठ शुरू होती है और खत्म होती है। मैथिली ने कहा, बिहार में महिला सशक्तिकरण की बात करें तो शारदाजी एक मिसाल हैं। शारदा सिन्हा का पिछले महीने ही निधन हुआ है। मैथिली का मानना है कि लोक संगीत को सहेजने और उसके प्रचार के लिए सामूहिक प्रयास करने जरूरी हैं। उन्होंने कहा , सामूहिक प्रयास करें तो लोकगीतों का प्रसार तेजी से होगा। मैंने जब शुरू किया था तो मेरे पास कोई रोल मॉडल नहीं था कि उसी की तरह काम करना है। मुझे अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा और डर भी था कि कहीं गलत तो नहीं हूं क्योंकि उस समय बॉलीवुड पार्श्वगायन का भी विकल्प था। उन्होंने कहा , मेरे पास कई अच्छे मौके थे लेकिन एक फैसला लेना था और मैंने तय किया कि लोक संगीत को जीवन समर्पित करना है। एक सवाल पर मैथिली ने कहा , ऐसा नहीं है कि बॉलीवुड के दरवाजे बंद हो गए हैं लेकिन मेरा मन लोक संगीत में ही रमता है। अभी मैंने औरों में कहां दम था फिल्म में गाना गाया है जिसके बोल बहुत अच्छे थे और संगीत भी। लेकिन बॉलीवुड में नहीं गाने से मुझे ऐसा कभी नहीं लगता कि कुछ छूट रहा है।

अपने अब तक के सफर के बारे में इस युवा कलाकार ने कहा , मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोक गीतों के जरिए मेलबर्न या लंदन तक पहुंच जाऊंगी। मैं भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचती लेकिन हमेशा संगीत की साधना करना चाहती हूं। उदीयमान कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा , यही कि अपने सपने के लिए खुद ही लड़ना पड़ता है ,समाज से भी। शुरूआत में कोई साथ नहीं होता लेकिन आप सफल हो जाते हैं तो समाज आपसे जुड़ जाता है जिससे और मजबूती मिलती है। अगर परिवार का साथ है तो आप हर बाधा पार कर सकते हैं। बस सपने देखना नहीं छोड़ना है और हार नहीं माननी है।

नेपाल और चीन ने बीआरआई सहयोग मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए

बीजिंग, काठमांडू। नेपाल और चीन ने बहुप्रतीक्षित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) सहयोग मसौदा समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस समझौते से बीआरआई परियोजनाओं के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। इस समझौते पर नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। चौथी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद ओली पहली बार चीन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। प्रधानमंत्री ओली ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, आज हमने बेल्ट एंड रोड सहयोग के मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए। चीन की मेरी आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के साथ, मैं प्रधानमंत्री ली क्वींग के साथ द्विपक्षीय वार्ता, एनपीसी के अध्यक्ष झांग लेजी के साथ चर्चा और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अत्यंत उपयोगी बैठक से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि बेल्ट एंड रोड सहयोग मसौदा समझौते के तहत नेपाल-चीन आर्थिक सहयोग और मजबूत होगा। प्रधानमंत्री सचिवालय के मुताबिक विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और चीन के राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के लियू सुशे ने बीआरआई मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए। काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक समझौते में चीनी पक्ष ने नेपाली पक्ष द्वारा प्रस्तावित अनुदान शब्द को हटा दिया और बीआरआई के तहत परियोजनाओं के लिए इसके स्थान पर निवेश शब्द रखने का सुझाव दिया। अखबार के मुताबिक नए नियमों और शर्तों की समीक्षा के बाद, अधिकारियों ने एक समाधान तलाशा और नेपाल में परियोजना निष्पादन के संबंध में सहायता और तकनीकी मदद वाक्यांश को शामिल करने का निर्णय लिया।

स्कॉटलैंड की सिख कलाकार जसलीन कौर ने प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार 2024 जीता

भाषा। लंदन

ग्लासगो में जन्मी भारतीय मूल की कलाकार जसलीन कौर ने व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिकै पहलुओं को एक साथ पिरोने के लिए ब्रिटेन का प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार 2024 जीता है। जसलीन की कृतियां स्कॉटलैंड के सिख समुदाय में पलने-बढ़ने के दौरान की उनकी जिंदगी से प्रेरित हैं। कौर को मंगलवार रात लंदन के टेट ब्रिटेन में आयोजित एक समारोह में अपनी एकल प्रदर्शनी ऑल्टर ऑल्टर के लिए लगभग 26.84 लाख रुपए का पुरस्कार मिला। इस प्रदर्शनी में एकत्रित और पुन: निर्मित वस्तुओं से मूर्तियां बनाई गई थीं, जिनमें से प्रत्एक को कलाकार की प्रस्तुतियों के साथ संगीत रचना के माध्यम से एनिमेटेड किया गया था।

टर्नर पुरस्कार निर्णायक मंडल ने कहा कि उन्होंने कौर को रोजर्मा की वस्तुओं पर उनके विचारों के लिए चुना जिसमें उन्होंने ध्वनि और संगीत के माध्यम से उन्हें जीवंत करके सामुदायिक और सांस्कृतिक विरासतै को सामने रखा। टर्नर पुरस्कार की ज्यूरी ने एक बयान में कहा, निर्णायक मंडल ने इस बात पर गौर किया कि कौर ने कैसे अपनी प्रदर्शनी ऑल्टर ऑल्टर में व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिक पहलुओं को एक साथ पिरोया है तथा एक दृश्य और श्रव्य अनुभव का निर्देशन किया है जो एकजुटता और खुशी दोनों का संकेत देता है। कौर ने पुरस्कार मिलने पर कहा, "आज मुझे स्थानीय सिख समुदाय और उन लोगों से बहुत सारे संदेश मिले हैं जिनके साथ मैं बड़ी हुई हूं। इस तरह की चीज बहुत से लोगों के लिए बहुत मायने रखती है। यह विभिन्न समूहों के लिए मायने रखती है और मैं उन सभी का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हूं। दृश्य कला के लिए दुनिया के सबसे प्रसिद्ध पुरस्कारों में से एक टर्नर पुरस्कार का उद्देश्य समकालीन ब्रिटिश कला में नए विकास के बारे में सार्वजनिक बहस को बढ़ावा देना है। 1984 में स्थापित इस पुरस्कार का नाम क्रांतिकारी चित्रकार जेएमडब्लू टर्नर (1775-1851) के नाम पर रखा गया है और यह पुरस्कार प्रत्एक वर्ष किसी ब्रिटिश कलाकार को उसके काम की उत्कृष्ट प्रदर्शनी या अन्य प्रस्तुति के लिए दिया जाता है। इसके पूर्व विजेताओं में ब्रिटिश भारतीय मूर्तिकार अनीश कपूर भी शामिल हैं।

ट्रंप की टीम ने नियुक्तियों के संदर्भ में पृष्ठभूमि जांच के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता हस्तांतरण टीम ने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया है, जिससे न्याय विभाग के लिए आगामी ट्रंप प्रशासन द्वारा नामित व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनकी सुरक्षा जांच प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। समझौता ज्ञापन पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए। यह ऐसे समय में हुआ है जब सरकार में शीर्ष पदों के लिए ट्रंप के कुछ पसंदीदा नामित व्यक्तियों को लेकर विवाद है। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन में सेवा देने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति की तैयारी का यह अगला चरण है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स ने कहा, न्याय विभाग (डीओजे) के साथ यह समझौता सुनिश्चित करेगा कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पहले दिन से ही अमेरिका प्रथम के एजेंडा को लागू करने के लिए तैयार रहे, जिसे हमारे देश की जनता ने चुनाव के दिन भारी बहुमत देकर चुना है। प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि आखिरकार इससे सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया में मदद मिलेगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। समझौते में कहा गया कि डीओजे के साथ समझौता ट्रंप की टीम को नामित व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच और सुरक्षा जांच के लिए नाम प्रस्तुत करने की अनुमति देता है।

भारत ने फलस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जाए गए फलस्तीनी क्षेत्र से इजराइल से वापस जाने का आह्वान किया गया है तथा पश्चिम एशिया में व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थाई शांति प्राप्त करने के आह्वान को दोहराया गया है। सेनेगल द्वारा प्रस्तुत फलस्तीन के प्रश्न का शांतिपूर्ण समाधान विषयक मसौदा प्रस्ताव को मंगलवार को 193 सदस्यीय महासभा में भारी बहुमत से स्वीकार कर लिया गया। भारत उन 157 देशों में शामिल था जिन्होंने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि आठ सदस्य देशों - अर्जेंटीना, हंगरी, इजराइल, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पलाऊ पापुआ न्यू गिनी और अमेरिका ने इसके खिलाफ मतदान किया। कैमरून, चेकिया, इक्वाडोर, जॉर्जिया, पैराग्वे, यूक्रेन और उरुग्वे ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

मौखिक रूप से संशोधित रूप में अपनाए गए प्रस्ताव में प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के आधार पर पश्चिम एशिया में बिना किसी देरी के व्यापक, न्यायसंगत और स्थाई शांति की प्राप्ति तथा पूर्वी यरुशलम सहित 1967 में शुरू हुए इजराइली कब्जे को समाप्त करने का आह्वान दोहराया गया। प्रस्ताव में पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जाए गए फलस्तीनी क्षेत्र से इजराइल की वापसी और फलस्तीनी लोगों के अधिकारों, मुख्य रूप से आत्मनिर्णय के अधिकार और उनके स्वतंत्र राज्य के अधिकार को साकार करने का आह्वान किया गया।

प्रस्ताव के माध्यम से महासभा ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, इजराइल और फलस्तीन के द्वि-राष्ट्र समाधान के लिए अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की जिसके तहत दोनों 1967 से पूर्व की सीमाओं के आधार पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति एवं सुरक्षा के साथ एक साथ रहेंगे।

प्रस्ताव में गाजा पट्टी में जनसांख्यिकीय या क्षेत्रीय परिवर्तन के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया गया, जिसमें गाजा के क्षेत्र को सीमित करने वाली कोई भी कार्वाई शामिल है। प्रस्ताव में इस बात पर भी जोर दिया गया कि गाजा पट्टी 1967 में कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र का एक अभिन्न हिस्सा है और यह द्वि-राष्ट्र समाधान के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है, जिसमें गाजा पट्टी फलस्तीन का हिस्सा होगी। प्रस्ताव में सैन्य हमलों, विनाश और आतंकवादी कृत्यों सहित हिंसा के सभी कृत्यों तथा उकसावे वाले सभी कृत्यों को तत्काल और पूर्ण रूप से रोकने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। भारत ने महासभा में एक और प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जिसमें मांग की गई थी कि प्रासंगिक सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के कार्यान्वयन में इजराइल कब्जे वाले सीरियाई गोलन से हटे तथा जून 1967 में तय सीमा रेखा पर लौट जाए।

दक्षिण कोरिया के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया

सियोल (दक्षिण कोरिया)। दक्षिण कोरिया की विपक्षी पार्टियों ने बुधवार को राष्ट्रपति यून सुक एओल के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने के मुद्दे को लेकर राष्ट्रपति यून पर राष्ट्रपति पद छोड़ने का दबाव है। इस कानून की वजह से सैनिकों ने संसद को घेर लिया था। हालांकि, सांसदों ने मार्शल लॉ को हटाने के पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद यून ने इसे हटाने की घोषणा की। राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव संसद के दो-तिहाई बहुमत या 300 में से 200 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। इसके बाद कम से कम छह संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों का समर्थन भी आवश्यक होगा। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और पांच छोटे विपक्षी दलों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को मतदान हो सकता है।

यून के वरिष्ठ सलाहकारों और मंत्रियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की पेशकश की है तथा रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन सहित उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों से भी पद छोड़ने की मांग की गई है। राजधानी में सड़कों पर पुलिस हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार नजर आई। आम दिनों की तरह ही पर्यटक और निवासी सड़कों पर नजर आए, यातायात और निर्माण कार्य भी जारी रहा। यून ने मंगलवार रात अचानक मार्शल लॉ लागू कर दिया और विपक्ष के वर्चस्व वाली संसद में अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में संघर्ष करने के बाद राष्ट्र विरोधी ताकतों को खत्म करने का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रपति द्वारा लागू मार्शल लॉ केवल छह घंटे तक ही प्रभावी रहा, क्योंकि नेशनल असेंबली (दक्षिण कोरिया की संसद) ने राष्ट्रपति के फैसले को खारिज करने के पक्ष में मतदान किया। सुबह करीब साढ़े चार बजे कैबिनेट की एक बैठक के दौरान मार्शल लॉ हटाने का फैसला किया गया जिसके बाद इसे हटाने की औपचारिक घोषणा की गई। उदारवादी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 300 सीट वाली संसद में बहुमत रखती है। पार्टी ने बुधवार को कहा कि उसके सांसदों ने यून से तत्काल पद छोड़ने को कहा है, अन्यथा वे उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए कदम उठाएंगे।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति यून सुक एओल की मार्शल लॉ की घोषणा संविधान का स्पष्ट उल्लंघन है। इसे घोषित करने के लिए किसी भी आवश्यक नियम का पालन नहीं किया गया। बयान में कहा गया, उनकी मार्शल लॉ की घोषणा मूल रूप से अमान्य है और संविधान का गंभीर उल्लंघन है। यह विद्रोह का एक गंभीर कृत्य था और उनके खिलाफ महाभियोग के लिए एकदम सही आधार प्रदान करता है। हालांकि, नेशनल असेंबली के अधिकारियों के अनुसार, डेमोक्रेटिक पार्टी और अन्य छोटे विपक्षी दलों के पास कुल 192 सीट हैं। लेकिन जब संसद ने 190-0 वोट से यून के मार्शल लॉ की घोषणा को खारिज कर दिया, तो यून की सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लगभग 10 सांसदों ने भी विपक्ष का समर्थन करते हुए मतदान किया।

अगर यून पर महाभियोग चलाया जाता है, तो संवैधानिक न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने तक उनकी संवैधानिक शक्तियां छीन ली जाएंगी। दक्षिण कोरियाई सरकार में दूसरे नंबर के पद पर काबिज प्रधानमंत्री हान डक-सू, राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे। यून की मार्शल लॉ घोषणा 40 से अधिक वर्षों में अपनी तरह की पहली घोषणा है, जो दक्षिण कोरिया की पिछली सैन्य-समर्थित सरकारों की याद दिलाती है, जब अधिकारी कभी-कभी मार्शल लॉ और अन्य फरमानों की घोषणा करते थे। यह कानून अधिकारियों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने के लिए सड़कों या स्कूलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर लड़ाकू सैनिकों, टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को तैनात करने की अनुमति देता है। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में दक्षिण कोरिया के वास्तविक लोकतंत्र प्राप्त करने के बाद से मंगलवार रात तक सैन्य हस्तक्षेप के ऐसे दृश्य नहीं देखे गए थे।

यून की घोषणा के बाद हथियारों से लैस सैनिकों ने संसद को घेर लिया और प्रदर्शनकारियों को नेशनल असेंबली से दूर रखने की कोशिश की।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि 190 सांसद यून के मार्शल लॉ के फैसले के खिलाफ मतदान करने के लिए संसद के हॉल में कैसे प्रवेश कर पाए। कथित तौर पर कुछ सांसद दीवारों पर चढ़ गए, जबकि सैनिकों और पुलिस अधिकारियों ने कुछ को प्रवेश करने से रोक दिया, हालांकि उन्होंने सांसदों पर आक्रामक तरीके से रोक नहीं लगाई या बल का प्रयोग नहीं किया। इस पूरे प्रकरण में किसी बड़ी हिंसा की खबर नहीं है। बाद में मार्शल लॉ हटाने के पक्ष में संसद में वोट के बाद सैन्य बलों और पुलिसकर्मियों को नेशनल असेंबली से बाहर निकलते देखा गया। नेशनल असेंबली के स्पीकर वू वोन शिक ने कहा, सैन्य तख्तापलट की हमारी दुर्भाग्यपूर्ण यादों के बावजूद, हमारे नागरिकों ने निश्चित रूप से आज की घटनाओं को देखा है और हमारी सेना की परिपक्वता देखी है।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 दिसंबर, 2024

स्पिन की भूमिका रहेगी, एडीलेड की पिच संतुलित मुकाबले के लिए तैयार की गई है

मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन-रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी न हो

भाषा। एडीलेड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट के दौरान स्पिन गेंदबाजी के भूमिका निभाने की उम्मीद है लेकिन एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया है कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन-रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी नहीं हो। हॉग ने कहा कि घास की मौजूदगी से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी जबकि मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर की भूमिका भी बनेगी। हॉग ने शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से कहा, इतिहास से पता चलता है कि एडीलेड में दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। पिच पर छह मिमी घास होगी। हम प्रसास कर रहे हैं कि मैच के दौरान खेल के सभी पहलुओं को भूमिका निभाने का मौका मिले। उन्होंने कहा, हम ऐसी घास छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो सूखी और सख्त हो। और हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं जिससे कि अधिक से अधिक गति और उछाल हासिल कर सकें। भारत ने पर्थ में पहला टेस्ट रिकॉर्ड 295 रन से जीता जो चार दिन तक चला। इस टेस्ट में मैच आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी आसान होती गई। हॉग के पास गुलाबी गेंद के मैच के लिए भी ऐसी ही योजनाएं हैं। हॉग ने कहा, स्पिन आमतौर पर भूमिका निभाती है इसलिए घास के कारण गेंद तेजी से निकल सकती है और आम तौर पर अच्छा उछाल मिलता है। यही योजना है। उम्मीद है कि जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती जाएगी बल्लेबाज इसका फायदा उठा पाएंगे और अगर कोई साझेदारी होती है तो वे इसका फायदा उठाएंगे। पर्थ टेस्ट में स्पिनरों की अधिक भूमिका नहीं थी और क्यूरेटर ने कहा कि एडीलेड ओवल में स्पिनरों को अधिक सहायता मिलेगी। हॉग ने एडीलेड पर स्पिनरों की भूमिका पर कहा, स्पिन हमेशा एडीलेड में अहम भूमिका निभाती है। आपको एक विशेषज्ञ स्पिनर चुनने की जरूरत है। कभी भी हम चुने या नहीं? का सवाल नहीं होना चाहिए। हमेशा ऐसा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी तरफ से हमेशा एक स्पिनर चुनें। उस अतिरिक्त घास को छोड़ने का विचार यही है कि स्पिनर को इससे फायदा मिले। उन्होंने दोहराया कि लक्ष्य एक अच्छा, संतुलित मुकाबला कराना है।क्यूरेटर ने कहा, आमतौर पर तेज गेंदबाजों को पूरे मैच में कुछ सहायता मिलनी चाहिए। और हम जानते हैं कि तेज गेंदबाज ऐसा कर सकते हैं। रात के सत्र में स्पिन की भूमिका हो सकती है।

मुझे उम्मीद है कि मिचेल मार्श एडिलेड में गेंदबाजी करेंगे

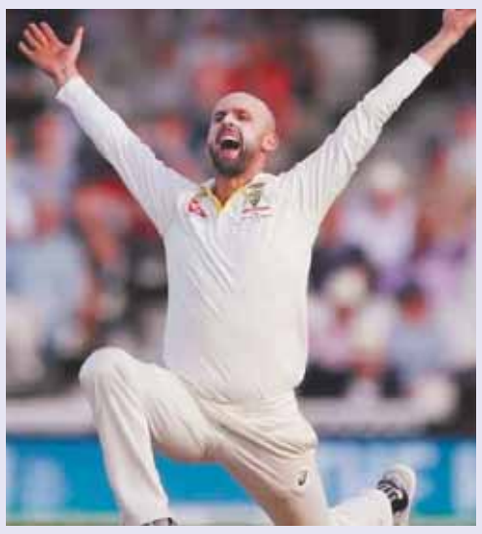

एडिलेड। (भाषा) ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन ने उम्मीद जताई की हरफनमौला मिचेल मार्श भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच मे गेदबाजी करेंगे और अगर ऐसा नही हुआ तो वह कुछ अतिरिक्त ओवर करने के लिए तैयार रहेंगे। मार्श बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट मे चोटिल हो गए थे। मार्श ने इस मैच मे 19.3 ओवर गेदबाजी की थी। भारत ने इस मैच को 295 रन से जीता था। ऑस्ट्रेलिया ने मार्श के विकल्प के तौर पर हरफनमौला ब्यू वेबस्टर को टीम मे शामिल किया है लेकिन ऐसा लग रहा है कि मार्श एकादश मे अपनी जगह बनाए रखेंगे। लियोन ने बुधवार को कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि हम मिचेल मार्श को गेदबाजी करते हुए देखेंगे। उन्होने कहा मुझे बाइसन (मार्श) की फिटनेस की चिंता नही है। उसने जब से टेस्ट टीम मे वापसी की है तब से वह हमारे लिए शानदार रहा है। वह एशेज के दौरान लीड्स मे वापसी करने के बाद दबदबा कायम करने मे सफल रहा है। अगर जरूरत हुई तो मुझे उसके ओवरो को पूरा करने मे कोई परेशानी नही होगी। टीम मे हरफनमौला खिलाड़ी की गैरमौजूदगी मे भी लियोन ने अतीत मे गेदबाजी मे अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाई है। इस 37 साल के गेदबाज ने कहा, मै टीम मे अपनी योजना को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हूं। अगर कुछ अतिरिक्त ओवर डालने का मौका मिलता है तो इससे मुझे कोई फर्क नही पड़ता है। मै इस तरह के मौके का फायदा उठाना चाहता हूं। टेस्ट मे 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले लियोन का एडिलेड ओवल मैदान पर शानदार रिकॉर्ड है। उन्होने यहां 13 मैचो मे 25.26 की औसत से 63 विकेट लिए है। इसमे से सात मैच दिन-रात्रि रहे है। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि यह पिचरो के लिए शानदार स्थल है। डेमियन (मुख्य क्यूरेटर) यहां ऐसी पिच तैयार करते है जिसमे पिचरो के लिए भी काफी कुछ हो। यहां बल्लेबाज और गेदबाज दोनो के लिए चुनौती होती है। यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पिचो मे से एक है। मेजबान टीम ने पर्थ मे बहुत खराब प्रदर्शन किया और इस तरह पांच मैचो की सीरीज मे 0-1 से पीछे चल रही है। लियोन को हालांकि उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया वापसी करेगा। उन्होने कहा, हमे उस हार के विश्लेषण करने का पूरा समय मिला। पर्थ मे हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही किया। पांच टेस्ट मैचो की टेस्ट श्रृंखला की खूबसूरती यह है कि हमारे पास वापसी का मौका होगा।

काफी उतार-चढ़ाव देखे, विभिन्न क्रम पर बल्लेबाजी की और मानसिक चुनौती का सामना किया है: राहुल

भाषा। एडिलेड

लोकेश राहुल को राष्ट्रीय टीम के साथ अपना 10 साल का करियर 25 साल का लगता है क्योंकि इस दौरान उन्हें बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव के कारण मानसिक चुनौती से जूझने के साथ चोट के कारण खेल से दूर रहने और कई तरह की टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। पर्थ में पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने के आत्मविश्वास से भरे राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले अपने दस साल के उतार-चढ़ाव भरे सफर पर सवालों का खुल कर सामना किया। इस बल्लेबाज ने कहा, मुझे 25 साल जैसा महसूस हो रहा है। मैं कई बार चोटिल हुआ हूं और इससे यह बहुत लंबा समय लगता है। मैंने हालांकि हर पल का लुत्फ उठाया है। राहुल को करियर के शुरुआत से बेहद प्रतिभाशाली माना जाता रहा है लेकिन उन्होंने अपने 10 साल के करियर में सिर्फ 54 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने कहा, दस साल पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली श्रृंखला खेली थी। उस समय मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था। एक छोटे लड़के के रूप में सुबह पांच बजे उठकर अपने पिता के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाली श्रृंखला को देखने से वहां खेलने तक। उन्होंने कहा, उस समय मैं अपनी बल्लेबाजी, रन बनाने के तरीके, शोर से दूर रहने के तरीके के बारे में उतना आश्वस्त नहीं था जितना अब हूं। अपने शुरुआती 10 साल में संघर्ष करने वाले राहुल अगले 10 साल को यादगार बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में शुक्रगुजार हूं कि मुझे उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा। अच्छे, बुरे और सब कुछ अनुभव करना पड़ा। इसलिए अगले 10 वर्षों का बेसब्री से इंतजार है। राहुल ने कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव की मानसिक चुनौती पर काबू पा लिया है और वह टीम के लिए किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने को तैयार हैं। राहुल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पारी का आगाज करते हुए 26 और 77 रन बनाए थे। रोहित की टीम में वापसी के बाद राहुल से जब बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कुछ भी (पारी का आगाज करना या मध्य क्रम) हो सकता है। इस 32 साल के बल्लेबाज ने यहां भारत के अभ्यास सत्र से पहले संवाददाताओं से कहा, मैं सिर्फ अंतिम एकादश में रहना चाहता हूं, जिसका मतलब है कि जहां भी मौका मिले वहां टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहूं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट करियर ठीक एक दशक पहले मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरू किया था। उन्होंने बाद में हालांकि सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई। इस बीच टेस्ट और वनडे दोनों में उनका बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा।

पंत ने टेस्ट क्रिकेट को आसानी से अपना लिया

मुंबई। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम मे महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास से पैदा हुई कमी को ऋषभ पंत ने तुरंत भर दिया जिन्होने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे बतख पानी को अपनाती है।दिसंबर 2022 मे कार दुर्घटना मे गंभीर रूप से घायल हुए आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने गाबा मे चौथे टेस्ट मे 89 रन की मैच विजई पारी खेली और श्रृंखला मे 274 रन बनाकर 2020-21 मे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की 2-1 की जीत मे अहम भूमिका निभाई। द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, धोनी के जाने के बाद आपको लगा होगा कि शायद किसी को भी उसकी जगह लेने मे समय लगेगा। उन्होने कहा, मै यह नही कह रहा कि उसने उनकी जगह ले ली है लेकिन निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट मे उसका प्रदर्शन शानदार रहा है, अविश्वसनीय प्रदर्शन। भारत के पूर्व कप्तान और कोच ने कहा, पंत को गाबा मे उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए 89 रन बनाते हुए देखना, जब सब कुछ दांव पर लगा हुआ था और टीम इतनी कमजोर थी, उस तरह के दबाव मे उस तरह का प्रदर्शन करना - बेहद शानदार... वह कितने विशेष क्रिकेटर है।

यूएई को हराकर भारत अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में

शारजाह। (भाषा) तेरह साल के वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे के अर्धशतक से भारत ने बुधवार को यहां ग्रुप ए में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से रौंदकर अंडर-19 एशिया कप एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 44 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज युद्धजीत गुहा भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 15 रन देकर तीन विकेट चटकाए। चेतन शर्मा (27 रन पर दो विकेट) और ऑलराउंडर हार्दिक राज (28 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए। भारत ने इसके जवाब में सूर्यवंशी (46 गेंद में नाबाद 76) और आयुष (51 गेंद में नाबाद 67) के बीच पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी की मदद से 16.1 ओवर में बिना विकेट खोए 143 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सूर्यवंशी ने हाल में आईपीएल नीलामी में सुर्खियां बटोरी थी जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें एक करोड़ 10 लाख रुपए में खरीदा। वह लीग के इतिहास में नीलामी में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के मारे जबकि आयुष ने चार छक्के और इतने ही चौके जड़े। भारत ने टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप के पहले मैच में 43 रन की निराशाजनक हार के साथ की थी लेकिन फिर जापान की कमजोर टीम को 211 रन से हराया था। भारत सेमीफाइनल में ग्रुप बी में शीर्ष पर रहे श्रीलंका से भिड़ेगा जबकि ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा पाकिस्तान शुक्रवार को बांग्लादेश से खेलेगा। पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों ग्रुप चरण में अजेय रहे।

हरमनप्रीत को विश्वकप से पहले शेफाली के लय में लौटने की उम्मीद

ब्रिसबेन। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की एकदिवसीय टीम मे शामिल नही की गई युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि वह अगले साल घरेलू सरजमी पर होने वाले महिला विश्व कप से पहले लय हासिल कर लेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही तीन वनडे मैचो की श्रृंखला मे टीम को शेफाली के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की सेवाएं नही मिलेगी। यास्तिका को महिला बिग बैश लीग के दौरान कलाई मे चोट लग गई थी। श्रृंखला के पहले मैच की पूर्व संध्या पर हरमनप्रीत ने कहा, वह (शेफाली) हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और उसने देश के लिए असाधारण प्रदर्शन किए है। हम उसे अपने जोन (लय) मे वापस आते और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक है। यास्तिका की जगह युवा उमा छेत्री को शामिल किया गया है जबकि तीन मैचो की श्रृंखला मे रिचा घोष, हरलीन देयोल, टिटास साधु और मिन्नू मनी की वापसी हुई है। हरमनप्रीत ने कहा, हम जब भी खेलते है, हमारा लक्ष्य जीतना होता है और यह श्रृंखला भी अपवाद नही है। यह देखकर अच्छा लगता है कि हमारी टीम एकदिवसीय प्रारूप मे अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हम इसी लय को बरकरार रखना चाहते है। भारतीय कप्तान ने कहा, सभी मैच महत्वपूर्ण है।

भारतीय महिला टीम के सामने आस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन। (भाषा) भारत और आस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें आस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। आस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिए हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था। वहीं पिछले करीब नौ महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी।भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगा जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल अठारह में से तेरह वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वत: जगह मिलेगी। हीली की जगह क्रीसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है।हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। मैकग्रा ने कहा, भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है। भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।वहीं खराब फॉर्म से जूझ रही शेफाली वर्मा को टीम में जगह नहीं मिल सकी है जिन्होंने अक्टूबर में यूएई में हुए टी ट्वेंटी विश्व कप में चार पारियों में सिर्फ 97 रन बनाए। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए तीन मैचों में भी वह 33, 11 , 12 रन ही बना सकी। कप्तान हरमनप्रीत कौर का फॉर्म भी चर्चा का विषय रहा जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला में तीनों मैचों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सकी थी।

स्टोक्स ने आईसीसी की ओवर रेट गणना पर सवाल उठाया

वेलिंग्टन। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पिछले साल लॉर्ड्स में एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं क्योंकि वह इसके आंकलन के बारे में अपनी चिंताओं को लेकर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के साथ बातचीत करने का इंतजार कर रहे हैं।इस मामले पर स्टोक्स की हालिया टिप्पणी तब आई जब क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में तीन-तीन अंक का जुर्माना लगाया गया। ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से स्टोक्स ने ओवर गति के जुर्माने पर कहा, दोनों टीमों के दृष्टिकोण से सबसे निराशाजनक बात यह है कि यह मैच समय से पहले खत्म हुआ और इसका स्पष्ट परिणाम भी निकला। मुझे हालांकि लगता है कि निराशा वास्तव में पिछले साल एशेज में हुई थी, जब मैंने पहली बार मैच रेफरी और अंपायरों के सामने इस मुद्दे को उठाया था। इस हरफनमौला ने कहा, मुझे लगता है कि सबसे निराशाजनक बात यह है कि यह हमेशा एक मुद्दा होता है जो इस बात पर निर्भर करता है कि आप दुनिया में कहां हैं और क्रिकेट की शैली क्या है। एशिया में ओवर-रेट कभी भी समस्या नहीं होती है क्योंकि वहां स्पिन गेंदबाजी ज्यादा होती है। स्टोक्स ने आईसीसी द्वारा जुर्माना लगाए जाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर व्यंग्यात्मक इमोजी पोस्ट की थी।उन्होंने कहा, आपको कई रणनीतिक फैसले लेने होते हैं, चाहे वह गेंदबाज से बात करना हो या क्षेत्ररक्षण में बदलाव करना हो। स्टोक्स ने पिछले साल एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किया है। उन्होंने अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा, एक कप्तान के तौर पर, मैं चीजों को काफी बदलना पसंद करता हूं और एक ओवर में छह गेंदों पर क्षेत्ररक्षण पूरी तरह से अलग हो सकती है। इन चीजों पर हालांकि ध्यान नहीं दिया जाता है। जल्दी करो कहने से इस समस्या का हल नहीं होगा, हम कहां खेल रहे हैं इस पर ध्यान देना होगा।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप: गुकेश और लिरेन ने आठवीं बाजी भी ड्रॉ खेली

सिंगापुर। भारतीय चैलेंजर डी गुकेश और चीन के गत चैंपियन डिंग लिरेन ने बुधवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की आठवीं बाजी में लगातार पांचवां ड्रॉ खेला जिससे दोनों समान अंकों के साथ बराबरी पर चल रहे हैं।इस ड्रॉ बाजी के बाद दोनों खिलाड़ियों के खाते में 4-4 अंक हैं जो चैंपियनशिप जीतने के लिए जरूरी 7.5 अंक से अब भी 3.5 अंक कम है। दोनों खिलाड़ी आठवीं बाजी में 51 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए। यह 14 दौर के मुकाबले का छठा ड्रॉ था। चीन के 32 वर्षीय लिरेन ने शुरुआती बाजी जीती थी जबकि 18 वर्षीय गुकेश तीसरी बाजी में विजई रहे थे। दूसरी, चौथी, पांचवीं, छठी और सातवीं बाजी भी ड्रॉ रही।

जय शाह के पास क्रिकेट को संकट से बाहर निकालने की क्षमता: बार्कले

लंदन। (भाषा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का मानना है कि जय शाह में क्रिकेट को मौजूदा संकट से बाहर निकालने और इसे अगले स्तर पर ले जाने की क्षमता है। उन्होंने हालांकि अपने उत्तराधिकारी को खेल को भारत के दबदबे में रखने के खिलाफ भी आगाह किया।

बार्कले ने चार साल के कार्यकाल के बाद एक दिसंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन स्थलों को लेकर चल रहे मौजूदा संकट के बीच अपने पद से हटने वाले बार्कले ने कहा कि क्रिकेट चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है। उन्होंने द टेलीग्राफ से कहा, वह (शाह) भारत को इस खेल में एक अलग स्तर पर ले गए और उनके पास आईसीसी के साथ ऐसा करने का शानदार मौका है। उन्हें हालांकि भारत के दबदबे से बाहर निकलना होगा। उन्होंने कहा, हम खुशकिस्मत है कि हमें इस खेल में भारत का साथ मिला है। वे सभी मापदंडों के आधार पर खेल में एक बड़ा योगदान देते हैं, लेकिन एक देश के पास इतनी शक्ति और प्रभाव होने से बहुत सारे अन्य परिणाम बिगड़ सकते हैं। यह स्थिति खेल से जुड़े वैश्विक विकास में सहायक नहीं है। उन्होंने कहा कि शाह में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी आगे ले जाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, भारत कई चीजें कर सकता है जिससे खेल को एकजुट करने और आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है जिसमें अपनी टीमों का उपयोग करके छोटे पूर्ण सदस्यों और उभरते देशों को अवसर देना, नए क्षेत्रों और बाजारों को खोलने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करना, सदस्यों को लाभ पहुंचाने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करना जैसे काम शामिल हैं। बार्कले ने माना कि वर्तमान में अत्याधिक क्रिकेट के कारण वह कई बार व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर का भी ध्यान नहीं रख पाते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, मैं खेल के शिखर पर हूं और मैं आपको यह नहीं बता सकता कि दुनिया भर में कौन खेल रहा है। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के मैच के बारे में मुझे अखबार में पढ़कर पता चला। उन्होंने कहा, ऐसे में मुझे लगता है कि हमने अपना दृष्टिकोण खो दिया है। यह खेल के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। इसमें कुछ गड़बड़ है और कैलेंडर अविश्वसनीय रूप से व्यस्त है। हमारा स्वार्थ ऐसा है कि इन सभी को सुलझाना लगभग असंभव है, क्योंकि कोई भी अपनी फायदे वाली चीजों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। बार्कले ने तालिबान सरकार के गठन के बाद महिला क्रिकेट को भंग करने के बावजूद अफगानिस्तान से पूर्ण सदस्यता वापस नहीं लेने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने इस देश के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेलने को लेकर ऑस्ट्रेलिया की आलोचना की। उन्होंने कहा, इसमें अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की कोई गलती नहीं थी।

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज में 15 साल बाद चखा टेस्ट मैच में जीत का स्वाद

किंग्सटन (जमैका)। बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को 101 रन से हराकर पिछले 15 साल में पहली बार कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट मैच जीता। वेस्टइंडीज की टीम जीत के लिए 287 रनों का पीछा करते हुए दो सत्र से भी कम समय में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम दो मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर करने में सफल रही। यह वेस्टइंडीज में टीम की तीसरी जीत है। टीम ने इससे पहले 2009 में दो मैचों की श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया था।इस मैच से पहले बांग्लादेश को वेस्टइंडीज में अपने पिछले सात टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इसमें मौजूदा श्रृंखला का पहला मैच भी शामिल था।वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के पास दूसरी पारी में ताइजुल इस्लाम की फिरकी का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 50 रन देकर पांच विकेट झटके। उन्हें हसन महमूद और तस्कीन अहमद का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि नाहिद राणा को एक सफलता मिली। वेस्टइंडीज के लिए सलामी बल्लेबाज क्रेग बेथवेट ने 43 और केवम हॉज ने 55 रन की पारी खेली। अपने आखिरी छह विकेट 42 रन के अंदर गंवा दिए। हॉज के आउट होते ही टीम की पारी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। इससे पहले बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 193 रन से की। प्लेयर ऑफ द मैच जाकेर अली ने 91 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को 268 रन तक पहुंचाया। उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ एक छोर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 106 गेंद की पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी में 164 रन के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 146 रन पर आउट हो गई थी।

दूसरे टेस्ट मे कार्यवाहक विकेटकीपर बने रहेगे पोप

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए ओली पोप को कार्यवाहक विकेटकीपर बरकरार रखा है।पिछले हफ्ते क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान जोर्डन कॉक्स का अंगूठा टूट गया था। ओली रोबिनसन को विकेटकीपर के कवर के तौर पर बुलाया गया था और वह वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में दूसरे टेस्ट में पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने की दौड़ में थे।

आईलीग: रीयल कश्मीर ने दिल्ली एफसी को 2-1 से हराया, चर्चिल ने पहली जीत दर्ज की

श्रीनगर। रीयल कश्मीर एफसी ने बुधवार को यहां आईलीग फुटबॉल मैच में दिल्ली एफसी को 2-1 से हराया जो टीम की घरेलू मैदान पर तीन मैच में दूसरी जीत है।रीयल कश्मीर की ओर से टीआरसी फुटबॉल टर्फ मैदान पर बोबा अमिनोउ (72वें मिनट) और लालरमदिनसांगा राल्टे (84वें मिनट) ने गोल दागे। दिल्ली की टीम के लिए एकमात्र गोल स्टीफन समीर बिनोंग ने 89वें मिनट में किया। रीयाल कश्मीर ने मौजूदा सत्र में अब तक अपने तीनों मुकाबले अपने घरेलू मैदान पर खेले हैं और उसके तीन मैच में सात अंक हैं। दिल्ली की टीम को दूसरी हार का सामना करना पड़ा और उसका सिर्फ एक अंक है।बेंगलुरू में खेले गए दिन के एक अन्य मैच में चर्चिल ब्रदर्स ने एससी बेंगलुरू को 3-1 से हराकर पहली जीत दर्ज की। एससी बेंगलुरू की टीम अंतिम स्थान पर चल रही है। उसने अब तक अपने सभी मुकाबले गंवाए हैं। वह एकमात्र टीम है जो मौजूदा सत्र में अब तक अंक नहीं जुटा पाई है। स्पेन के जोर्डन लामेला (12वें मिनट) ने निचली लीग से आईलीग में आए एससी बेंगलुरू को शुरुआती बढ़त दिलाई लेकिन चर्चिल ने कोलंबिया के सबेस्टियन गुटेरेस (25वें मिनट), सेनेगल के मिडफील्डर पापे अलासाने गसामा (38वें मिनट) और वेडे लेकाय (81वें मिनट) के गोल की मदद से आसान जीत दर्ज की।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।